पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ नस्ली हिंसा पर दायर की जनहित याचिका
- 12

अश्लील और गैरकानूनी सामग्री पर कार्रवाई करें वर्ना भुगतने पड़ेंगे नतीजे
- 12

परमाणु कार्यक्रम दोबारा शुरू करने पर ईरान पर हमला करेगा अमेरिका
- 13

विश्व ब्लिट्ज : अर्जुन एरिगैसी से हार के बाद कार्लसन ने आपा खो दिया
- 14

आज का मौसम

20.0° अधिकतम तापमान

09.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.56

सूर्यास्त 05.27

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष द्वादशी 01:48 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 31 दिसंबर 2025, वर्ष 4, अंक 131, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

पहाड़ों पर सैलानी

शिमला : नए साल का जश्न मनाने के लिए हिमाचल प्रदेश के पर्यटन स्थल सैलानियों से पैक हो गए हैं। शिमला में कड़ाके की ठंड के बाद भी मंगलवार की शाम को रिज में अच्छी चहल-पहल देखी गई।

भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, जापान हमसे पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी

- टैरिफ वार के बीच पकड़ी रॉकेट सी रफ्तार, 2030 तक जर्मनी को पीछे छोड़ तीसरे स्थान पर होंगे हम

भारत 4,180 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और 2030 तक जर्मनी को पीछे करके तीसरे स्थान पर पहुंचने की स्थिति में है। सरकार की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। भारत लगातार मजबूत वृद्धि आंकड़ों के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था भी बना हुआ है।

वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि 8.2 प्रतिशत रही। यह आंकड़ा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के 7.8 प्रतिशत और पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के 7.4 प्रतिशत से अधिक है। भारत ने 4,180 अरब अमेरिकी डॉलर के मूल्यांकन के साथ जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया और अनुमान है कि 2030 तक 7,300 अरब अमेरिकी डॉलर की जीडीपी के साथ जर्मनी को तीसरे स्थान से हटाने की स्थिति में है।

आईएमएफ का अनुमान

आईएमएफ के साल 2026 के अनुमानों के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था 4.51 ट्रिलियन डॉलर की होगी। यह जापान के अनुमानित 4.46 ट्रिलियन डॉलर से थोड़ा अधिक है। सरकार का यह आशावादी दृष्टिकोण ऐसे समय में आया है जब अगस्त में अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी टैरिफ के कारण अर्थव्यवस्था को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ये टैरिफ भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद से जुड़े थे।

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका है, जबकि चीन दूसरे स्थान पर है। बयान में कहा गया कि 2025-26 की दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि छह तिमाहियों के उच्च स्तर पर पहुंच गई, जो वैश्विक व्यापार में बनी अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की मजबूती को दर्शाती है। मजबूत निजी उपभोग जैसे घरेलू कारकों ने इस विस्तार को सहारा देने में प्रमुख भूमिका निभाई। बयान में विभिन्न संस्थानों के अनुमानों का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों ने इसकी पुष्टि की है।

विश्व बैंक ने 2026 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। वहीं मूडीज का अनुमान है कि भारत 2026 में 6.4 प्रतिशत और 2027 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ जी-20 अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष ने 2025 के लिए अपने अनुमान को बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत और 2026 के लिए 6.2 प्रतिशत कर दिया है।

ब्रीफ न्यूज

14 जनवरी से रेलवन एप से अनारक्षित टिकटों की खरीद पर 3% छूट

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय 14 जनवरी से 14 जुलाई 2026 तक रेलवन एप के माध्यम से अनारक्षित टिकटों की खरीद और किसी भी डिजिटल माध्यम से भुगतान पर तीन प्रतिशत की छूट प्रदान करेगा। फिलहाल, यह एप पर आर-वॉलेट भुगतान के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक करने पर तीन प्रतिशत कैशबैक प्रदान करता है। इस संबंध में रेल मंत्रालय की ओर से रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) को सॉफ्टवेयर प्रणाली में आवश्यक बदलाव करने के लिए पत्र भेजा गया। पत्र में कहा गया, डिजिटल बुकिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, रेलवन एप पर सभी डिजिटल भुगतान माध्यमों से अनारक्षित टिकट की बुकिंग पर तीन प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया गया है।

नक्सलियों को विस्फोटक आपूर्ति में पांच पर आरोपपत्र

नई दिल्ली। एनआईए ने छत्तीसगढ़ में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के लिए विस्फोटकों की खरीद और आपूर्ति से जुड़े साल 2024 के एक मामले में चार भगोड़ों समेत पांच आरोपियों के खिलाफ मंगलवार को आरोपपत्र दायर किया। गिरफ्तार आरोपी मनीष सोढ़ी और चारों फरार अभियुक्त सोढ़ी केसा, मनीला, मडकम केसा व सोढ़ी लखमा छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के निवासी हैं।

भारत रिफॉर्म एक्सप्रेस में सवार, युवा आबादी इसका मुख्य इंजन : मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा- सुधारों के बाद हमारी तरफ उम्मीद एवं भरोसे से देख रही है दुनिया

नई दिल्ली, एजेंसी

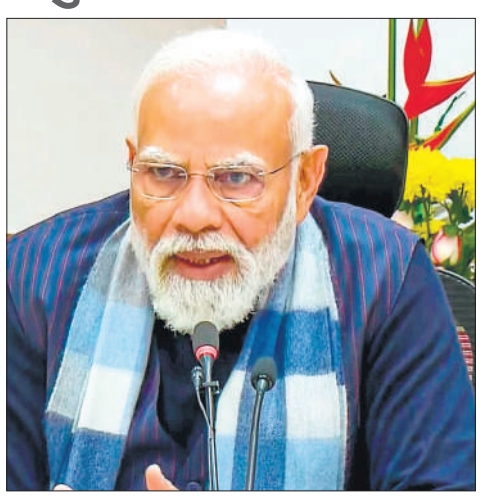

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में वृद्धि की संभावनाएं बढ़ाने वाले अगली पीढ़ी के सुधारों के माध्यम से प्रगति की रफ्तार को जिस गति से बढ़ाया है, उसकी तारीफ दुनिया कर रही है। कहा कि भारत सुधारों पर केंद्रित 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' में सवार हो चुका है जिसका मुख्य इंजन देश की युवा आबादी और नागरिकों का अटूट संकल्प है। प्रधानमंत्री ने पेशेवर सोशल नेटवर्किंग मंच 'लिंक्डइन' पर अपनी एक पोस्ट में यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत अपने लोगों के नवोन्मेषी उत्साह के कारण वैश्विक ध्यान का केंद्र बन गया है और अब दुनिया भारत को उम्मीद और भरोसे के साथ देख रही है।

मोदी ने कहा, भारत के लिए 2025 एक ऐसा साल होगा जिसे हमने पिछले 11 वर्षों में तैयार जमीन पर सुधारों को एक सतत राष्ट्रीय मिशन के रूप में आगे बढ़ाने के लिए याद किया जाएगा। हमने संस्थाओं को आधुनिक बनाया, शासन को सरल किया और दीर्घकालीन समावेशी वृद्धि के लिए बुनियाद को मजबूत किया। प्रधानमंत्री ने जीएसटी, भारतीय बीमा कंपनियों में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति, श्रम कानूनों में सुधार और ग्रामीण रोजगार गारंटी जैसी कुछ प्रमुख पहलों का उदाहरण भी दिया। उन्होंने जीएसटी में पांच और 18 प्रतिशत का दो-स्तरीय कर ढांचा लागू किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे घरों, एमएसएमई, किसानों और श्रम-गहन क्षेत्रों पर बोझ कम हुआ है। इसका मकसद विवादों में कमी लाना और अनुपालन को बेहतर करना है। इस सुधार से उपभोक्ता धारणा और मांग में वृद्धि हुई है।

त्योहारी मौसम में बिक्री में भी वृद्धि देखी गई। मोदी ने इस पोस्ट में मध्यम वर्ग को दी गई अप्रत्याशित राहत का जिक्र करते हुए कहा कि सालाना 12 लाख रुपये तक की आय वाले लोगों को अब आयकर नहीं देना है।

इसके अलावा 1961 के पुराने आयकर अधिनियम को बदलते हुए आधुनिक और सरल आयकर अधिनियम, 2025 लागू किया गया है। भारतीय बीमा कंपनियों में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देने से बीमा दायरा बढ़ेगा, प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा और नागरिकों को बेहतर विकल्प एवं सेवाएं मिलेंगी। संसद के मानसून सत्र में एक ही बार पांच समुद्री कानून पारित किए गए। मोदी ने चार आधुनिक श्रम संहिताएं लागू किए जाने का जिक्र किया जो मजदूरों के हित सुरक्षित करने के साथ कारोबारी परिवेश को भी मजबूत करता है। इसके अलावा यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के साथ एफटीए भी का भी जिक्र किया।

दीर्घकालिक वृद्धि के लिए मिशन रूप में सुधारों की जरूरत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को विभिन्न क्षेत्रों में मिशन रूप में सुधार किए जाने की जरूरत पर जोर दिया ताकि दीर्घकालीन आर्थिक वृद्धि को सुनिश्चित किया जा सके। प्रधानमंत्री ने वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट की तैयारियों के संदर्भ में नीति आयोग में जाने-माने अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों के साथ बातचीत में यह बात कही। इस संवाद का विषय 'आत्मनिर्भरता एवं संरचनात्मक रूपांतरण, विकसित भारत के लिए एजेंडा' था। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की नीति-निर्माण प्रक्रिया और बजट निर्धारण में 2047 के लिए संकल्प को केंद्रीय रूप से रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश को वैश्विक श्रम शक्ति और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनाए रखना जरूरी है। मोदी ने विकसित भारत के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प अब सरकारी नीतियों से इतर आमजन आकांक्षा बन चुका है। इस चर्चा में कई प्रमुख अर्थशास्त्रियों एवं विशेषज्ञों ने शिरकत की। इनमें शंकर आचार्य, अशोक के भट्टाचार्य, एन. आर. भानुमूर्ति, अमिता बत्रा, जन्मेजय सिन्हा, अमित चंद्रा, रजनी सिन्हा, बसंत प्रधान, मदन सबनवीस, आशिमा गोयल, धर्मकीर्ति जोशी, उमाकांत दास, पिनाकी चक्रवर्ती, इंद्रनील सेन गुप्ता, समीरन चक्रवर्ती, अभिमान दास, राहुल बाजोरिया, मोनिका हलन और सिद्धार्थ सन्याल शामिल थे।

उत्तर प्रदेश में फिर बढ़ी एसआईआर की समय सीमा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन अब 6 जनवरी, 2026 को
- ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 6 मार्च को की जाएगी जारी

अमृत विचार: भारत निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम की समय-सीमा में पुनः संशोधन किया है। इसके अनुसार एक जनवरी, 2026 के आधार पर तैयार की जा रही मतदाता सूची के लिए अब नई तारीख घोषित की गई हैं। चुनाव आयोग ने बताया कि तारीख में हुए इस बदलाव का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक, पारदर्शी और त्रुटिहीन बनाना होगा।

राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार, अब ड्राफ्ट वोटर लिस्ट छह जनवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी। ड्राफ्ट लिस्ट जारी होने के बाद मतदाता अपने नाम, पते और अन्य विवरणों की जांच कर सकेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि एक जनवरी के आधार पर राज्य में चल रहे एसआईआर कार्यक्रम की घोषित तारीखों में संशोधन करते हुए नई तिथियां जारी कर दी गई है। संशोधित तारीखों के अनुसार, अब मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन छह जनवरी, 2026 को किया जाएगा। दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि छह जनवरी से छह फरवरी, 2026 तक निर्धारित की गई है।

छह जनवरी से 27 फरवरी 2026 तक नोटिस चरण, गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन छह मार्च, 2026 को किया जाएगा।

पूर्व सांसद व ब्लॉक प्रमुख पति के खिलाफ एफआईआर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सड़क कब्जे के आरोप में पीड़ित पक्ष पर ही ने दर्ज की थी रिपोर्ट
- पीड़ितों की शिकायत पर इंस्पेक्टर को किया गया लाइन हाजिर

अमृत विचार: अहिमामऊ स्थित स्वास्तिका सोसाइटी में दीवार खड़ी कर सड़क कब्जे के मामले में सुशांत गोल्फ सिटी थाने में पूर्व सांसद धनंजय सिंह, ब्लॉक प्रमुख पति विनय सिंह, सरकारी गनर समेत दस अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। वहीं, कब्जा कराने के लिए आरोपियों का साथ देने वाले इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी उपेंद्र सिंह को पुलिस आयुक्त ने लाइन हाजिर कर दिया। मामले में कार्रवाई के लिए प्रभारी मंत्री ने कहा था। इसके बाद भी इंस्पेक्टर ने किसी की नहीं सुनी और पीड़ित पक्ष पर ही रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। पूरे प्रकरण की जांच एसीपी गोसाईंगंज ऋषभ यादव को सौंपी गई है।

सुल्तानपुर रोड स्थित स्वास्तिका सिटी में कौशल तिवारी, धीरेंद्र मणि त्रिपाठी, रवि बाजपेई, नीरज कुमार सिंह, सुनीता सिंह व रामू समेत अन्य परिवार रहते हैं। पीड़ित कौशल तिवारी ने बताया कि उनके बगल में जौनपुर के महराजगंज विकास खंड की ब्लॉक प्रमुख मांडवी सिंह ने 4500 वर्गफीट जमीन लेकर मकान बनवाया है। उनके बैनामे में दक्षिण दिशा में 20 फीट चौड़ी सड़क दर्शाई गई है, जो पिछले करीब 20 वर्षों से डामर रोड के रूप में कॉलोनी में आने-जाने के लिए सुचारू रूप से संचालित है। मांडवी सिंह का पति विनय सिंह सरकारी गनर व आठ-दस असलहाधारियों को लेकर चलता है। 29 दिसंबर की शाम करीब चार बजे विनय सिंह अपने सरकारी गनर विपुल यादव और दस अज्ञात असलहाधारी लोगों के साथ पहुंचे और ईंट की दीवार खड़ी कर सड़क बंद करने लगे। कॉलोनीवासियों ने विरोध किया तो आरोपियों ने लाइसेंसी राइफल तानते हुए जान से मारने की धमकी दी।

पीड़ितों का कहना है कि विनय खुद को पूर्व सांसद धनंजय सिंह का रिश्तेदार बताते हुए मोबाइल पर उनसे बात कराकर धमकी दिलवाते रहे, जिसका वीडियो भी मौजूद है। मंगलवार को कॉलोनीवासियों ने पुलिस आयुक्त से मिलकर शिकायत की। पुलिस आयुक्त ने इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह को लाइन हाजिर करते हुए एसीपी को जांच सौंपी। साथ ही रिपोर्ट दर्ज करने का आदेश दिया। पुलिस ने विनय सिंह, सरकारी गनर, पूर्व सांसद धनंजय सिंह व दस अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विनय और धनंजय सिंह पर दर्ज मामले की जांच एसीपी को सौंपी गई है। स्थानीय चौकी इंचार्ज की भूमिका की भी जांच की जा रही है। जो भी दोषी होगा नियमानुसार कार्यवाही होगी।
-निपुण अग्रवाल, डीसीपी दक्षिण

छह राज्यों में बारिश का अलर्ट, यूपी में बिगड़ेगा मौसम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पहाड़ों पर हिमपात के कारण तापमान दो से तीन डिग्री गिरने की संभावना
- वर्ष के आखिरी दिन 20 से अधिक शहरों में घने कोहरे के आसार

अमृत विचार : नववर्ष के आगमन की तैयारी के बीच मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने उत्तर भारत के छह राज्यों में बारिश की चेतावनी दी है। लोगों से इस दौरान सतर्क रहने की अपील की गई है।

दरअसल, पहाड़ी इलाकों में कुछ जगहों पर भारी हिमपात की संभावना है, जिससे उत्तर प्रदेश के भी तमाम जिले प्रभावित होंगे। बारिश और हिमपात के कारण तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की कमी आने की संभावना है। इस बीच उत्तर प्रदेश में वर्ष 2025 के आखिरी दिन 20 से अधिक शहरों में घना कोहरा मुश्किल हालात पैदा कर सकता है। सुबह के वक्त यात्रा करने वाले लोगों को विशेष रूप से सतर्क रहने की आवश्यकता है। जिन जिलों में घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है, उनमें लखनऊ, बाराबंकी, कानपुर, सीतापुर, गोरखपुर, महाराजगंज, संत कबीर नगर, बहराइच, गोंडा, सैफई, मैनपुरी, बिजनौर, रामपुर, बलरामपुर, आगरा, मुजफ्फर नगर, अमेठी, मेरठ और बरेली शामिल हैं। दूसरी ओर वर्ष के अंतिम दिन 31 दिसंबर की शाम से छह राज्यों उत्तराखंड, दिल्ली, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में बारिश और बर्फबारी की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान लोगों से काफी सतर्क रहने की अपील भी है। बारिश की वजह से पारा तेजी से गिरने की संभावना जताई गई है।

48 घंटे के भीतर दूसरा भेड़िया ढेर

कैसरगंज (बहराइच)। कैसरगंज वन रेंज में वन विभाग ने मंगलवार को मादा भेड़िए को मार गिराया। बीते 48 घंटों में यह दूसरा भेड़िया है जिसे वन विभाग ने शूट किया है। भेड़िए के मारे जाने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

मंगलवार को भिरगू पुरवा के पास भेड़िए की मौजूदगी की सूचना मिली थी। रेस्क्यू टीम को देखकर भेड़िया खेतों की ओर भागने लगा, जिसके बाद शूटर ने उसे गोली मार दी। चेहरे पर गोली लगने से भेड़िया मौके पर ही ढेर हो गया। इससे पहले, रविवार को भी वन विभाग ने इसी इलाके के बिरजा पकड़िया क्षेत्र में एक भेड़िए को शूट किया था। वहीं प्रभागीय वनाधिकारी राम सिंह यादव ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे गश्त के दौरान भेड़िए को देखा गया और पीछा करने के बाद उसे गोली मार दी गई।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम जिया का निधन

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री खालिदा जिया का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 80 वर्ष की थीं। जिया ने देश में उथल-पुथल भरे सैन्य शासन के बाद लोकतंत्र की पुनर्स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और दशकों तक देश की राजनीति पर अपना दबदबा बनाए रखा था। जिया के बड़े बेटे और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारीक रहमान ने कहा, मेरी मां अब हमारे बीच नहीं रहीं। जिया बीएनपी की अध्यक्ष थीं। प्रधानमंत्री मोदी ने जिया के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पड़ोसी देश के विकास और भारत-बांग्लादेश संबंधों में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। जिया के निजी चिकित्सक डॉ. एजेडएम जाहिद हुसैन ने बताया कि ढाका के 'एवरकेयर' अस्पताल में इलाज के दौरान मंगलवार तड़के उन्होंने अंतिम सांस ली। जिया तीन बार प्रधानमंत्री और बीएनपी की अध्यक्ष भी रह चुकी थीं। जिया के जनाजे की नमाज बुधवार को संसद परिसर के सामने ढाका मानिक मियां एवेन्यू में होने की उम्मीद है।

दुर्भाग्यपूर्ण

दोषसिद्धि रद्द करते बेंच ने माना कि सजा पाने वाले नहीं, वरन किसी अन्य ने की थी हत्या

38 वर्ष से सजा भुगत रहे हत्यारोपियों को हाईकोर्ट ने किया रिहा

विधि संवाददाता,प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हत्या के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे तीन आरोपियों को बरी करते हुए पाया कि यह गुप्त हत्या थी, जिसे किसी अन्य व्यक्ति ने अंजाम दिया। इसके साथ ही अभियोजन पक्ष अपने मामले को संदेह से परे साबित करने में पूरी तरह विफल रहा है। ट्रायल जज ने रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्यों का सही परिप्रेक्ष्य में मूल्यांकन नहीं किया। साथ ही अनुमानों और साक्ष्यों के अनुचित मूल्यांकन के आधार पर अपीलकर्ताओं के अपराध के संबंध में गलत निष्कर्ष निकाले गए। उक्त आदेश न्यायमूर्ति जेजे व मुनीर और न्यायमूर्ति संजीव कुमार की खंडपीठ ने लाला और अन्य की आपराधिक अपील स्वीकार करते हुए पारित किया।

कोर्ट ने माना कि प्रत्यक्षदर्शी साक्ष्य और चिकित्सकीय साक्ष्य के बीच गंभीर और अपूरणीय विरोधाभास है। जिन्हें नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। मामले के अनुसार शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसके भाई को 11 आरोपियों ने लाठी-डंडों से पीट-पीटकर मार डाला और एफआईआर दर्ज कराने पर उसे जान से मारने की धमकी दी गई। ट्रायल कोर्ट ने सभी आरोपियों को आईपीसी की धारा 147 व 302,149 के तहत पुलिस स्टेशन सोरांव, प्रयागराज में 1987 में दर्ज मामले में दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। अपील की सुनवाई के दौरान 11 में से आठ आरोपियों की मृत्यु हो जाने से उनके विरुद्ध अपील समाप्त हो गई। शेष तीन की अपील पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि यह संभव नहीं है कि 11 हमलावरों ने मृतक को जान से मारने की नीयत से एक घंटे तक पीटा हो और उसके शरीर पर केवल 10 चोटें आई हों। कोर्ट ने यह भी नोट किया कि सूचना मिलने के बाद मृतक का भाई और चाचा न तो हथियार लेकर गए और न ही घटनास्थल तक पहुंचने के लिए लंबा रास्ता अपनाया। इसके अलावा जिस लाठी प्रहार का विवरण गवाहों ने दिया, वैसी कोई चोट पोस्टमार्टम रिपोर्ट में नहीं पाई गई। अंत में कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि वर्तमान मामले में चिकित्सा साक्ष्य प्रत्यक्षदर्शी के प्रत्यक्ष साक्ष्य का पूर्णतः खंडन करता है। शव पर पाए गए घाव प्रत्यक्षदर्शी के साक्ष्य का समर्थन नहीं करते हैं। इस तरह प्रत्यक्षदर्शी और चिकित्सा साक्ष्य में महत्वपूर्ण विरोधाभास मिलता है, जो अभियोजन पक्ष के मामले पर गंभीर संदेह पैदा करता है। कोर्ट ने यह भी माना कि मृतक की हत्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा रात के अंधेरे में की गई थी और अभियोजन पक्ष आरोपी के अपराध को साबित करने में 'पूरी तरह से विफल' रहा, अतः कोर्ट ने तीन जीवित आरोपियों को बरी कर दिया।

अमृत विचार

कानपुर, बुधवार, 31 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण आज

अमृत विचार, अयोध्या : राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दूसरी वर्षगांठ पर पहली बार धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अयोध्या पहुंच रहे है। उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद होंगे। राम जन्मभूमि परिसर में चल रहे अनुष्ठान के अंतिम दिन 31 दिसंबर को रक्षा मंत्री सुबह 11.30 मिनट पर मंदिर परिसर पहुंचेंगे। रामलला के दर्शन करने के बाद अनुष्ठान में शामिल होंगे। जिसके बाद परकोटा के उत्तरी भुज पर स्थित मां अन्नपूर्णा देवी मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण करेंगे। लगभग दो बजे अंगद टीला पर बने विशाल पंडाल में सीएम योगी आदित्यनाथ और राजनाथ सिंह अयोध्यावासियों को संबोधित करेंगे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय ने बताया कि प्रतिष्ठा द्वादशी भगवान के पाटोत्सव का दूसरा वर्ष है। 31 दिसंबर 2025 के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पूजा पाठ हो रहे है। कानपुर की टोली से श्री राम चरित मानस का पाठ 5 दिन तक चलेगा।और 31 दिसंबर केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह समाज को संबोधित करेंगे। लोगों से अपील की गई है कि अपनी सुविधा के अनुसार संपर्क मार्ग से सुग्रीव पथ के रास्ते अंगद टीला पर पहुंच सकते है। प्रतिष्ठा द्वादशी समारोह में शामिल होने आ रहे केंद्रीय रक्षा मंत्री राज नाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ लगभग पांच घंटे अयोध्या में बिताएंगे। इस दौरान दोनों नेता समारोह में शामिल होने के साथ श्री राम मंदिर में राम लला और हनुमानगढ़ी में मंदिर हनुमानजी की पूजा अर्चना करेंगे। शांति व सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन ने बड़ी संख्या में मजिस्ट्रेटों की तैनाती की है। केंद्रीय रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री लगभग 11 बजे अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से वह राम मंदिर जाएंगे। राम लला के पूजन अर्चन के साथ प्रतिष्ठा द्वादशी के कार्यक्रम में शामिल होंगे।

स्वास्थ्य सेवाओं को मिला नया आयाम, अस्पतालों का शिलान्यास व आईसीयू का विस्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

विभाग की सेहत सुधरी

- आधुनिक, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य तंत्र का प्रदेशवासियों ने उठाया लाभ
- कई नई स्वास्थ्य इकाइयों का हुआ लोकार्पण, प्रदेशवासियों ने लिया भरपूर लाभ
- मातृ एवं नवजात शिशु स्वास्थ्य पर रहा फोकस, पीडियाट्रिक केयर यूनिट और न्यूबॉर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट में हुई बढ़ोत्तरी
- ई-संजीवनी, टेलीमेडिसिन, एंबुलेंस सेवाएं और टीबी उन्मूलन में हुई उल्लेखनीय उपलब्धि

अमृत विचार : वर्ष 2025 स्वास्थ्य सेवाओं के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ है। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने इस वर्ष आधारभूत ढांचे के विस्तार से लेकर अत्याधुनिक इलाज सुविधाओं तक अनेक बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। इन प्रयासों का सीधा लाभ प्रदेश की करोड़ों जनता को मिला है, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण बनीं।

इस क्रम में इमरजेंसी कोविड रिलीफ पैकेज के तहत प्रदेश में चिकित्सा ढांचे को अभूतपूर्व मजबूती दी गई। वर्ष 2025 में कुल 83 नई स्वास्थ्य इकाइयों का लोकार्पण किया गया तथा एक बड़े अस्पताल का शिलान्यास हुआ। इनमें 26 आईपीएचएल लैब, 38 पचास बेड के फील्ड अस्पताल, 13 जनपदीय ड्रग वेयरहाउस, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सीसीबी यूनिट और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। इसके साथ ही सीतापुर में 200 बेड के जिला चिकित्सालय का शिलान्यास भी किया गया।

प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में 1800 और जिला अस्पतालों में 1029 आईसीयू बेड स्थापित किए गए। ऑक्सीजन आपूर्ति को सुदृढ़ करने के लिए मेडिकल गैस पाइपलाइन सिस्टम (MGPS) सहित 49 एलएमओ स्टोरेज टैंक स्थापित किए गए। इससे गंभीर मरीजों को समय पर जीवन रक्षक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

एनएचएम की निदेशक डॉ. पिंकी जोवल के मुताबिक, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। इसके तहत 42 बेड वाले पीडियाट्रिक केयर यूनिट जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में स्थापित किए गए। वहीं 32 बेड वाले सभी 23 पीडियाट्रिक यूनिट पूरी से संचालित हुईं। इसके अलावा नवजात शिशुओं की देखभाल के लिए प्रदेश में 412 न्यूबॉर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट्स (एलबीएसयू) की स्थापना की गई। वर्ष 2024-25 में बाह्य रोगी सेवाओं में 27 प्रतिशत और अंतः रोगी सेवाओं में 32 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। संस्थागत प्रसव, सिजेरियन डिलीवरी, बड़े और छोटे ऑपरेशन, पैथोलॉजी जांच, एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड सेवाओं में भी उल्लेखनीय इजाफा हुआ।

आरोग्य योजना के तहत 318 अस्पतालों को जोड़ा

- सचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 318 अस्पतालों को जोड़ा गया, जिनमें 248 कैंसर उपचार से संबंधित हैं। दिसंबर-25 तक लगभग 3,862 करोड़ रुपये का भुगतान अस्पतालों को किया गया। एंबुलेंस सेवाओं को मजबूत करते हुए 2,249 नई एंबुलेंस बेड़े में जोड़ी गईं, जिनसे लाखों मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाया गया।

आधुनिक जांच और उपचार सुविधाएं घर के पास

- राज्य के 74 जिलों में सीटी स्कैन और सभी 75 जिलों में डायलिसिस सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। जनवरी से नवंबर-25 के बीच 9.42 लाख सीटी स्कैन और 6.50 लाख से अधिक डायलिसिस सत्र संचालित किए गए। आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एसेंशियल ड्रग लिस्ट का विस्तार किया गया, जिससे प्राथमिक से लेकर जिला अस्पताल स्तर तक दवाओं की संख्या बढ़ाई गई।

मिशन शक्ति केंद्रों को मिलेंगे वाहन-मोबाइल

नववर्ष में 67 करोड़ से खरीदी जाएगी स्कूटी और मोबाइल हैंडसेट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मिशन शक्ति केंद्रों को और सशक्त करेगी सरकार, महिला सुरक्षा को मिलेगा बल
- मिशन शक्ति 5.0 के तहत प्रदेश भर में 1600 मिशन शक्ति केंद्र हैं स्थापित
- 6400 नई स्कूटी और 1600 मोबाइल हैंडसेट खरीदने पर किया जा रहा विचार

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में मिशन शक्ति अभियान के तहत स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों को और अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाने की तैयारी है। मिशन शक्ति 5.0 के तहत प्रदेश भर में स्थापित 1600 मिशन शक्ति केंद्रों को अगले वर्ष अत्याधुनिक संसाधनों से लैस किया जाएगा, जिससे महिला अपराधों की रोकथाम और पीड़ित महिलाओं को त्वरित सहायता सुनिश्चित की जा सके। सरकार की योजना के अनुसार वर्ष 2026 में मिशन शक्ति केंद्रों को दो पहिया वाहन और मोबाइल हैंडसेट उपलब्ध कराए जाएंगे।

महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन की नोडल अधिकारी एडीजी पद्मजा चौहान ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत प्रदेश भर में 1600 मिशन शक्ति केंद्र/ थानों की स्थापना की गई थी। वहीं अब मिशन शक्ति केंद्र को और अधिक सशक्त करने के लिए विभिन्न कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक मिशन शक्ति केंद्र पर 4 स्कूटी और एक-एक मोबाइल हैंडसेट की आवश्यकता सामने आ रही है।

ऐसे में मिशन शक्ति केंद्र के लिए कुल 6,400 नई स्कूटी और 1,600 मोबाइल हैंडसेट खरीदने पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए जल्द ही सरकार को प्रस्ताव बनाकर भेजा जाएगा। इन संसाधनों में करीब 67 करोड़ रुपये खर्च आएगा। उन्होंने बताया कि सरकार से हरी झंडी मिलने और बजट आवंटित होने के बाद अगले वर्ष इन संसाधनों की खरीद की जाएगी। इन संसाधनों के माध्यम से मिशन शक्ति की टीमों की पहुंच गांव-गांव और मोहल्लों तक और मजबूत होगी, जिससे महिलाओं की शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई संभव हो सकेगी।

एडीजी पद्मजा चौहान ने बताया कि मिशन शक्ति केंद्र महिलाओं के लिए न केवल सहायता और परामर्श का केंद्र हैं, बल्कि ये उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से महिला हेल्पलाइन, काउंसलिंग, कानूनी सहायता, मेडिकल सपोर्ट और पुनर्वास जैसी सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई जा रही हैं।

आपात स्थिति में मौके पर पहुंच सकेंगी

दो पहिया वाहन मिलने से मिशन शक्ति की महिला कर्मी और पुलिस टीम किसी भी आपात स्थिति में तेजी से मौके पर पहुंच सकेंगी। वहीं, मोबाइल हैंडसेट से रियल टाइम मॉनिटरिंग, शिकायत दर्ज करना और उच्च अधिकारियों से समन्वय और बेहतर होगा।

नए संसाधन से केंद्र की बढ़ेगी कार्यक्षमता

मिशन शक्ति केंद्रों को मिलने वाले नए संसाधन महिला अपराध की रोकथाम में मील का पत्थर साबित होंगे। इससे न सिर्फ पुलिस और प्रशासन की कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि आम महिलाओं में सुरक्षा का भरोसा भी मजबूत होगा।

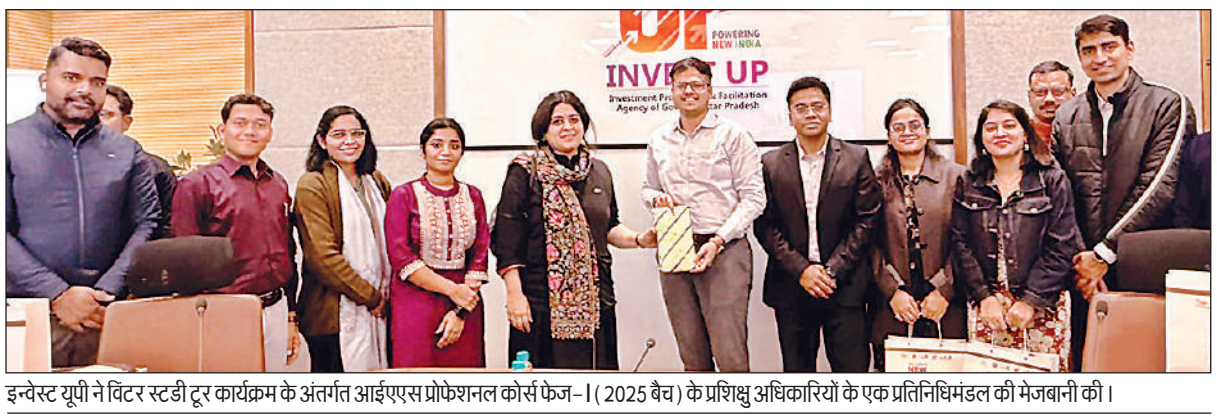

इन्वेस्ट यूपी ने विंटर स्टडी टूर कार्यक्रम के अंतर्गत आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज-I (2025 बैच) के प्रशिक्षु अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की।

प्रशिक्षु आईएएस ने समझी निवेश प्रोत्साहन रूपरेखा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- इन्वेस्ट यूपी ने विंटर स्टडी टूर कार्यक्रम के अंतर्गत की प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी

अमृत विचार : इन्वेस्ट यूपी ने विंटर स्टडी टूर कार्यक्रम के अंतर्गत आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज-I (2025 बैच) के प्रशिक्षु अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की। इस मौके पर उत्तर प्रदेश की निवेश प्रोत्साहन संरचना तथा सुशासन आधारित आर्थिक परिवर्तन को प्रदर्शित किया गया। यह सत्र अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रेरणा शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए प्रेरणा शर्मा ने कहा, "किसी भी निवेश प्रोत्साहन एजेंसी की मूल जिम्मेदारी सरकार की मंशा को निवेशकों के विश्वास में परिवर्तित करना होती है। अपने अनुभव के आधार पर मैंने देखा है कि पहले निवेश प्रक्रिया कितनी विस्तृत और अधिक समय लेने वाली थी।

उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में 'निवेश मित्र' की शुरुआत की गई, जिसके माध्यम से सभी अनुमोदनों को इंटीग्रेटेड सिंगल-विंडो डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाया गया, जिससे निवेशकों के अनुभव में मूलभूत सुधार हुआ है। उन्होंने आगे कहा, यदि कोई समस्या आती है, तो उसका समाधान करना और निवेशकों का विश्वास बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है।

प्रेरणा शर्मा ने कहा कि सभी प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों से आग्रह करती हूं कि भविष्य में जिलाधिकारी एवं उपजिलाधिकारी के रूप में वे सक्रिय सुविधा प्रदान करने, विभागों के बीच प्रभावी समन्वय तथा निवेशकों को सशक्त ऑन-ग्राउंड सहयोग सुनिश्चित करें, जिससे निवेश प्रस्ताव समयबद्ध रूप से धरातल पर उतर सकें।

पारदर्शिता और निवेशक सुविधा को और बढ़ाया जाएगा

- आगामी 'निवेश मित्र 3.0' में कॉमन एप्लिकेशन फॉर्म (सीएएफ) प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें डाटा फ़ील्ड और दस्तावेज़ की आवश्यकताओं को कम किया जाएगा, साथ ही निर्धारित समय-सीमा और एस्केलेशन मैकेनिज़्म के माध्यम से पारदर्शिता और निवेशक सुविधा को और बढ़ाया जाएगा।

यूपी के मतदेय स्थलों में 15030 की वृद्धि

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में मतदेय स्थलों की संख्या 162486 थी, जो सम्भाजन के बाद बढकर 177516 हो गयी है। ऐसे में मतदेय स्थलों में 15030 की वृद्धि हुई है। बीते साल 2024 में मतदेय स्थलों का सम्भाजन 1500 मतदाताओं के आधार पर हुआ था। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 75 जिलों के 403 विधान सभा क्षेत्रों के 1200 मतदाताओं के आधार पर मतदेय स्थलों के सम्भाजन प्रस्ताव पर 23 दिसम्बर को अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा द्वारा बताया गया कि प्रदेश में मतदेय स्थलों के सम्भाजन की कार्यवाही 29 अक्टूबर से शुरु हुई थी। 75 जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारीगण से प्राप्त प्रस्ताव 24 नवम्बर को भारत निर्वाचन आयोग के अनुमोदन के लिए भेजा गया था। मतदेय स्थलों की संख्या में वृद्धि होने के कारण नये सृजित 15030 मतदेय स्थलों पर अतिरिक्त बूथ लेवल अधिकारियों की तैनाती की जायेगी। निर्वाचक नामावली का आलेख्य प्रकाशन इन्हीं नये मतदेय स्थलों पर 06 जनवरी को किया जाएगा।

सशक्त बनेंगे दिव्यांगजन विश्वविद्यालय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पेंशन और नि:शुल्क बस सेवा से सामाजिक सुरक्षा हुई मजबूत, खेल, कला और कौशल से दिव्यांग प्रतिभाओं को मिला मंच

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार समाज के वंचित वर्गों, विशेषकर दिव्यांगजन और पिछड़ा वर्ग, के सर्वांगीण सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। शिक्षा, पेंशन, निःशुल्क परिवहन, कौशल विकास और रोजगार से जुड़ी योजनाओं के माध्यम से सरकार का लक्ष्य इन वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ते हुए आत्मनिर्भर और सम्मानपूर्ण जीवन की ओर अग्रसर करना है।

इसी क्रम में योगी सरकार की ओर से दिव्यांग विश्वविद्यालयों को सशक्त बनाने के निर्देश दिए गए हैं, जबकि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि योगी सरकार की नीतियां केवल सहायता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को सशक्त बनाने पर केंद्रित हैं।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पारदर्शी, समयबद्ध और प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जाए। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ एवं जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कहा कि ये संस्थान दिव्यांगजनों के लिए उच्च शिक्षा के प्रमुख केंद्र हैं।

उन्होंने मंडल स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम, कार्यशालाएं एवं प्रचार-प्रसार अभियान चलाकर अधिक से अधिक दिव्यांग छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा से जोड़ने के निर्देश दिए। साथ ही विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार, रिक्त शिक्षकीय पदों पर शीघ्र नियुक्ति तथा निर्माणाधीन कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के भी निर्देश दिए गए।

पिछड़ा वर्ग कल्याण योजनाओं की सख्त मॉनिटरिंग

- पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की समीक्षा के दौरान कहा गया कि योजनाओं की वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी जब उनका सीधा लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। मंत्री ने जनपद स्तर पर नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित करने और कमजोर प्रगति वाले जिलों में जिलाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

2025-26 में दिव्यांग प्रतिभाओं को मिलेगा नया मंच

- आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया गया कि लखनऊ में 7 दिवसीय राज्य स्तरीय दिव्यांग खेलकूद प्रतियोगिता, प्रयागराज और ललितपुर में दिव्यांग पुनर्वासन पर राष्ट्रीय कार्यशालाएं, प्रयागराज, प्रतापगढ़, कानपुर नगर, गोरखपुर, वाराणसी एवं बागपत में चित्रकला व हस्तकला प्रदर्शनी एवं कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।

बहराइच के डीएफओ पर गिरी गाज

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्ती के बाद मंगलवार को बहराइच जिले के डीएफओ पर गाज गिर गई। बहराइच डीएफओ राम सिंह यादव को हटा दिया गया है। उन्हें मुख्यालय से संबद्ध करते हुए उनकी जगह एटा के डीएफओ सुन्दरेशा को बहराइच का नया डीएफओ बनाया गया है। इतना ही नहीं सीएम की ओर से बहराइच, लखीमपुर खीरी, बलरामपुर और बिजनौर में बाघ, तेंदुए व भेड़ियों द्वारा मारे गए व्यक्तियों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों का उपचार व मुआवजा वितरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दिए जाने की भी हिदायत दी गई है। दूसरी ओर वन विभाग की टीम द्वारा अब तक आठ आदमखोर भेड़ियों को मार गिराने की सूचना मिली है। दरअसल, बहराइच में बीते कुछ समय से भेड़ियों का आतंक काफी बढ़ गया है।

चार श्रम कानूनों से मिला मजबूत सामाजिक सुरक्षा का कवच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ।

श्रमिकों के हाथ मजबूत

- प्रदेश में श्रमिक कल्याण, रोजगार व औद्योगिक विस्तार का गोल्डन-ईयर साबित हुआ बीता वर्ष
- आठ वर्षों में दोगुने से अधिक नए कारखाने रजिस्टर्ड
- रोजगार महाकुंभ में 16 हजार से अधिक को मिली नौकरी

अमृत विचार : वर्ष 2025 उत्तर प्रदेश के श्रम विभाग और श्रमिक कल्याण के दृष्टिकोण से एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी वर्ष रहा। श्रम एवं सेवायोजन विभाग ने न केवल श्रमिकों के हितों की रक्षा को नई दिशा दी, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्ष 2025 इसलिए भी खास रहा क्योंकि इसी वर्ष भारत सरकार द्वारा चार श्रम संहिताओं को अधिसूचित किया गया, जिन्हें श्रमिक हितों की दिशा में मील का पत्थर माना जा रहा है।

सरकार की नीतियों और सुधारों का प्रत्यक्ष परिणाम यह रहा कि प्रदेश में लगातार बड़ी संख्या में नये कारखानों की स्थापना और पंजीकरण हुआ। बीते आठ वर्षों की तुलना में 2025 तक कारखानों का पंजीकरण दोगुने से भी अधिक हो गया, जिससे रोजगार के नये अवसर सृजित हुए और औद्योगिक वातावरण मजबूत हुआ। विशेष रूप से महिला कर्मकारों के लिए वर्ष 2025 ने नए अवसरों के द्वार खोले और उन्हें अधिक सुरक्षित व सशक्त कार्यपरिस्थितियां उपलब्ध कराईं।

श्रम अधिनियमों के अंतर्गत लंबित वादों की सुनवाई को सरल, पारदर्शी और त्वरित बनाने के लिए श्रम विभाग ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया। 26 अगस्त 2025 को श्रम न्याय सेतु, लेबर ई कोर्ट प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया गया था। यह पोर्टल न केवल पेपरलेस गवर्नेंस का उदाहरण बना, बल्कि इसे 19वें नेशनल डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन अवार्ड्स 2025 में पेपरलेस गवर्नेंस चैंपियन श्रेणी में सम्मानित भी किया गया। प्रदेश के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन का गठन किया गया।

इसके अंतर्गत घरेलू ही नहीं बल्कि विदेशी रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा दिया गया। रोजगार संगम पोर्टल से पंजीकृत 5 रिक्रूटमेंट एजेंसियों को जोड़ा गया, जिससे अंतरराष्ट्रीय प्लेसमेंट को नई गति मिली। रोजगार महाकुंभ का आयोजन इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में किया गया, जहां 16,000 से अधिक युवाओं का चयन और प्लेसमेंट हुआ।

श्रमिकों के लिए नई पहल

- निर्माण श्रमिकों के कल्याण के लिए बोर्ड द्वारा कई नवाचार किए गए। इसके तहत, 23 दिसंबर 2025 को ऑनसाइट नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण हेतु मोबाइल मेडिकल यूनिट का शुभारंभ किया गया। पहले चरण में 10,000 श्रमिकों के स्वास्थ्य परीक्षण का लक्ष्य रखा गया है। इसके अतिरिक्त, प्रदेश के 18 जनपदों में संचालित अटल आवासीय विद्यालयों की निगरानी को 360 डिग्री लाइव मॉनिटरिंग कमांड सेंटर की स्थापना की गई।

कर्मचारी राज्य बीमा योजना में नवाचार

- बीमित श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आरोग्य मंथन कार्यक्रम का आयोजन 11 दिसंबर को कानपुर में किया गया। इस अवसर पर क्यूआर कोड इनेबिल्ड 'माइक्रोसॉफ्ट आरोग्य शक्ति अभियान का शुभारंभ, आरोग्य संकल्प पत्र का विमोचन और एएए एप की शुरुआत की गई। एप के माध्यम से अब श्रमिक घर बैठे अपॉइंटमेंट, दवाओं की डिलीवरी और सभी मेडिकल टेस्ट रिकॉर्ड डिजिटल रूप से प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा, चेन्नई, हैदराबाद और फरीदाबाद के ईएसआईसी प्रीमियर संस्थानों की बेस्ट प्रैक्टिस को उत्तर प्रदेश में लागू करने की पहल भी की गई।

अखिलेश यादव ने उठाया अंकिता हत्याकांड का मुद्दा

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तराखंड की अंकिता भंडारी हत्याकांड का मुद्दा उठाते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। मंगलवार को जारी एक बयान में सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि, भाजपा सरकार में बेटी बचाओ, बेटी बढ़ाओ का सिर्फ नारा लगता है, महिलाओं और बेटियों का सर्वाधिक अपमान हो रहा है। उन्होंने कहा कि, उत्तराखंड में भाजपा नेता के रिजार्ट में रिसेप्शनिस्ट अंकिता भंडारी की निर्मम हत्या मन को विचलित करने वाली है। अखिलेश ने सवाल उठाया कि, उत्तराखंड के सभी राजनैतिक दलों और जनसंगठनों द्वारा सीबीआई जांच सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में करने की मांग की जा रही है तो उस पर लीपापोती क्यों की जा रही है।

विकास | अंतरराष्ट्रीय स्तर का होगा भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय का नवीन परिसर

अंतरराष्ट्रीय पर्यटन गन्तव्य स्थल बनेगी राजधानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- शहीद पथ के करीब बनेगा नया संस्कृति भवन
- पर्यटकों के लिए 1090 चौराहे से रेजीडेंसी तक डबलडेकर बस संचालित होगी

अमृत विचार: आगरा और काशी की तरह लखनऊ को भी अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन गन्तव्य के रूप में ख्याति दिलाने के लिए परियोजना तैयार के निर्देश अधिकारियों दिये गए हैं। आगरा और काशी में पहले से ही देशी-विदेशी पर्यटकों का आवागमन होता रहता है, इसी तर्ज पर लखनऊ को भी पर्यटन का हब बनाने की तैयारी है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि, राजधानी में शहीद पथ के निकट संस्कृति मुख्यालय की स्थापना की जायेगी। इस संस्कृति भवन में संस्कृति विभाग के अधीन आने वाली निदेशालयों के कार्यालयों को शिफ्ट किया जायेगा। उन्होंने संस्कृति विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि की व्यवस्था के लिए प्रक्रिया शुरू करें। उन्होंने कहा कि भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय के नए परिसर को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाया जाएगा। इसके अलावा राजधानी में पर्यटन एवं संस्कृति पार्क विकसित किया जाएगा। इस पार्क में पर्यटन और संस्कृति से जुड़ी वस्तुओं को प्रदर्शित किया जाएगा। इसकी शुरूआत 17 नगर निगमों के अधीन आने वाले पार्कों से होगी।

मंत्री ने बताया कि, लखनऊ भ्रमण करने वाले लोगों को किफायती रेट पर टिकट प्रदान किया जायेगा। इस बस का शुभारंभ पर्यटन मंत्री 06 जनवरी को 1090 चौराहे से हरी झंडी दिखाकर करेंगे। लखनऊ दर्शन का उद्देश्य पर्यटकों तथा श्रद्धालुओं को आकर्षित करके लखनऊ को एक नये डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करना है।

पर्यटन मंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि अधिकारियों को फाइलें विलंब करने की पुनरावृत्ति छोड़नी पड़ेगी। उन्होंने संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आवंटित धनराशि के सापेक्ष व्यय की अद्यतन स्थिति की बिन्दुवार समीक्षा की।

उन्होंने हरदोई, एटा, अलीगढ़, चित्रकूट, पीलीभीत, फिरोजाबाद, मैनपुरी आदि के रामलीला मैदानों के सौन्दर्यीकरण आदि की समीक्षा की। इसके अलावा रायबरेली, बदायूं, कन्नौज, चित्रकूट, लखनऊ में निर्माणाधीन सांस्कृतिक केन्द्रों की समीक्षा की।

न्यूज ब्रीफ

खौलता दूध गिरने से मासूम बच्चा झुलसा

रसूलाबाद। शाहपुर गांव में एक मासूम पर खौलता हुआ दूध गिर गया, जिससे बालक गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन सीएचसी ले गए वहां इलाज किया गया। शाहपुर निवासी राम का बेटा मोनू (2) घर में मां के पास खेल रहा था। इसी दौरान किचन में गैस चूल्हा में खौल रहा दूध बालक के ऊपर फैल गया। इससे वह गंभीर से रूप से झुलस गया, परिजन आनन फानन सीएचसी ले गए, जहां डॉक्टर सौरभ शाक्य ने बच्चे का इलाज किया।

चारा मशीन में कटीं बच्ची की उंगलियां

रसूलाबाद। चारा मशीन की चपेट में आने से सलेमपुर महेरा निवासी एक बालिका का हाथ क्षतिग्रस्त हो गया। परिजन सीएचसी ले गए वहां से इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। सलेमपुर महेरा निवासी गिरीश की बेटी मुस्कान 3 घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान चारा मशीन की चपेट में जाकर उसके दाहिने हाथ की दो उंगली कट गई। परिजन आनन फानन सीएचसी ले गए वहां इलाज के बाद ईएमओ डॉ सौरभ शाक्य ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

सोशल मीडिया पर बेजा कमेंट, कार्रवाई

रसूलाबाद। कस्बे के केशव नगर निवासी दीपक यादव ने फेसबुक प्लेटफार्म पर मंदिरों के प्रति अभद्र टिप्पणी की थी, जिस पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह ने बताया कि युवक को शांतिभंग में पाबंद किया गया है। टिप्पणी को डिलीट कर दिया गया है।

महायज्ञ में कल डाली जाएंगी आहुतियां

शिवली। कस्बे के सिद्धपीठ जागेश्वर धाम के रुद्रमहाज्ञ एवं श्रीमद भागवत कथा में कड़ाके की ठंड के बावजूद बड़ी संख्या में भक्त पहुंच रहे हैं। यज्ञाचार्य रमेश शास्त्री ने बताया कि एक जनवरी को रुद्रयज्ञ में ढाई लाख आहुतियां डाली जाएगी। कार्यक्रम के अध्यक्ष विमलेश अग्निहोत्री, प्रबंध समिति से जुड़े शिवकुमार तिवारी, कार्यवाहक अध्यक्ष प्रभात अवस्थी ने बताया कि यज्ञ की पूर्णाहुति के साथ भंडारे का आयोजन होगा। कड़ाके की ठंड के बावजूद मंगलवार को श्रीमद्भागवत कथा सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

दिव्यांग बच्चों को पढ़ाएंगे दक्ष शिक्षक

संवाददाता, शिवली

- शिक्षकों को सांकेतिक भाषा और ब्रेल लिपि का प्रशिक्षण दिया गया
- प्रशिक्षण में मैथा ब्लाक के 105 शिक्षक-शिक्षिकाएं हुईं शामिल

अमृत विचारः मैथा ब्लॉक के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के सहायक अध्यापकों को समावेशी शिक्षा का दिया जाने वाला प्रशिक्षण मंगलवार को संपन्न हो गया। यह प्रशिक्षण 26 दिसंबर से 30 दिसंबर तक खंड शिक्षा अधिकारी सपना सिंह के निर्देशन में कराया गया।

प्रशिक्षण दो बैच में 105 सहायक शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षित शिक्षक सांकेतिक भाषा व ब्रेल लिपि लिखने व पढ़ने में मूक बधिर दिव्यांग बच्चों की मदद करेंगे। स्पेशल एजुकेटर पवन कुमार सिंह, बालकृष्ण तिवारी व उच्च प्राथमिक विद्यालय अरशदपुर के सहायक अध्यापक सुनील कुमार प्रजापति द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में स्पेशल एजुकेटर पवन कुमार सिंह द्वारा दिव्यांगता के 21 प्रकार, दिव्यांग बच्चों की समस्याएं एवं समाधान तथा बौद्धिक दिव्यांग और अधिगम अक्षमता वाले बच्चों की शिक्षा व प्रशिक्षण की जानकारी दी गई । स्पेशल एजुकेटर बालकृष्ण तिवारी द्वारा मूक बधिर बच्चों की शिक्षा व सांकेतिक भाषा के द्वारा शिक्षा प्रदान करने की जानकारी दी गई । सहायक अध्यापक सुनील कुमार प्रजापति द्वारा दृष्टिबाधित बच्चों की शिक्षा हेतु ब्रेल लिपि लिखने व पढ़ने की जानकारी दी गई। इस मौके पर अनुपम गुप्ता, पूनम मिश्रा, रियंका सिंह, दीप्ति चतुर्वेदी, विजय कुमार, निधि गोस्वामी, छवि त्रिवेदी, हरिशंकर तथा नीरज कुमार आदि मौजूद रहे।

प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद जानकारी देते शिक्षक-शिक्षिकाएं। अमृत विचार

बंबी फटने से फसलें डूबीं, रास्ते लबालब

संवाददाता, रसूलाबाद

- पानी भरने से गेहूं और लाही की फसलें बर्बाद होने की आशंका
- सजावरपुर गांव की गली में पानी भरने से आवागमन में दिक्कत

अमृत विचारः बिलहा बंबी की पटरी तीन स्थानों से फट जाने के कारण सजावरपुर व जोत गांव की लगभग 200 बीघे रबी की फसलें और आलू जलमग्न हो गए हैं जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। इसके साथ ही सजावारपुर गांव की एक गली में पानी भर जाने से आवागमन भी बाधित हो गया है।

जोत निवासी प्रियम मिश्रा, बृजेंद्र मिश्रा, प्रदीप मिश्रा, सजावरपुर निवासी सुशील तिवारी, शिवकुमार कुशवाहा आदि अनेक लोगों ने बताया की बिलहा बंबी की पटरी तीन स्थानों से फट गई है। इसके कारण जहां सैकड़ो बीघे रबी की गेहूं ,लाही व आलू की फसलें जलमग्न हो गई हैं वहीं ऊसर में भी पानी भर गया है। प्रियम मिश्रा व ब्रजेंद्र मिश्रा ने बताया कि उनके बाग में भी पानी भर गया है जिससे काफी नुकसान हुआ है। इसके साथ ही सजवार पुर गांव में प्रजापति की गली शाहिद अनेक घरों एवं दुकानों में पानी भर गया है। इससे आवागमन बाधित है। इन स्थितियों के चलते किसानों को भारी नुकसान हुआ है। कुछ किसानों ने बताया कि उन्होंने क्रेडिट लोन लेकर फसलों की बुवाई की थी। बंबी फटने से उनके फसलें जलमग्न हो गई हैं जिससे उनकी मेहनत के साथ-साथ लागत भी चौपट हो गई है। अब उनके समक्ष भरण पोषण की भी समस्या उत्पन्न हो गई है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि सिंचाई विभाग द्वारा बंबी की टेल तक समय पर सफाई नहीं कराई गई। इसी कारण पानी का दबाव बढ़ने पर बंबी तीन स्थानों से फट गई। ग्रामीणों ने घटना की सूचना सिंचाई विभाग के अधिकारियों को दी है और बंबी के कटाव को तत्काल भरवाने की मांग की है। इस संबंध में सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता राजेश यादव ने बताया कि सूचना मिलते ही तत्काल बंबी का पानी बंद करवा दिया गया है। इसके साथ ही मामले को गंभीरता से लेकर संबंधित जेई को मौके पर भेजा गया है और पानी के बहाव को नियंत्रित करने तथा बंबी के कटाव की रोकथाम के लिए तत्काल दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

सजावरपुर गांव की गलियों में घुसा बंबी का पानी। अमृत विचार

घर वाले सोते रहे और शातिर समेट ले गए नकदी-जेवरात

रसूलाबाद क्षेत्र के पहाड़पुर में हुई घटना, शाम को खाना खाकर सो गया था परिवार

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः पहाड़पुर गांव में सोमवार रात चोरों ने लाखों के जेवरात व नगदी पार कर दी। इस दौरान घर वाले सोते रहे उन्हें इसकी भनक भी नहीं लगी। सुबह जागने पर खुली पड़ी अलमारी और अस्त व्यस्त पड़े कपड़े देखकर मां बेटी रोने चिल्लाने लगी। पुत्र ने इसकी सूचना यूपी 112 डायलकर पुलिस को दी। सूचना पाकर तिश्ती चौकी के प्रभारी भी पुलिस बल सहित मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की माने तो पहाड़पुर में ही लगभग सवा माह पूर्व हुई लाखों की चोरी में नामजद रिपोर्ट के बावजूद पुलिस द्वारा आज तक कोई कार्रवाई न किए जाने से चोरों के हौसले बुलंद हैं।

पहाड़पुर निवासी ज्ञानेंद्र कुमार तिवारी पुत्र बालक राम ने बताया कि उनकी मां वृद्ध हैं। उनकी देखभाल के लिए बहन ज्ञान देवी 65 यहीं रहती है। उनका विवाह भी बहुत पहले हुआ था किंतु पत्नी कहीं चली गई इसलिए सेवा के लिए बहन ही यहां रहती हैं। उन्होंने बताया कि शाम को सभी लोग खाना खाकर सो गए। बहन मां के पास लेट गई। सुबह जब वह उसको जगाने के लिए गई तो बाहर से कुंडी लगी थी और अलमारी में रखा सामान बिखरा पड़ा हुआ था।

इस पर वह रोने चिल्लाने लगी। ज्ञानेंद्र की मां ने पुलिस को बताया कि उनके जेवरात में सोने के बाला, अंगूठी चांदी की पायले व बिछुआ एवं धान बिक्री के रखे 50 हजार रुपए चले गए हैं। मामले की पूरी जानकारी पर उसने यूपी 112 डायलकर पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना पाकर तिश्ती चौकी प्रभारी बृजेश कुमार भी मौके पर पहुंच गए और मामले की जांच पड़ताल की।

पुलिस की निगाह में पूरी वारदात संदिग्ध

- थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि चोरी का मामला संदिग्ध प्रतीत होता है। मकान के बंटवारे को लेकर उनमें कुछ विवाद है। चोरों के जाने का कोई रास्ता नहीं नजर आया। पूरे मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है। शीघ्र ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

पुलिस ने दंपति से पूछताछ की।

पहले की घटना का अभी खुलासा नहीं

- पहाड़पुर के ही रहने वाले श्याम सुंदर उर्फ चप्पू ने बताया कि गत 19 नवंबर की रात उनके यहां लाखों रुपए की चोरी हुई थी। घटना के संबन्ध में उन्होंने गांव के ही कुछ लोगों के विरुद्ध नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस मामले में आज तक कोई कार्रवाई नहीं की। माना जा रहा कि इससे चोरों के हौसले बुलंद है और यह घटना फिर दोबारा हो गई। वर्ष के समापन के एक दिन पूर्व ही चोरों ने पुलिस को फिर खुला चैलेंज दिया है। इसके पहले कस्बे में पुलिस की नाक के नीचे ज्वेलर्स के यहां शटर का ताला तोड़कर हुई चोरी में सुराग मिलने और शीघ्र ही चोरी का खुलासा किए जाने का पुलिस दावा कर चुकी है।

सर्द भरी रात में सभासदों को मनाने पहुंचे अफसर, मगर नहीं बनी बात

संवाददाता, रनियां

अमृत विचार: अधिशाषी अधिकारी की कार्यशैली के विरोध में बेमियादी धरने पर बैठे सभासदों को मनाने अफसर सर्द भरी रात में पहुंचे, मगर कोई बात नहीं बनी। एडीएम न्यायिक व एसडीएम सदर सोमवार की देर रात धरना स्थल पर पहुंचे और सभासदों से वार्ता कर धरना खत्म करने की बात कही, लेकिन सभासदों ने ईओ हटाने की मांग पर आश्वासनों को ठुकरा दिया।

पिछले काफी दिनों से रनियां नगर पंचायत के सभासदों की ओर से यहां पर तैनात अधिशासी अधिकारी मनीष राय पर उनके साथ अभद्र व्यवहार, उनकी शिकायतों पर ध्यान न देने, ई-टेंडरिंग में पारदर्शिता नहीं, चहेते ठेकेदारों को ही काम देने और विकास कार्यों में भ्रष्टाचार को लेकर चल रही खींचतान के बीच सोमवार से अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया गया। धरने की जानकारी पर देर रात एडीएम न्यायिक / नगर निकाय प्रशासक दिग्विजय सिंह, एसडीएम सदर नीलिमा यादव धरना स्थल पर पहुंचे।

रनियां में दूसरे दिन मंगलवार को भी धरने पर बैठे रहे सभासद। अमृत विचार

ईओ के हटने के बाद ही डेरा समेटेंगे सभासद

- पूस की सर्द रात में भी सभासद धरनास्थल पर डटे रहे। ऐसे में जब आम आदमी दिन ढलते ही घरों के अंदर क़ैद हो जाता है और रजाई में दुबक रहा है, वहीं ईओ की कार्यशैली से आहत सभासद बीमार होने की परवाह किए बिना अपनी-अपनी मांगों को लेकर रात-दिन मौके पर मौजूद रहे। सभासदों का कहना है कि जब तक प्रशासन ईओ को हटाने के लिए कोई कार्रवाई नहीं करेगा, तब तक धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

सभासदों के साथ काफी देर तक कार्यालय में बैठकर वार्ता की। सभासदों की समस्याओं को सुना और निस्तारण का भरोसा दिया गया। अधिकारियों ने धरना समाप्त करने की बात कही। इस पर सभासदों ने ईओ को हटाने की बात दोहराते हुए धरना जारी रखा। इस दौरान चेयरमैन विटान दिवाकर, प्रतिनिधि रामकिशोर दिवाकर, तहसीलदार पवन कुमार सहित तमाम लोग मौजूद रहे। इस संबंध में एसडीएम सदर नीलिमा यादव ने बताया कि ईओ को हटाने की प्रक्रिया यहां से संभव नहीं है, अन्य मांगों के निस्तारण को लेकर प्रशासन संजीदा है, जल्द ही कुछ सकारात्मक परिणाम आएंगे।

डिप्टी सीएम कल आएंगे तैयारी देखने पहुंचीं मंत्री

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः सूबे के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एक जनवरी को पुखरायां में पूर्व विधायक विनोद कटियार के जन्मदिन कार्यक्रम व मैथा के रामजानकी महाविद्यालय में होने वाले कार्यक्रम में भाग लेंगे।

सदर विधायक एवं राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला, पूर्व सांसद अनिल शुक्ला 'वारसी' ने डिप्टी सीएम के लिए असई बैरी में बनाए गए हेलीपैड का एसडीएम राजकुमार पांडेय के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने हेलीपैड की सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था एवं कार्यक्रम स्थल के मार्गों की समीक्षा की। उन्होंने सुरक्षा, स्वच्छता, बिजली-पानी, बैरिकेडिंग एवं आपातकालीन व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि रामजानकी महाविद्यालय में 'नया साल बुजुर्गों के साथ' कार्यक्रम होगा। मैथा मंडल के लगभग 10 हजार बुजुर्गों को कंबल बांटे जाएंगे और खिचड़ी भोज होगा। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। राज्यमंत्री ने बताया कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां लगभग पूर्ण हो चुकी हैं। प्रशासनिक टीम जुटी हुई है।

तैयारियों का जायजा लेतीं राज्यमंत्री।

कैंप में जांच, आभा आईडी-गोल्डन कार्ड बने

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- सरवनखेड़ा ब्लॉक के गांव नाही ज्यूनिहा में हुआ आयोजन
- बिजली बिलों से संबंधित प्रकरणों का भी किया गया निस्तारण

अमृत विचारः सरवनखेड़ा विकास खंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत नाही ज्यूनियां के नर्मदेश्वर महादेव मंदिर परिसर में मंगलवार को निःशुल्क सरकारी स्वास्थ्य जांच एवं फ्री चेकअप कैप का आयोजन किया गया। यहां विद्युत विभाग के बकाया बिलों से संबन्धित समस्याओं का भी निस्तारण कराया गया।

कैंप के आयोजक इंद्रजीत सिंह परिहार ने बताया कि शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा वृहद स्टाल लगाकर नाही, ज्युनिया, भदेसा, पतरा, सड़वा, रतवा और निनायाँ ग्राम के ग्रामीणों का स्वास्थ परीक्षण किया गया। साथ ही मरीजों को सलाह एवं दवाइयां भी वितरित की गई। कैंप का शुभारंभ जिले के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ एके सिंह द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कैप में स्वास्थ्य विभाग द्वारा गैर संचारी रोग, संचारी रोग, दंतरोग, नेत्ररोग परीक्षण के साथ आयुष्मान कार्ड के केवाइसी और आभा कार्ड बनाने के लिए स्टाल लगा कर ग्रामीणों का वरिष्ठ चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक जानकारी दी।

मेडिकल कैंप के काउंटर पर लोगों ने परामर्श लिया। अमृत विचार

शिविर में संचारी रोग के 68, नेत्र रोग के 18, दंत रोग 35, गैर संचारी तथा 45 ग्रामीणों का सामान्य स्वास्थ्य परिक्षण किया गया। साथ ही 34 ग्रामीणों की खून की जांच की गई। 23 लाभार्थियों के आभा आईडी, 6 गोल्डन कार्ड बनाए गए और 6 गोल्डन कार्ड की के वाई सी की गई। यहां लगाए गए विद्युत संशोधन कैंप में लगभग डेढ़ लाख रूपए जमा कराए गए। सीएमओ ने लोगों का आभा आईडी कार्ड और आयुष्मान कार्ड के प्रति जागरुक किया। इस मौके पर डॉ प्रमोद तिवारी, डॉ आनंद संखवार, डॉ मुकेश पाठक, डॉ असीम कटियार सहित गोपाल सिंह सरपंच, दीपू अवस्थी, राकेश सिंह, सागर सिंह, सज्जन सिंह, बलवीर चौहान, लालजी, महावीर, बीनू, करन, अमर पाल उदय वीर आदि लोग मौजूद रहे।

6 जनवरी को होगा सूची का आलेख्य प्रकाशन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- 6 फरवरी तक आपत्तियां, 6 मार्च को अंतिम मतदाता सूची आएगी

अमृत विचारः एक जनवरी 2026 के आधार पर जनपद की सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूचियों को अपडेट करने का काम शुरू हो गया है। एडीएम (प्रशासन) एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी अमित कुमार ने एसआईआर को लेकर विस्तृत कार्यक्रम घोषित कर दिया है।

कार्यक्रम के अनुसार, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन 6 जनवरी 2026 को किया जाएगा। इसके साथ नए नाम जोड़ने या संशोधन के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 6 जनवरी से शुरू होकर 6 फरवरी तक चलेगी। इस दौरान लोग सूची में अपना नाम जांच सकते हैं और किसी भी त्रुटि के सुधार के लिए फॉर्म भर सकते हैं। इस अवधि के बाद प्राप्त हुए दावों और आपत्तियों के निस्तारण, सत्यापन और नोटिस चरण की प्रक्रिया 6 फरवरी से 27 फरवरी के बीच पूरी की जाएगी। सभी आपत्तियों के निस्तारण और शुद्धिकरण के बाद मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 6 मार्च को किया जाएगा। एडीएम ने लोगों से अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है ताकि शुद्ध और त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार की जा सके।

बच्चों ने दिखाया दमखम | आरपीएस कांवेंट स्कूल में प्रतियोगिता का समापन, प्रतिस्पर्धाओं में छात्र-छात्राओं ने किया उम्दा प्रदर्शन

खेलकूद से स्वस्थ तन और मन का होता विकास

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः खेलकूद की प्रतियोगिताओं में बच्चों को प्रतिस्पर्धा की भावना से भाग लेना चाहिए। खेलकूद से न केवल छात्र -छात्राओं का शरीर स्वस्थ रहता है, वरन स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का भी विकास होता है। खेलों में स्पर्धा की भावना से बच्चों में त्वरित निर्णय लेने की क्षमता प्रगाढ़ होती है।

यह बात आरपीएस कान्वेंट स्कूल रसूलाबाद में संपन्न हुई दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं के समापन अवसर पर जिला पंचायत सदस्य ऋषि सिंह गौर ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने ऐसे आयोजनों के समय-समय पर आयोजित किए जाने पर बल दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सोमवार को मां सरस्वती के पूजन और दीप प्रज्वलन के साथ विद्यालय के प्रबंधक संत कुमार गुप्ता ने किया। उन्हें इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य दुर्गेश त्रिपाठी ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। खेलों में कबड्डी, दौड़, खो-खो, भाला फेंक आदि प्रतियोगिताएं व्यायाम शिक्षक जितेंद्र त्रिपाठी व उनके सहायक शिक्षक विकास एवं अनिल कुमार की देखरेख में संपन्न हुई। बालिका वर्ग की कबड्डी में जहां कक्षा 9 की छात्राओं ने बाजी मारी, वहीं बालक वर्ग की प्रतियोगिताओं में कक्षा 10 के छात्रों ने विजय हासिल की। अन्य प्रतियोगिताओं में 400 मीटर की दौड़ में पवन ने प्रथम स्थान प्राप्त कर सभी को पछाड़ दिया। बालिकाओं की 400 मीटर दौड़ में दीप्ति ने विजय श्री हासिल की। जबकि 800 मीटर की दौड़ में अंश गुप्ता अव्वल रहे। भाला फेंक प्रतियोगिता में शिवांक को विजय श्री मिली। विजयी प्रतिभागियों को ऋषि सिंह गौर जिला पंचायत सदस्य व नगर पंचायत अध्यक्ष देव शरण कमल ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर अन्य उपस्थित जनों में वरिष्ठ शिक्षक नीरज द्विवेदी, शैलेन्द्र सिंह, योगेंद्र शुक्ल , अजय तिवारी , नीतीश पांडेय, आशीष मिश्र, विवेक त्रिवेदी, अभिषेक अवस्थी , सचिन कुमार, विकास कुमार, जानकी प्रसाद , प्रीति यादव, अनुजा शुक्ला, आरती त्रिवेदी आदि उपस्थित रहे।

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के बाद प्रारंभ हुई कबड्डी प्रतियोगिता। अमृत विचार

नए सीडीओ ने संभाली कुर्सी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः नवागत मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल ने मंगलवार को जनपद कानपुर देहात का कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत विकास भवन स्थित कार्यालयों का निरीक्षण किया। लक्ष्मी एन के तबादले के बाद विधान जायसवाल को नया सीडीओ बनाया गया है।

सहयोगी स्टाफ से परिचय के बाद नए सीडीओ दफ्तरों के निरीक्षण को निकले। इस दौरान उन्होंने विभिन्न शाखाओं और अनुभागों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण, समयबद्ध कार्य निष्पादन एवं जनहित से जुड़े कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने समृद्धि (ग्रामीण-विकास) से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, लक्ष्यपूर्ति में गुणवत्ता, नियमित मॉनिटरिंग तथा शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें तथा पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ समय से पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कार्यालय में साफ-सफाई, अनुशासन, समयपालन एवं आमजन की शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर विशेष जोर दिया और अपेक्षा व्यक्त की कि जनपद के समग्र विकास हेतु सभी अधिकारी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे।

- लक्ष्मी एन. के तबादले पर विधान जायसवाल सीडीओ बनाए गए

विकास भवन के दफ्तरों का निरीक्षण करते सीडीओ विधान जायसवाल। अमृत विचार

अमृत विचार

कानपुर, बुधवार, 31 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

करंट लगने से किसान की गई जान

राठ हमीरपुर। चिकासी थाने के हरदुआ गांव निवासी मनीराम ने बताया कि उनके छोटे भाई रामेश्वर राजपूत (50) के नाम पर सवा दो एकड़ जमीन है जिस पर वह खेती कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। खेत में चने की फसल है। मंगलवार सुबह रामेश्वर खेत की जानवरों से रखवाली कर रहा था, तभी खेत में लगे खंभे के सपोर्टिंग वायर में करंट दौड़ने से चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दोपहर में परिजन खाना देने गए, जहां शव मिला। किसान की मौत पर मां पुनिया, पत्नी कुसमा, पुत्र सोविंद व राकेश का रो-रोकर बुरा हाल है।

पड़ोसी ने महिला के साथ किया दुराचार

कुरारा हमीरपुर। क्षेत्र के एक गांव की महिला ने थाने में तहरीर देकर बताया कि 18 दिसंबर को घर में अकेली थी, तभी पड़ोसी अनिल कुमार घर में घुस आया। उसने विरोध किया तो जबरन कमरे में घुस गया और छेड़छाड़ करते हुए बलात्कार किया। उसने धमकी दी कि किसी को बताया तो जान से मार दूंगा। धमकी देकर भाग गया। तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

किशोरी को ले जाने का मामला दर्ज

मौदहा हमीरपुर। दो दिन से गायब किशोरी का अभी तक कोई सुराग नहीं लगने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के गुढ़ा निवासी शिवचरन ने कोतवाली में दिए शिकायती पत्र में बताया कि 28 दिसंबर की दोपहर 3 बजे उसकी नाबालिग बेटी राखी को एक व्यक्ति बहला-फुसला कर कहीं भगा ले गया है। उसकी काफी तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं लगा है।

वृद्ध को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, गंभीर

मौदहा हमीरपुर। सड़क में टहल रहे एक वृद्ध को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गया। कस्बे के मोहल्ला फत्तेपुर निवासी सिद्धा (60) पुत्र मोतीलाल अपने घर के पास ही रोड पर टहल रहा था, तभी वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिर गंभीर रूप से घायल हो गया। यह देख परिजनों ने आनन फानन में कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां हालत नाजुक होने पर डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

युवती ने खाया जहर अस्पताल में भर्ती

मौदहा हमीरपुर। जिले सीमा से सटे महोबा जिले के गांव की एक युवती ने जहर खा लिया। हालत गंभीर होने पर परिजनों ने यहां सीएचसी में भर्ती कराया, जहां हालत में सुधार न होने पर डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। महोबा जिले के खन्ना निवासी संतोष की 17 वर्षीय पुत्री वंदना की परिजनों से कहासुनी हो गई, जिससे वह क्षुब्ध होकर उसने जहर का सेवन कर लिया। यह देख परिजनों के हाथ पैर फूल गए। गंभीर अवस्था में परिजनों ने उसे कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां हालत चिंताजनक होने पर डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

युवक पर छेड़खानी का आरोप लगाया

राठ हमीरपुर। कस्बे की एक महिला ने पड़ोस के युवक पर घर में घुसकर छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। महिला ने बताया कि रविवार शाम करीब 5 बजे वह अपने घर में काम कर रही थी, इसी दौरान मोहल्ले का युवक घर में घुस आया और उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगा। शोर मचाने पर उसकी बहन आई तो आरोपी भाग गया। उसके परिजन सोमवार सुबह उसके दरवाजे पर पहुंचे और गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। कोतवाल राकेश कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में छेड़छाड़ के आरोप सही नहीं मिले हैं। पुराने मुकदमें से जुड़े विवाद में गालीगलौज का मामला है। युवक का शांतिभंग के आरोप में चालान किया गया है।

बाइक की टक्कर से बालिका गंभीर

कुरारा हमीरपुर। ग्राम पंचायत बिलौटा के मजरा छक्की का डेरा निवासी दम्बा की 7 वर्षीय पुत्री जानवी दादी के साथ सोमवार की शाम 6 बजे खेत से घर आ रही थी, तभी पीछे से बाइक सवार ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

घर की छत ढहने से तीन बच्चों समेत पांच घायल

लोगों ने घायलों को मलबे से निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया

संवाददाता ,शिवराजपुर

अमृत विचार। मानपुर गांव में घर की छत ढहने से बच्चों समेत पांच लोग घायल हो गए। छत ढहने की जानकारी मिलने पर गांव में हड़कंप मच गया और देखते-देखते घटनास्थल पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गयी। मौके पर पहुंचे लोगों ने सभी घायलों को मलबे से निकाल कर चौबेपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां पर प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर एक को कानपुर के रेफर कर दिया गया।

मंगलवार को परिवार के सभी लोग एक ही छत के नीचे बैठे हुए थे। तभी अचानक कमरे की छत भरभरा कर गिर गई। इस हादसे में गृह स्वामी सुशील कुमार 40 वर्ष पुत्र प्रसादी ,जान्हवी 8 वर्ष, माही 5 वर्ष, चांदनी 15 महीने व कमला 60 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए। छत गिरने की आवाज सुनकर क्षेत्र में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते आसपास के सैकड़ों लोग मौके पर पहुंचे। उन लोगों ने मलबे को हटाकर सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया।

घटनास्थल पर घायलों के परिजनों से बातचीत करते एसडीएम संजीव दीक्षित व अन्य।

- **गंभीर रूप से घायल गृह स्वामी को प्राथमिक उपचार देने के बाद कानपुर रेफर किया गया**

अस्पताल में सुशील को प्राथमिक उपचार देने के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें कानपुर के लिए रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी होने पर एसडीएम बिल्हौर संजीव दीक्षित, थाना प्रभारी एवं तहसील के अन्य अधिकारी कर्मचारी घटना स्थल पर पहुंच गये। अधिकारियों ने घायलों का हाल-चाल पूछा ।

सरसों, मटर और मसूर में पाले की आशंका बढ़ी

हमीरपुर। एक पखवारे से लगातार पड़ रहे कोहरे से दलहनी-तिलहनी फसलों की सेहत खराब होने लगी है। ठंड एवं कोहरे का सर्वाधिक विपरीत असर सरसों, हरे मटर के साथ मसूर की फसलों में पड़ रहा है। किसानों को आशंका सता रही है कि यह फसले पाले की चपेट में आ रही हैं। मौसम साफ होने के बाद नुकसान का आकलन हो सकेगा।

मंगलवार के पूरे दिन सूर्य देव नजर नहीं आए। ठंड भी पिछले दिनों से मंगलवार को कुछ ज्यादा ही रही। लोग ठंड से बचाव के लिए पूरे दिन अलाव से चिपके रहे। ठंड से पशु पक्षी बेहाल नजर आए बगैर बरसात के कहर बरपा रहा कोहरा फसलों को सर्वाधिक नुकसान पहुंचा रहा है। गेहूं को छोड़कर अन्य सभी फसलें कोहरे से प्रभावित हो रही हैं। किसानों के अनुसार बगैर बरसात के पड़ रहे कोहरा सरसों, मटर, मसूर की फसलों को सर्वाधिक प्रभावित कर रहा है। लगातार बढ़ रही ठंड से पाला पड़ने की आशंका है। पाला से होने वाले नुकसान का अंदाजा मौसम साफ होने के बाद ही लगेगा।

कसिगंवा में पांडु नदी पर पुल को मिली वित्तीय मंजूरी

खुशखबरी

संवाददाता, ककवन

अमृत विचार। विकास की राह देख रहे कसिगंवा और आसपास के दर्जनों गांवों के ग्रामीणों के लिए बड़ी खुशखबरी है। पांडु नदी के कारण सालों से कटे हुए इलाकों को अब मुख्य धारा से जोड़ने की तैयारी पूरी हो रही है। शासन ने कसिगंवा गांव के पास पांडु नदी पर पुल निर्माण के लिए वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। पुल बनने से लोगों को राहत होगी।

यह पुल केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि ग्रामीणों के लंबे संघर्ष का परिणाम है। बीते पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनाव के दौरान विकास न होने से नाराज ग्रामीणों ने 'पुल नहीं तो वोट नहीं' का नारा बुलंद करते हुए मतदान का पूर्ण बहिष्कार किया था। उस समय प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर पुल निर्माण का आश्वासन देकर ग्रामीणों को मनाया था और कहा था कि जल्द ही पुल का निर्माण कराया जायेगा।

तकरीबन 5 साल के लंबे इंतजार के बाद, मिश्रिख सांसद अशोक रावत और बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा की सक्रिय पहल पर इस परियोजना को पंख लगे हैं।

शासन ने पुल के लिए बजट जारी कर दिया है, जिससे अब क्षेत्र के लोगों में खुशी की लहर देखी जा रही है।

- **ग्रामीणों ने कहा वर्षों के संघर्ष के बाद मिली सफलता**
- **ग्रामीणों ने पुल नहीं तो वोट नहीं का दिया था नारा**

परियोजना की मुख्य बातें

- **निर्माण इकाई :** सेतु निगम द्वारा निर्माण कराया जाएगा।
- **लागत :** पुल के निर्माण पर 1 करोड़ 66 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।
- **लाभान्वित गांव :** कसिगंवा के साथ-साथ अंता, खेरवा, खिरिया और गुदैला जैसे गांवों के लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

दूरी होगी कम, आसान होगा सफर

- वर्तमान में ग्रामीणों को नदी पार करने के लिए लंबा रास्ता तय करना पड़ता है। इस पुल के बनने से ग्रामीणों को ककवन से सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। इस पुल के बनने से लोगों को अब लगभग 4 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। इससे इलाके में व्यापार और शिक्षा के लिए आवागमन सुलभ होगा।

ग्रामीणों ने कहा

- वहीं ग्रामीणों का कहना है कि यह हमारी एकता की जीत का परिणाम है। पुल बन जाने से हमारे बच्चों को स्कूल जाने और मरीजों को अस्पताल ले जाने में होने वाली समस्याओं का समाधान हो जायेगा।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे पर हादसा, दो युवकों की मौत

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। क्षेत्र के जरिया थाना अंतर्गत बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के 148 नम्बर पर तेज रफ्तार एक मोटरसाइकिल बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की रेलिंग से जा टकराई। जिससे हुए हादसे में बाइक पर सवार दोनों युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की जानकारी लगते ही दोनों के परिवारों में कोहराम मच गया। सूचना पर पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश के छतरपुर जनपद के नौगांव कस्बे का निवासी प्रत्यूष वाजपेयी (28) पुत्र संतोष वाजपेयी और उसका साथी आयुष मिश्रा (32) पुत्र राकेश मिश्रा जो कि मोटरसाइकिल पर सवार होकर नौगांव से राठ होते हुए बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे के रास्ते उरई की ओर जा रहे थे। तभी रास्ते में क्षेत्र के जरिया थाना अंतर्गत बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के 148 नंबर पर अचानक उनकी तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर बुंदेलखंड की रेलिंग से टकरा गई, जिससे हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप घायल होकर अचेत हो गए। जिसके बाद मौके पर पहुंची यूपीडा की गाड़ी के द्वारा आनन फानन दोनों युवकों को कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। वहीं घटना की सूचना मिलने पर मृतक युवकों के परिजन आने के लिए निकल चुके हैं।

मामले में जरिया थाना के प्रभारी इंस्पेक्टर मयंक चंदेल ने बताया कि दोनों मृतकों के शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

कॉमर्शियल क्रिकेट अकादमी कानपुर ने 34 रनों से जीता मैच

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर में स्वर्गीय रामकृष्ण दीक्षित की स्मृति में आयोजित शोभिटाल कप में आज कॉमर्शियल क्रिकेट अकादमी कानपुर ने ब्लू स्टार अकादमी कानपुर को 34 रनों से हरा दिया। इस दौरान मैच का आनंद लेने के लिये सैकड़ों क्रिकेट प्रेमी मौजूद रहे।

शोभिटाल कप के अंतर्गत मंगलवार को हुए मैच में कॉमर्शियल क्रिकेट अकादमी कानपुर ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का निर्णय लिया। इस दौरान उसने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 148 रन बनाए। इसमें देव प्रताप ने 41 रन व कृष्णा पांडेय ने 40 रनों का योगदान दिया। ब्लू स्टार की तरफ से अभिनव यादव ने 3 विकेट और ऋषिकेश ने 2 विकेट चटकाये।

विजेता टीम के खिलाड़ी खुशी मनाते हुए।

वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी ब्लू स्टार अकादमी 9 विकेट खोकर 115 रन ही बना पाई, जिसमें सर्वाधिक शिवम दुबे 20 रन और अमृत ने 19 रन बनाए। कमर्शियल अकादमी की तरफ से आर्यन यादव ने बेहतरीन बोलिंग करते हुए 3 विकेट और भव्य अग्रवाल ने 2 विकेट तथा समर गौतम ने 2 विकेट लिए। मैच के दौरान चंद्रभान सिंह परिहार ,शेरभान सिंह, रामगोपाल पासवान, अंकित सिंह समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

स्ट्रेचर छीन घायल युवक को फर्श पर लिटाया

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। दुर्घटना में युवक का पैर टूट जाने के बाद 13 दिनों से ऑपरेशन के लिए भटक रहे परिजनों ने हड्डी रोग विशेषज्ञ पर इलाज में लापरवाही और रुपये मांगने का आरोप लगाया है। परिजन युवक को कानपुर ले जाने के लिए निकले तो अस्पताल स्टाप ने स्ट्रेचर छीन फर्श पर लिटा दिया।

बांदा जनपद के गड़रिया गांव निवासी ब्रजकिशोर (23) पुत्र नमोनारायरण विश्वकर्मा 18 दिसंबर को सुमेरपुर थानाक्षेत्र के मौहर गांव के पास दो बाइकों की टक्कर में घायल हो गया था। जिससे उसका बायां पैर टूट गया था। परिजनों ने उसे 18 दिसंबर की शाम को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया था। घायल के पिता नमोनारायण विश्वकर्मा ने आरोप लगाते हुए बताया कि जिला अस्पताल में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ.विपिन उसके पुत्र के इलाज में लापरवाही कर रहे है बीते 13 दिनों से कभी शरीर में ब्लड कम होने तो कभी ऑपरेशन किट मंगवा कर ऑपरेशन करने को लेकर टहला रहे।

समुचित इलाज न होने से मंगलवार को मरीज ब्रजकिशोर को जिला अस्पताल से कानपुर लेकर जा रहे थे। इस दौरान एंबुलेंस आने में देर होने पर अस्पताल स्टाफ ने उनसे स्ट्रेचर तक छीन लिया। जिससे मरीज को अस्पताल के गेट के पास जमीन पर लिटा दिया। सीएमएस का इंचार्ज लिए डॉ.विकास यादव ने बताया कि परिवार की ओर से लिखित शिकायत की जाती है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

घाटमपुर के कुढ़नी मंदिर में बना शौचालय हुआ खंडहर

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर के भीतरगांव ब्लॉक में स्थित प्राचीन कुढ़नी मंदिर में बना शौचायल खंडहर में तब्दील हो गया है। इसके चलते यहां आने वाले भक्तों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इससे भक्तों व यहां पर मौजूद दुकानदारों में आक्रोश देखा जा रहा है।

कुढ़नी मंदिर परिसर में बने शौचालय का निर्माण 1999 में हुआ था। अब यि जर्जर स्थिति में पहुंच गया है। ग्रामीणों ने बताया कि शौचालय निर्माण के बाद से बंद पड़ा है। आज तक इसका उपयोग नहीं हो सका। बताते चलें कि कुढ़नी मंदिर में प्राचीन हनुमान जी का मंदिर है। वहां पर हजारों श्रद्धालु प्रतिदिन दर्शन करने के लिए आते हैं, जिसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। इन्हें शौच जाने के लिये तमाम समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

इसके चलते यहां आने वाले भक्तों और क्षेत्रीय दुकानदारों मो भारी रोष व्याप्त है। भक्तों ने प्रशासन से इस समस्या से निजात दिलाए जाने की मांग की है। इस संबंध में भीतरगांव ब्लॉक के खंड विकास अधिकारी से बात की गई तो उन्होंने समस्या से जल्द निजात दिलाने को कहा है।

खंडहर में तब्दील शौचालय। अमृत विचार

- **मंदिर आने वाले भक्तों में जबरदस्त रोष, बीडीओ ने कहा समस्या से जल्द दिलायेंगे निजात**

चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार, माल व बाइक बरामद

घाटमपुर। घाटमपुर के सजेती थाना क्षेत्र में पुलिस ने चोरी के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है । पुलिस ने इनके पास से चोरी का माल और एक मोटरसाइकिल बरामद की है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिंदा दीन निषाद 35 वर्ष और कैलाश निषाद 25 वर्ष के रूप में हुई हैं। पुलिस ने इनके पास से इलेक्ट्रानिक तराजु, तीन सफेद धातु के सिक्के, चांदी के जेवर और 49 ग्राम पीली धातु की गली हुई बटटी, पेचकश, प्लास, आधार कार्ड, दो लाख दस हजार रुपये । पुलिस ने बताया कि ये आरोपी ग्राम नान्दुलनपुर थाना क्षेत्र सजेती से चोरी के मामले में वांछित थे। पुलिस ने इनके खिलाफ मामला दर्ज किया था। पुलिस ने पकड़े गये आरोपियों को न्यायालय में पेश किया है। मामले की जांच की जा रही है।

बिल्हौर में अभियान चला एक दर्जन वाहनों के काटे चालान

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। कानपुर नगर के बिल्हौर थाना क्षेत्र में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। मंगलवार को एनएच-91 (जीटी. रोड) अंडरपास से नानामऊ-बांगरमऊ जाने वाले मार्ग पर पुलिस ने घेराबंदी कर दर्जनों छोटे-बड़े वाहनों की जांच की। इस दौरान एक दर्जन से अधिक वाहनों का चालान किया गया साथ तमाम वाहन चालकों को चेतावनी देकर छोड़ा गया।

थाना पुलिस द्वारा दोपहर के समय अचानक शुरू हुए इस अभियान में मुख्य रूप से बिना हेलमेट लगाये और तीन सवारी पर सख्ती दिखाई गई। वहीं जिन वाहनों की नंबर प्लेट मानक के अनुरूप नहीं थी या जिन पर कालिख/मिट्टी लगी थी, उन पर भी कड़ी कार्रवाई की गई। वाहनों के परमिट, ड्राइविंग लाइसेंस और फिटनेस दस्तावेजों की भी पुलिस ने गहनता से जांच की ।

वहीं पुलिस टीम स्वयं रेडियम लगी सुरक्षा जैकेट पहने हुए थी, ताकि दूर से ही वाहन चालक उन्हें देख सकें और कोई दुर्घटना न हो।

कुछ को चेतावनी देकर छोड़ा गया: चेकिंग के दौरान पुलिस का मानवीय चेहरा भी नजर आया। उपनिरीक्षक सोनपाल सिंह, गौरव शुक्ला और धर्मेंद्र सिंह ने उन मोटरसाइकिल सवारों को हिदायत देकर छोड़ दिया, जो बुजुर्गों या महिलाओं को लेकर जा रहे थे। इसके अलावा, स्कूल वाहनों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए डीपीएस स्कूल की वैन को रोककर भी सुरक्षा मानकों की जांच की गई।

- **एसीपी ने कहा कि सर्किल के सभी थानों में चलाया जा रहा है चेकिंग अभियान**
- **बिना हेलमेट, तीन सवारी व बिना कागजात वाली गाड़ियों पर की गई ज्यादा सख्ती**

> क्षेत्र में अक्सर अपराधी सवारियों के वेश में वाहनों पर बैठकर लूट जैसी घटनाओं को अंजाम देते हैं। इसी के मद्देनजर संदिग्ध वाहनों की तलाशी ली जा रही है। विशेष रूप से नंबर प्लेट से छेड़छाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। अभियान सर्किल के सभी थानों में चलाया जा रहा है ।
>
> **-मंजय सिंह (एसीपी बिल्हौर)**

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

मुशायरा | **'एक शाम उर्दू अदब के नाम' सजी महफिल, शायरों ने खूब लूटी वाहवाही**

तुम नकाबे रुख उलट दो, देख लूं जी भर तुम्हें

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। एक शाम उर्दू अदब के नाम से मकतब रहमानिया के मुशायरा संपन्न हुआ जिसकी सदारत रमजान खां साहिल और संचालन मास्टर इनायत मोईन चिश्ती ने किया। मुशायरे के मुख्य अतिथि मास्टर फिरोज कमाल रहे। मुशायरे के कन्वीनर ममनून अहमद बंगश रहे।

मुशायरे का आगाज मौलाना अताउर रहमान ने किया। इसके बाद बदरुद्दीन तैयब ने अपना कलाम पेश किया पीने को जाम साकी से बैठे तो हैं मगर, पीने का हो शऊर उन्हीं को शराब दे। ममनून अहमद बंगश ने शेर सुनाया उफ़ शबे वस्ल हो गई बर्बाद, रूठने में कभी मनाने में। मसीह निज़ामी ने शेर सुनाया कीमती कितनी है खुद्दारी की दौलत दोस्तो, ये हुआ अहसास मुझको हाथ फैलाने के बाद। यावर मौधवी ने शेर यूं पढ़ा लगे हैं जो भी अंधेरों को दूर करने में, उन्हें चराग नहीं आफ़ताब देना है। निज़ाम मौधवी ने पढ़ा तुम नक़ाबे रुख उलट दो देख लूं जी भर तुम्हें, हेच हैं सब हुस्न के बाज़ार मेरे सामने। हास्य कवि मुन्ना बॉर्डर ने शेर सुनाया क्यों लाऊं उसके वास्ते मैं दूध की बर्फी ,जो मुझको एक लड्डू खिला भी नहीं सकता। संचालन कर रहे इनायत मोईन चिश्ती ने पढ़ा मुनाफ़िक़ की यही पहचान है तुम आज़मा लेना,वो जब सच्चाई सुनता है पसीना छोड़ देता है। फरीद परछवी ने शेर सुनाया हम अहले इश्क़ है हमे ये फ़िक्र है फ़रीद, नफ़रत का बीज खेतों में बोने नहीं दिया। आकिल बिजनौर ने पढ़ा एक हल्के से तबस्सुम ने सुकू छीन लिया, आपने जुल्म किया हमपे इनायत कर के। इसके अलावा नज्मउद्दीन रमज़ान खां, साहिल आदि ने भी अपने अपने कलाम पेश किए। अंत में ममनून अहमद बंगश ने सभी श्रोताओं व शायरों का शुक्रिया अदा किया।

मुशायरे में अपना कलाम पेश करते शायर। अमृत विचार

युवराज सोनी बने शतरंज चैंपियन

हमीरपुर। आमना वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से मौदहा के बांघा में शतरंज क्लासिक-2025 का द्वितीय संस्करण संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में 12 से 75 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

सीमित सीटों के कारण पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर केवल 16 खिलाड़ियों का चयन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन स्विस सिस्टम प्रारूप में किया गया। जिसमें प्रत्येक खिलाड़ी ने प्रारंभिक रैंकिंग के आधार पर चार राउंड खेले। 19 वर्षीय युवराज सोनी ने सभी मुकाबले जीतकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। राजेश सोनी ने द्वितीय स्थान, जबकि महमूद रज़ा ने तृतीय स्थान हासिल किया। शीर्ष तीन खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

शादी के आठ माह बाद जेवर लेकर भाग निकली विवाहिता

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। चरखारी क्षेत्र के अस्थौन गांव के एक युवक का बिचौलियों ने 50 हजार रुपये लेकर एक युवती से विवाह कराया था, लेकिन शादी के आठ माह बाद ही पत्नी लाखों रुपये के जेवर और नकदी समेट कर भाग निकली।

पीड़ित रघुराज (35) ने बताया कि गांव के चरण सिंह और कनेरा निवासी शेखर ने उसकी शादी कराने के नाम पर परिवार से 50 हजार रुपये लिया। अप्रैल में मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर की रहने वाली निशा से शादी कराई थी। बिचौलिये उसे नरसिंहपुर ले गए और एक खेत में विवाह की रस्मे पूरी करा दी।

शादी के कुछ माह बाद दलालों का घर में आना-जाना बढ़ गया। वे निशा के संपर्क में रहने लगे। जब उसने विरोध जताया तो उन लोगों ने गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। कुछ दिन बाद निशा ने अपने मायके जाने की जिद करने लगी, जिस पर वह पत्नी को मायके छोड़ आया। पीड़ित ने बताया कि जब वह दोबारा ससुराल गया तो जिस घर में उसने निशा को छोड़ा था, वहां ताला लगा था और उसके माता-पिता भी गायब थे। पत्नी जब मायके गई थी तो जेवरात सहित हजारों रुपये की नकदी ले गई थी। रघुनाथ ने आरोप लगाया कि बिचौलियों ने मिलकर उसे ठगा है। उसके पास दलालों को पैसे देने का वीडियो भी है। पीड़ित ने एसपी से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

सुविचार

अस्तित्व का अर्थ है परिवर्तन, परिवर्तन का अर्थ है परिपक्व होना, परिपक्व होने का अर्थ है स्वयं को अनंत काल तक सृजित करते रहना।
-हेनरी बर्गसन

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर के प्रमुख समाचार

- प्रदेश की सबसे ठंडी रात रही कानपुर की-II
- निर्मल अड़े, चौथी बार फिर हो गए खड़े-III
- सड़कों पर किया बवाल तो जेल में मनेगा नया साल -IV

कानपुर, बुधवार, 31 दिसंबर 2025

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

मल्टीलेवल पार्किंग अधूरी, खाऊ गली भी ख्वाब में

विकास के कई प्रोजेक्ट साल 2025 बीतने के साथ पूरे नहीं हो सके, खाऊ गली को लेकर कंपनी को नोटिस

अधूरे ख्वाब

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में कई विकास प्रोजेक्ट साल बीतने के साथ पूरे नहीं हो सके। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत कचहरी में बन रही मल्टी लेवल पार्किंग का कार्य 80 फीसदी पूरा हुआ है तो चुन्नीगंज में बने कन्वेंशन सेंटर का संचालन आखिरी दिन तक शुरू नहीं हुआ। इसी तरह से स्मार्ट सिटी के तहत बृजेंद्र स्वरूप पार्क में स्थापित की जा रही खाऊ गली आज भी अधूरी है। यहां साल के अंत तक कियोस्क की स्थापना नहीं हो सकी।

कानपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने अधूरे कार्यों की समीक्षा करते हुए खाऊ गली के अधूरे निर्माण को लेकर कंपनी को नोटिस दी है, वहीं कन्वेंशन सेंटर के संचालन को लेकर बुधवार को साल के आखिरी दिन बैठक भी बुलाई गई है।

अधूरी मल्टीलेवल पार्किंग। अमृत विचार

बृजेंद्र स्वरूप पार्क में फूड कोर्ट के लिए कियोस्क न स्थापित करने पर स्मार्ट सिटी के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने मेसर्स डिजाइन फैक्ट्री इंडिया को साल बीतने से पहले नोटिस दिया है। इसके साथ ही कंपनी से कियोस्क न स्थापित कर पाने का कारण भी पूछा है। यहां लगे कुछ वेंडर कियोस्क बड़ी-बड़ी झाड़ियों और गंदगी में गुम हो गए हैं। योजना पूरी तरह ठप पड़ी है। इससे पहले मोतीझील स्थित कारगिल पार्क के पास फूड कोर्ट बनाने की योजना थी। यहां 1.8 करोड़ रुपये से 60 कियोस्क बनाए जाने थे।

इनमें 29 कियोस्क बनकर तैयार हुए, लेकिन फिर कियोस्क को बृजेंद्र स्वरूप पार्क ले जाना तय किया गया था। लेकिन यहां 11 ही कियोस्क बनकर तैयार हुए। कई कियोस्क आज भी मोतीझील में सड़ रहे हैं। सरकारी धन का जमकर दुरुपयोग किया।

ब्रजेंद्र स्वरूप में अधूरे कियोस्क। अमृत विचार

47.83 करोड़ से मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण

96.10 करोड़ रुपये से बना है कन्वेंशन सेंटर

11 ही कियोस्क बनकर तैयार खाऊ गली के

05 जनवरी को टेक्निकल बिड ओपेन की जाएगी

अगस्त में पूरी करनी थी पार्किंग

कानपुर। तहसील के पीछे कैंपस में कलेक्ट्रेट के पास मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण कार्य जलनिगम की संस्था सीएंडडीएस कर रही है। 47.83 करोड़ रुपये से मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण हो रहा है। पिछले दिनों एजेंसी सीएंडडीएस ने तय समय से 5 महीने और मांगा है। एजेंसी ने 14.8.2025 तक योजना का कार्य पूरा करने का दावा किया था। लेकिन आज भी कार्य पूरा नहीं हो सका है।

कन्वेंशन सेंटर के संचालन को लेकर आज बैठक

कानपुर। कानपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड (केएससीएल) के द्वारा निर्मित चुन्नीगंज स्थित कन्वेंशन सेंटर का संचालन साल के आखिरी दिन भी नहीं हो सका। कन्वेंशन सेंटर को चलाने के लिए दो बार टेंडर निकाले गए, लेकिन ठेकेदारों ने रुचि नहीं ली। अब तीसरी बार टेंडर निकाले गए हैं। 22 दिसंबर को प्री-बिड मीटिंग हुई थी। अब 5 जनवरी को टेक्निकल बिड ओपेन की जाएगी। बुधवार को जेम पोर्टल पर मिली क्वेरी के सापेक्ष विचार विमर्श व आखिरी निर्णय के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी अर्पित उपाध्याय ने समिति के साथ बैठक बुलाई है। बता दें कि कन्वेंशन सेंटर का निर्माण 96.10 करोड़ रुपये से किया गया है। यहां अत्याधुनिक सभागार के अलावा 16000 वर्ग फुट और 12000 वर्ग फुट के दो प्रदर्शनी हॉल के साथ अन्य सुविधाएं हैं। केएससीएल के नोडल ऑफिसर आरके तिवारी ने बताया कि यदि तीसरी बार भी तीन से कम टेंडर आते हैं तो अब वरिष्ठ अधिकारी यह निर्णय ले सकते हैं कि एक या दो प्रतिभागियों में से किसी को कार्यादेश जारी कर दिया जाए।

कमरे में मृत मिला रेलवे कर्मचारी

कानपुर। रायपुरवा में घर पर अकेले रह रहा रेलवे कर्मी का शव बिस्तर पर पड़ा मिला। पुलिस की सूचना पर पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने जांच कर शव पोस्टमार्टम भेजा। मूलरूप से कौसांबी के सुजातपुर बंबरौली निवासी 60 वर्षीय रामरूप रेलवे में टेक्नीशियन थे। रायपुरवा में तेजाब मिल कैंपस में रहते थे।

रामरूप।

परिवार में पत्नी गुलाबदेवी, बेटा नीतेश व छह बेटियां हैं। जिसमें पांच बेटियां शादीशुदा हैं। नीतेश के अनुसार मौजूदा समय में पिता अकेले ही यहां कमरे में रह रहे थे। वे 31 दिसंबर को ही सेवानिवृत्त होने वाले थे। इसलिए परिजनों को भी यहां आने को कहा था। पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस कमरे में पहुंची तो उन्हें मृत पाया। घरवालों ने ठंड लगने या हार्ट अटैक की आशंका जताई है।

सिटी ब्रीफ

हादसे में घायल युवक की मौत

कानपुर। हरवंशमोहाल में सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। कैंट के फाई साहब का हाता निवासी 30 वर्षीय दीपक सोनकर बर्तन बाजार में नौकरी करता था। परिवार में मां रानी, बड़ा भाई अमरदीप है। घरवालों ने बताया कि बीते शनिवार को दीपक काम से घर लौट रहा था, तभी झंडा चौराहा के पास कार ने टक्कर मार दी थी। गंभीर चोट आने पर उसे उर्सला में भर्ती कराया गया था। जहां से डॉक्टरों ने हैलट रेफर कर दिया। वहां उपचार के दौरान सोमवार रात उसकी मौत हो गई।

आज रात गुरमत समागम में आएं

कानपुर। श्री गुरु सिंह सभा द्वारा 31 जनवरी की रात में मोतीझील में गुरमत समागम किया जाएगा। ये समागम उसी पंडाल में होगा, जहां श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाशोत्सव मनाया गया था। श्री गुरु सिंह सभा के प्रधान सरदार हरविंदर सिंह लार्ड ने सिख समुदाय से कहा कि नववर्ष की पूर्व संध्या में क्लब व होटलों में जाने के बजा गुरमत समागम में आएं।

अब सप्ताह में तीन दिन चलेगी शताब्दी

कानपुर। सेंट्रल स्टेशन से नई दिल्ली के मध्य चलने वाली शताब्दी एक्सप्रेस काफी लेट चल रही है जिससे ट्रेन का मेंटीनेंस नहीं हो पा रहा है। इसे देखते हुए शताब्दी को सप्ताह में तीन दिन सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को चलाने का फैसला लिया गया है। अभी ये ट्रेन रविवार छोड़ सप्ताह में छह दिन चल रही थी।

यहां गुल हुई बिजली

कानपुर। तिवारीघाट फीडर और तिकुनिया पार्क फीडर के अंतर्गत बिजली सुबह 11 बजे से दोपहर करीब दो बजे तक फ्यूज सेट लगाने की वजह से गुल रही। खास बाजार के सभी फीडरों की बिजली सीआरपी पैनल व पोल स्ट्रक्चर लगाने की वजह से शाम को साढ़े पांच बजे तक गुल रही। मानस विहार में बिजली शाम को पांच बजे तक नहीं रही।

आज यहां नहीं रहेगी बिजली

कानपुर। खलासी लाइन, तिलक नगर, विष्णुपुरी, तिवारी घाट, रानी घाट, नवाबगंज तिकोनिया पार्क, कर्नलगंज व चंदन नगर में बिजली सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक नहीं रहेगी। विजय नगर, चैन फैक्ट्री, आचार्य नगर, बेनाझाबर व कंपनी बाग में बिजली सुबह 10 बजे से शाम को साढ़े चार बजे तक बिजली गुल रहेगी।

आरपीएफ थाने में पकड़े गए चरस तस्कर। अमृत विचार

स्टेशन पर एक करोड़ की चरस संग दो दबोचे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- स्टेशन के कैंट साइड स्थित प्रवेश द्वार के पास गिरफ्तार किया गया

अमृत विचार। वैशाली एक्सप्रेस से 10 किलो चरस के साथ कानपुर आए एक नेपाली तस्कर और एक महिला को सेंट्रल स्टेशन पर आरपीएफ ने गिरफ्तार किया है। अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में चरस की कीमत एक करोड़ बताई जा रही है।

कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर आरपीएफ पोस्ट के प्रभारी एसएन पाटीदार ने बताया कि लखनऊ से निरीक्षक अतुल कुमार, निरीक्षक अनुराग पटेल द्वारा किसी गाड़ी से एक महिला तथा पुरुष द्वारा मादक पदार्थ लेकर जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। मंगलवार को कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर आरपीएफ प्रभारी एसएन पाटीदार के नेतृत्व में उप निरीक्षक अंजना सिंह अपनी टीम के साथ कानपुर सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 कैंट साइड में प्रवेश द्वार पर आने जाने वाले यात्रियों पर निगरानी कर रहे थे। उसी दौरान एक संदिग्ध महिला और पुरुष से पूछताछ की गई तो दोनों घबरा गये। गोलमोल जवाब देने पर उन्हें आरपीएफ पोस्ट लाया गया और पूछताछ की गई तो तस्कर ने अपना नाम राम पुकार निवासी पर्सा (नेपाल) तथा उसके पिट्ठू बैग में 500 ग्राम के 20 पैकेट कुल 10 किलो मादक पदार्थ (चरस) बरामद हुआ। तस्कर के साथ एक महिला भी पकड़ी गई है जिसने अपना नाम राजमती देवी निवासी बेतिया (बिहार) बताया। दोनों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई की गई। बरामद 10 किलो चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 1 रुपये करोड़ होना पाया गया है।

गोविंदपुरी से झांसी तक 403 करोड़ से अपग्रेडेशन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- उत्तर मध्य रेलवे ने अपना बुनियादी ढांचा और मजबूत करने की कवायद तेज की

अमृत विचार। उत्तर मध्य रेलवे के बुनियादी ढांचे में बड़ा सुधार करते हुए वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी रेलवे स्टेशन से गोविंदपुरी खंड के विद्युत कर्षण अपग्रेडेशन को रेलमंत्री ने मंजूरी दे दी है। इस महत्वपूर्ण परियोजना पर 403.20 करोड़ रुपये की लागत अनुमानित है।

उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि उत्तर मध्य रेलवे के बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने और रेल संचालन की दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से गोविंदपुरी खंड के विद्युत कर्षण प्रणाली के अपग्रेडेशन के प्रस्ताव को स्वीकृति मिल गई है। इस परियोजना के तहत मौजूदा विद्युत कर्षण प्रणाली को उन्नत किया जाएगा। यह कार्य वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से गोविंदपुरी के बीच किया जाएगा। ये कार्य भारतीय रेलवे की पिंक बुक 2024-25 में शामिल 12,000 करोड़ रुपये के अम्ब्रेला कार्य का हिस्सा है।

डीएवी कॉलेज के पास जली बाइक

कानपुर। वीआईपी रोड स्थित दयानंद गर्ल्स कॉलेज के पास मंगलवार दोपहर सड़क पर जा रही एक पल्सर बाइक में अचानक आग लग गई। इससे वहां मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। बाइक सवार किसी तरह से झुलसने से बच गया और कूदकर अलग हट गया। मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। बड़ी मुश्किल से लोगों ने आग पर काबू पाया। इस मामले की जानकारी पुलिस को भी दी गई। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने घटना की जानकारी की।

नए साल के कार्यक्रम की अनुमति लें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। यदि आप जनपद के किसी गेस्ट हाउस, पार्क, क्लब, होटल, पब, रिजोर्ट या किसी भी स्थान पर नए साल का जश्न मनाया चाहते हैं तो जिलाधिकारी से अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया गया है। बिना पूर्वानुमति ऐसे कार्यक्रमों को आयोजित किया जाना, अधिनियम की धारा-8 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध है, जिसके लिए 6 महीने के लिये कारावास एवं अधिकतम 20,000.00 रुपये के अर्थदण्ड अथवा दोनों भुगतना होगा। 2,000.00 रुपये अतिरिक्त दण्ड देना पड़ेगा।

अपर जिला मजिस्ट्रेट नगर डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि पारिवारिक कार्यक्रमों को छोड़कर नववर्ष की पूर्व संध्या पर जनपद के विभिन्न गेस्ट हाउस, पार्क, क्लब, होटल, पब, रिजोर्ट या किसी भी स्थान आदि में आयोजित किये जाने वाले मनोरंजक कार्यक्रम, उत्तर प्रदेश चलचित्र (विनियमन) अधिनियम 1955 की धारा-2 (ए-2) के अन्तर्गत, मनोरंजन की श्रेणी में है।

ऐसे कार्यक्रम के आयोजन/संचालन से पूर्व वर्णित अधिनियम की धारा-4 (ए) के अन्तर्गत जिला मजिस्ट्रेट से अनुमति प्राप्त करना पड़ेगा।

निवेशमित्र पोर्टल पर भी ले सकते अनुमति

- एडीएम सिटी ने बताया कि ऐसे किसी भी कार्यक्रम की पूर्वानुमति, प्राप्त करने के लिए निवेशमित्र पोर्टल (niveshmitra.up.nic.in) के माध्यम से, आयोजन से पूर्व आवेदन किया जा सकता है, जिसके लिए अग्नि-सुरक्षा, विद्युत सुरक्षा, शान्ति-व्यवस्था आदि प्रमाण-पत्रों को सम्बन्धित विभागों से प्राप्त कर ऑनलाइन अपलोड करना होता है। अनुमति की प्रकिया पूर्णरूप से ऑनलाइन है, फिर भी यदि ऑनलाइन प्रक्रिया में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न होती है या किसी सहायता को इच्छुक हैं तो कलेक्ट्रेट स्थित मनोरंजन कार्यालय में सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं।

फुटपाथ घेरकर व्यापार करने पर नोटिस-जुर्माना

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नगर निगम के फुटपाथ, सड़क व सर्विस लेन को घेरकर व्यापार करने वाले 7 प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की है। केशवपुरम, रावतपुर, आनंद नगर, राधा विहार में मार्बल कारोबारी व गेस्ट हाउस फुटपाथ घेरे हुए थे।

नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय के निर्देश पर जोनल अभियंता 6 ने 7 प्रतिष्ठानों पर 4 लाख रुपये का जुर्माना लगाने के साथ ही फुटपाथ से सामान हटाने के निर्देश दिए हैं। मां जगदम्बा मार्बल एंड टाइल्स राधा विहार में ग्रेनाईट, मार्बल, टाइल्स सड़क व फुटपाथ पर रखा हुआ था, इसपर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जगदम्बा मार्बल एंड ग्रेनाइट आनंद नगर, डॉयमंड टाइल्स एंड ग्रेननाईट आनंद नगर, तिलक मार्बल्स एंड ग्रेनाईट केशवपुरम और राजस्थान मार्बल्स एंड ग्रेनाइट आनंद नगर के द्वारा सड़क और फुटपाथ पर ग्रेनाईट, मार्बल, टाइल्स रखकर बेचे जा रहे थे, चारों ही प्रतिष्ठानों पर 50-50 हजार का जुर्माना लगाया गया था। द्विवेदी पार्टी लॉन के द्वारा फुटपाथ पर ट्रस लगाकर व्यापार करने पर 50 हजार और अवन्तिका पार्टी लॉन की ओर से फुटपाथ पर ट्रस लगाकर व्यापार करने पर 1 लाख रुपये का नोटिस दिया गया है।

कठिन सफर | सेंट्रल स्टेशन पर ट्रेनों की सही जानकारी नहीं मिलने से यात्री परेशान

यात्रीगण कृपया ध्यान दें, सभी ट्रेनें रास्ता भूल गई हैं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

20 20 घंटे लेट रहीं तेजस, राजधानी, वंदेभारत जैसी वीआईपी ट्रेनें

ट्रेनों की लेटलतीफी देखें

- बरौनी नई दिल्ली स्पेशल 21 घंटे, हावड़ा दूरंतो एक्सप्रेस 6 घंटे, अमृत भारत 9 घंटे, खजुराहो कानपुर 7 घंटे, कालिंदी एक्सप्रेस 8 घंटे, संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस 10 घंटे लेट रही। नई दिल्ली से लखनऊ जाने वाली तेजस एक्सप्रेस 17 घंटे से अधिक लेट रही। इसी प्रकार अयोध्या से नई दिल्ली जाने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस 8 घंटे लेट कानपुर सेंट्रल स्टेशन पहुंची। नई दिल्ली से कानपुर आने वाली श्रमशक्ति एक्सप्रेस सुबह के बजाय शाम को आई। इसी प्रकार 100 से अधिक ट्रेनें 2 से 5 घंटे तक लेट रहीं।

अमृत विचार। यात्रीगण कृपया ध्यान दें, पहले सटीक जानकारी लेने के बाद ही ट्रेन पकड़ने के लिए घर से निकलें क्योंकि कोहरे में ट्रेनों का कुछ अता-पता नहीं है। तेजस, राजधानी, वंदेभारत जैसी वीआईपी ट्रेनें भी 20-20 घंटे लेट चल रही हैं।

मंगलवार को कोहरे के कारण कानपुर दिल्ली, कानपुर वाराणसी, कानपुर झांसी, कानपुर चित्रकूट, कानपुर झांसी, कानपुर रायबरेली, कानपुर लखनऊ रेलमार्ग पर 150 से अधिक ट्रेनें लेट रहीं। हजारों यात्रियों को स्टेशन पर रातभर ट्रेन का इंतजार करना पड़ा। ट्रेनों की लेटलतीफी के चलते 3500 से अधिक यात्रियों ने अपनी यात्रा रद्द कर दी। सुबह आने वाली ट्रेनें रात तक कानपुर सेंट्रल स्टेशन आती रहीं। ठंड के बीच यात्रियों को ट्रेन का इंतजार करना पड़ा।

आधे-आधे घंटे बढ़ाते रहे लेटलतीफी, यात्री नाराज: कानपुर सेंट्रल स्टेशन के पूछताछ काउंटर पर ट्रेनों की लेटलतीफी को आधे आधे घंटे बढ़ाया जाता रहा जिससे यात्री ट्रेन के इंतजार में परेशान हो गये जिसपर यात्रियों ने नाराजगी जताई। वंदेभारत एक्सप्रेस, स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस, श्रमशक्ति समेत विभिन्न ट्रेनों की लेटलतीफी धीरे धीरे बढ़ाते रहे।

सूबेदारगंज-लोकमान्य तिलक विशेष ट्रेन रद्द: लोकमान्य तिलक स्टेशन (मुंबई) में वाशिंग पिट लाइन-3 की मरम्मत और रखरखाव कार्य के कारण सूबेदारगंज -लोकमान्यतिलक विशेष साप्ताहिक गाड़ी निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 04115 सूबेदारगंज -लोकमान्यतिलक विशेष साप्ताहिक गाड़ी 1, 8, 15, 22, 29 जनवरी 2026 को निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 04116 लोकमान्यतिलक–सूबेदारगंज विशेष साप्ताहिक गाड़ी 2, 9,16,23 व 30 जनवरी 2026 को निरस्त रहेगी।

हमीरपुर रोड चौड़ीकरण का टेंडर दो बार फेल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नौबस्ता-हमीरपुर रोड पर लगने वाले जाम से लाखों लोगों को मुक्ति दिलाने के लिए मार्ग का 8.15 करोड़ रुपये से चौड़ीकरण किया जाना है, लेकिन कार्य अभी तक शुरू नहीं हो सका है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने निर्माण के संबंध में दो बार टेंडर जारी किए थे, लेकिन तकनीकी कारणों की वजह से टेंडर फाइनल नहीं हो सका। उम्मीद जताई जा रही है कि नए वर्ष में टेंडर फाइनल होने और मेट्रो का कार्य पूरा होने के बाद सड़क चौड़ीकरण का कार्य शुरू किया जाएगा।

नौबस्ता चौराहा से लेकर गल्लामंडी तक जाम के काफी हालात बने रहते हैं, जिसकी वजह से वाहन सवार लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। करीब पांच लाख लोगों को जाम से निजात दिलाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने नौबस्ता से लेकर बिनगवां तक सड़क को पांच किलोमीटर तक फोरलेन करने का फैसला लिया है।

अधिकारियों के मुताबिक दोनों ओर अभी सड़क की चौड़ाई 7.5 मीटर है, इसे बढ़ाकर दोनों तरफ 10-10 मीटर किया जाएगा। सड़क चौड़ीकरण के संबंध में एनएचएआई ने दो बार टेंडर डाले थे, लेकिन तकनीकी कारणों की वजह से वह फाइनल नहीं हो सका है। इसलिए अब एनएचएआई नए वर्ष में फिर से टेंडर जारी करेगा। एनएचएआई के परियोजना निदेशक पंकज यादव ने बताया कि मेट्रो ने अभी इस सड़क को हैंडओवर नहीं किया है। कागजी कार्यवाही शुरू हो गई है। टेंडर फाइनल होने के बाद कार्य शुरू किया जाएगा।

8.15 करोड़ रुपये से चौड़ीकरण किया जाना है

05 किमी तक फोरलेन की जाएगी सड़क

10 10 मीटर चौडी होगी सड़क दोनों तरफ

इन क्षेत्र के लोगों को होगा अधिक लाभ

- नौबस्ता चौराहा से पांच किलोमीटर बिनगवां तक हमीरपुर रोड चौड़ीकरण से किदवई नगर, नौबस्ता, पुरानी बस्ती, धरीपुरवा, बसंत विहार, आवास विकास हंसपुरम, दमोदर नगर, तौधकपुर, मछरिया, खाड़ेपुर, अर्रा, आनंद विहार, दासू कुआं, पशुपति नगर, केशव नगर, उस्मानपुर, रमईपुर, जरौली, करहीं व बर्रा विश्व बैंक समेत शहर की लाखों आबादी को लाभ मिलेगा। सड़क चौड़ीकरण होने से नौबस्ता चौराहा से गल्लामंडी, बिनगवां के अलावा रमईपुर, घाटमपुर, बिधनू व पतारा आने व जाने वाले लोगों को काफी आसानी होगी।

सिटी ब्रीफ

कानपुर मेमू को सरसोकी स्टेशन पर ठहराव

कानपुर। नए साल पर 1 जनवरी 2026 से उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन द्वारा वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी–आगरा एक्सप्रेस और वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी –कानपुर मेमू ट्रेन के ठहराव में विस्तार करने का निर्णय लिया गया है। गाड़ी संख्या 64607/64608 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी –कानपुर– वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी मेमू अब सरसोकी स्टेशन पर भी रुकेगी। गाड़ी संख्या 64607 (वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी –कानपुर) : सरसोकी स्टेशन पर पहुंचने का समय सुबह 11 :11 बजे और प्रस्थान 11 :12 बजे होगा। गाड़ी संख्या 64608 (कानपुर– वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी) : सरसोकी स्टेशन पर पहुंचने का समय सुबह 11 :34 बजे और प्रस्थान 11 :35 बजे होगा।

प्लाट दिलाने के नाम पर 1.05 लाख ठगे, धमकाया

कानपुर। जाजमऊ में युवक को प्लाट दिलाने का झांसा देकर आरोपी ने उससे 1.05 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित को पता चला कि प्लाट सरकारी है। इस पर पीड़ित ने अपनी रकम मांगी तो आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने संयुक्त पुलिस कमिश्नर से शिकायत की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। सरैयां निवासी मोहम्मद नईम के अनुसार कुछ माह पहले उनकी पहचान के युवक ने उन्नाव में अपनी प्लाटिंग बताकर एक प्लाट देने का झांसा दिया था। विश्वास में लेकर उसने उनसे 1.05 लाख रुपये ले लिए। जांच–पड़ताल में पता चला कि आरोपी की दी गई जमीन सरकारी तलाब में दर्ज है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

गल्ला व्यापारी से एक लाख की टप्पेबाजी

कानपुर। हैलट अस्पताल में उपचार के लिए आए चित्रकूट के गल्ला व्यापारी से आरोपित युवक ने एक लाख रुपये की टप्पेबाजी की। हैलट चौकी से पीड़ित को पुलिस ने हड़काते हुए भगा दिया। पीड़ित व्यापारी ने मामले की जानकारी कानपुर–बुंदेलखंड व्यापार प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय संयोजक विनोद गुप्ता से की। जिसके बाद उन्होंने व्यापारी नेताओं के साथ स्वरूप नगर थाने पहुंचकर मामले की शिकायत की। चित्रकूट के गुडाही राजापुर निवासी कैलाश अग्रहरि गल्ला एवं दलहन के थोक व्यापारी हैं। उनके अनुसार 29 दिसंबर को वह हैलट अस्पताल जांच के लिए आए थे। हैलट में गेट नंबर तीन के सामने एक युवक ने उन्हें रोककर कपड़े में कुछ लगा होने की बात बोली। जिस पर वह हैलट अस्पताल के अंदर जाकर कपड़ा साफ करने लगे।

पढ़ाई नहीं, जय ने किसी और प्रेशर के कारण दी जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। मेरा भाई पढ़ाई के कारण नहीं मर सकता। उस पर कोई और ही दबाव था। जिस कारण उसने हाथ की नस काटी और फंदे से लटक गया। वह फोन पर बात करते समय डरा रहता था। पूछता था कि किसी सीनियर या प्रोफेसर का फोन तो नहीं आया था। विश्वास न होने पापा की कसम दिलाता था। बैक पेपर भी क्लीयर हो गया था। उसने काउंसिलिंग भी ली थी। कांउसलर ने कहा था कि अब आपका भाई पूरी तरह ठीक है। तहरीर में परिजनों ने छात्र के डर व पावरफुल व्यक्ति का जिक्र किया है। कल्याणपुर पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की है।

मूलरूप से राजस्थान के अजमेर अवधपुरी जोंसगंज निवासी आईआईटी छात्र जय सिंह मीणा के परिजन मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। बड़े भाई धर्मेंद्र सिंह मीणा और बहन डॉक्टर ज्योति मीणा शव देखकर फफक पड़ीं। सोमवार को बायो इंजीनियरिंग कर रहे जय सिंह का शव हॉस्टल नंबर दो के रूम 148 में फंदे से लटका मिला था। इसकी खबर पाकर भाई-बहन के साथ मौसेरी बहन पारूल, जीजा नरेंद्र, मामा पवन सिंह, महेंद्र सिंह समेत अन्य परिजन पहुंचे। बैंक की तैयारी कर रहे धर्मेंद्र ने बताया कि पिता गौरी शंकर मीणा एसबीआई में मैनेजर थे, 2008 में उनकी दुर्घटना में मौत हो गई थी। बताया कि रविवार को जय की मां तारादेवी से बात हुई थी। मां ने राजस्थान स्थित तकराना झुनझुगन गांव जाने की बात कही थी। कुछ दिन पहले नाना की मौत हुई थी, इसलिए मां गांव जा रही थी। लेकिन जय ने मना कर दिया था। उसने कहा था कि सोमवार को घर आउंगा। तब मेरे साथ चलना। धर्मेंद्र ने बताया कि रिजर्वेशन रद कराने के बाद सोमवार सुबह जय को कॉल किया, लेकिन नहीं उठा। इसके बाद दिन में करीब 50 से 60 कॉल किए। अनहोनी की आशंका के कारण उसके रूम पार्टनर सुमित को कॉल किया। सुमित ने तीसरे साथी विकास मीणा को जय के कमरे पर भेजा तो उसका शव लटकता मिला।

पोस्टमार्टम हाउस पर भाई धर्मेंद्र सिंह मीणा व बहन डॉ. ज्योति मीणा। अमृत विचार

मां व बहन के साथ छात्र जय सिंह। (फाइल फोटो)

- पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे भाई-बहन ने कहा, कुछ दिन से वह डरा-डरा रह रहा था
- फोन पर पूछता सीनियर या प्रोफेसर की कॉल तो नहीं आई, न करने पर कसम खिलाता

छात्र जय सिंह।

बैक पेपर क्लियर होने पर कहा था, घर आएंगे

- भाई ने कहा कि बीती चार दिसंबर को उसका बैक पेपर क्लीयर हुआ था। वह बहुत खुश था और कहा था कि दो दिन बाद आउंगा। आखिरी बार दीपावली पर घर आया था। तब उसने खूब मस्ती की थी। पापा की मौत के बाद पेंशन से उसकी पढ़ाई कराई है। वह अपनी जिम्मेदारियां समझता था। किसी न किसी प्रेशर में उसने जान दी है। पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव लेकर राजस्थान रवाना हो गए।

आईआईटी प्रशासन निष्पक्ष जांच करे

- धर्मेंद्र ने बताया कि मेरा भाई पूरी तरह नॉर्मल था। आईआईटी प्रशासन से मांग है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की जाए। क्योंकि वह कुछ दिनों से डरा रहा था। किसी पावरफुल के बारे में बोलता। कहता उसका कोई कुछ नहीं कर सकता है। बहन ज्योति ने कहा कि एक साल से भाई फोन करके पूछता था कि कैंपस से किसी सीनियर, प्रोफेसर का फोन तो नहीं आया। मना करने पर भी वह मानता नही था। कहता था कि पापा की कसम खाओ। रविवार को 11. 30 बजे बात हुई थी तो वह बहुत खुश था।

सोते रहे परिजन घर में हो गई चोरी

कानपुर। किदवईनगर में चोर नकदी-जेवर समेत गृहस्थी का सामान पार कर ले गए। गहरी नींद में होने के कारण परिजनों को भनक तक नहीं लगी। जागने पर कमरे में सामान बिखरा देखकर सन्न रह गए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने चोरों की तलाश शुरू की है।

करपात्रीनगर निवासी सुरेश प्लंबरिंग का काम करते हैं। परिवार में पत्नी विमलेश, दो बेटे रजत, ऋषि और दो बेटियां काजल व पूजा हैं। विमलेश ने बताया कि शनिवार रात खाना खाने के बाद परिजन गहरी नींद में सोए थे। इसी दौरान मेनगेट की कुंडी तोड़कर चोर घर में घुसे और कमरे में रखी अलमारी का लाकर तोड़कर उसमें रखे 25 हजार रुपये, चांदी की पायल, कान के टाप्स, मंगलसूत्र व चार जोड़ी बिछिया चोरी कर ले गए। कमरे में रखा सिलेंडर भी गायब मिला। कमरे में सामान बिखरा पड़ा था। सुबह किदवईनगर पुलिस से शिकायत की। थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार राम ने बताया कि चोरों की तलाश के लिए टीम लगी हैं।

प्रदेश की सबसे ठंडी रात रही कानपुर की

अधिकतम और न्यूनतम तापमान में बड़ी कमी आई, हवा भी तेज, ठिठुरे शहरवासी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

4.4 डिग्री रहा सोमवार रात का पारा | **05** डिग्री की गिरावट हुई दिन के पारे में भी | **04** जनवरी तक जारी रहेगी शीतलहरी

अमृत विचार। शहर में ठंड कहर बरपा रही है। सोमवार रात न्यूनतम तापमान 4.4 डिग्री दर्ज किया गया जो प्रदेश में सबसे कम था। न्यूनतम तापमान में 3 और अधिकतम तापमान में भी 5 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। मंगलवार को दोपहर में कुछ देर के लिए धूप जरूर निकली जिसने कुछ देर राहत दी। लेकिन, सुबह और रात को लोग कांपते रहे।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अगले दिनों में नमी के कारण धुंध और बदलों के साथ कोहरा रहने का अनुमान है। लेकिन, दिन में धूप निकलने के साथ लोगों को राहत मिलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर पश्चिमी हवाएं आने वाले दो दिन कम होने की संभावना है।

कानपुर मंडल में रात, दिन के तापमान मैं उतार चढ़ाव रहने के साथ ही रात, सुबह, शाम के साथ ही अब दिन में भी गलन रहेगी। प्रदूषण के चलते शाम और सुबह धुंध भी नमी के कारण बनी रहेगी, घना से घना कुहरा भी पड़ने की संभावना है। 4 जनवरी तक शीत लहर की वजह से शीत दिवस की संभावना बनी रहेगी।

बाईपास पर कोहरे में लाइट जलाकर चलते वाहन। अमृत विचार

सात की मौत, 61 लोग को आया हार्ट अटैक

- कानपुर। मंगलवार को हार्ट संबंधित दिक्कत होने पर सात लोग एलपीएस कार्डियोलॉजी संस्थान तक नहीं पहुंच सके और उनकी रास्ते में ही मौत हो गई। जब वह कार्डियोलॉजी संस्थान पहुंचे तो डॉक्टरों ने इन सात मरीजों को ब्रॉडडेड घोषित कर दिया। इससे साथ में मौजूद तीमारदारों के बीच चीख पुकार मच गई। संस्थान के निदेशक डॉ. राकेश कुमार वर्मा ने बताया कि ओपीडी में मंगलवार को 990 मरीज इलाज के लिए आए, जिनमे अधिकांश मरीजों ने सीने में दर्द, सांस लेने में दिक्कत, कमजोरी, शरीर में दर्द, जकड़न आदि हृदय रोग से संबंधित लक्षण बताए। ओपीडी में आए कई मरीजों का ब्लड प्रेशर अनियंत्रित मिला। इमरजेंसी में 24 घंटे में 150 मरीज दिल की समस्या से ग्रस्त होकर आए। 61 गंभीर हार्ट अटैक के मरीज भर्ती किए गए। जबकि सात मरीज ब्रॉडडेड पहुंचे। उनके परिजनों में कोहराम रहा।

शराब पीने के बाद गालियां देता था तो दोस्त को मारा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सेल्समैन के हत्यारोपी चाचा-भतीजे गए जेल
- साजिश रचकर साथ ले गए थे और हत्या कर दी

अमृत विचार। गोविंदनगर पुलिस ने पेट्रोल पंप सेल्समैन की हत्या का खुलासा कर आरोपी चाचा-भतीजे को मंगलवार जेल भेज दिया। आरोपियों ने सेल्समैन को नग्न करके पीटा गया था। इंटरलाकिंग ईंट से उसके सिर पर वार किए थे। मौत होने पर शव छोड़कर घर चले गए थे।

निरालानगर स्थित रेलवे मैदान में सोमवार को सेल्समैन का नग्न अवस्था में शव पड़ा मिला था, जिसके चेहरे, पेट, बाएं हाथ व शरीर के कई हिस्सों को कुत्तों ने नोचा था। हत्यारोपी नौबस्ता के बाबानगर निवासी कामता शर्मा और उसके भतीजे मोहित शर्मा ने बताया कि अक्सर राहुल उन्हें शराब पिलाता था। लेकिन नशे में होने पर गालियां देता, जिससे खुन्नस लगती थी। फ्री की शराब के कारण उसके साथ रहना पड़ता था। शनिवार को नशे में उसने सबसे गलत बर्ताव किया। कामता ने बताया कि उसकी हरकत पर भतीजे के साथ मिलकर उसे सबक सिखाने की ठानी। योजना के तहत रविवार रात राहुल के घर पहुंचे, शराब पीने के बहाने उसकी बाइक से बाहर निकले। रास्ते में राहुल ने पिता को मोबाइल देने की बात कही। उसके साथ ही गल्ला मंडी स्थित आयल डिपो गए और फिर लौटते समय भतीजे से चतुर्वेदी बिल्डिंग के पास से मिले। उसे साथ लेकर बर्रा स्थित ठेके के बाहर शराब पी और फिर रेलवे मैदान पहुंचे। वहीं वारदात को अंजाम दिया। डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि आरोपियों की निशानदेही पर सेल्समैन के खून सने कपड़े बरामद किए गए हैं।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

शहर स्टार्टअप का नया हब 1879 युवा बने जॉब क्रिएटर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

3000 के लक्ष्य की ओर बढ़ा उद्योग विभाग

1879 युवाओं को ऋण वितरित किया जा चुका

- मशरूम से लेकर बेकरी तक, युवाओं ने शुरू किया स्टार्टअप, एमएसएमई को मिलेगी नई ताकत

अमृत विचार। प्रदेश की योगी सरकार का 'जॉब क्रिएटर' बनाने का मिशन अब शहर में हकीकत बनकर दिखने लगा है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना ने जिले के युवाओं की सोच को एक नई उड़ान दी है, जिससे कानपुर अब उद्यम का नया केंद्र बनकर उभर रहा है। जिले में अब तक 1879 युवाओं को उनके नए स्टार्टअप और बिजनेस को विस्तार देने के लिए ऋण वितरित किया जा चुका है।

कानपुर के लिए शासन ने 3000 लाभार्थियों का लक्ष्य निर्धारित किया है। उपायुक्त उद्योग, अंजनीश प्रताप सिंह के अनुसार, इस लक्ष्य को पाने के लिए विभाग और बैंक मिलकर काम कर रहे हैं। वर्तमान में 1879 लाभार्थियों को सीधे आर्थिक स्वावलंबन से जोड़ा गया है, जिससे न केवल जिले की बेरोजगारी कम हो रही है बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो रहे हैं।

स्वरोजगार से संवर रही युवाओं की तकदीर

- मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना का लाभ लेकर शहर के युवा अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रहे हैं। इनमें से एक हैं अनुभव शुक्ला, जिन्होंने मशरूम उत्पादन जैसे आधुनिक कृषि क्षेत्र को अपना करियर चुना। विभाग ने उनकी मार्जिन मनी जारी कर दी है। वहीं, नारी शक्ति का उदाहरण पेश करते हुए प्रभनूर कौर ने बेकरी मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में कदम रखा है। आयुषी चतुर्वेदी ने ब्यूटी पार्लर खोलकर स्वरोजगार की राह चुनी है। शहर के खान-पान के शौक को व्यापार बनाने में अनुपम शुक्ला और मोहम्मद अशफाक भी पीछे नहीं हैं। अनुपम ने फास्ट फूड सेवा की शुरुआत की है, तो वहीं मोहम्मद अशफाक ने अपना खुद का फूड रेस्टोरेंट शुरू कर दिया है। उपायुक्त उद्योग ने विश्वास जताया कि यह योजना जल्द ही कानपुर के एमएसएमई क्षेत्र को एक नई और मजबूत पहचान दिलाएगी।

सत्ता के लोग बहुजन समाज का शोषण कर रहे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

कार्यक्रम में मौजूद उपेक्षित वर्ग महासंघ की कोर कमेटी के सदस्य। अमृत विचार

- उपेक्षित वर्ग महासंघ की कोर कमेटी की बैठक में आरोप

अमृत विचार। कल्यानपुर स्थित गूबा गार्डन में मंगलवार को आईपी सिंह के आवास पर उपेक्षित वर्ग महासंघ की कोर कमेटी की बैठक हुई। करीब तीन घंटे चली बैठक में कई विषयों पर कमेटी के सदस्यों ने अपनी राय रखी। महासंघ की कोर कमेटी ने श्यामबाबू यादव को कानपुर मंडल का अध्यक्ष मनोनीत किया। कमेटी ने 20 दिन के अंदर मंडल में निष्क्रिय जिला अध्यक्षों को हटाकर सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिलाध्यक्ष मनोनीत कर कोर कमेटी को देने के लिए कहा। महासंघ के संयोजक अनिल कटियार ने कहा कि आज ऐसी शक्तियां जिन्होनें समाज को अंधकार में रखा, आज फिर हमारे समाज को भ्रमित करने के लिए धर्म और हिन्दुत्व के बहाने हमारे वर्ग के अधीकार व हकों पर डांका डाल रही है। पहले अशिक्षित होने के कारण वर्ग पर एकाधिकार था। लेकिन शिक्षित होने के बाद भी ऐसी शक्तियां हावी है और सत्ता में हैं। सत्ता के लोग बहुजन समाज का सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक शोषण कर रहे है। इस दौरान प्रदेश महामंत्री रामौतार वर्मा, संरक्षक एननके सिंह कनौजिया, श्यामबाबू यादव, मनोज कटियार, महेश कटियार, सुशील कुमार, शिवस्वरूप कटियार आदि थे।

कंबल बांटते संस्था के सदस्य। अमृत विचार

सर्दी से बचाव के लिए प्रतिदिन कंबल वितरण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कानपुर चिल्ड्रेन नर्सिंग होम संस्था का अभियान

अमृत विचार। सर्दी के मौसम में फुटपाथ व सड़क किनारे गुजर बसर कर रहे लोगों को राहत पहुंचने के लिए कानपुर चिल्ड्रेन नर्सिंग होम द्वारा कंबल वितरण 25 दिसंबर से निरंतर किया जा रहा है। संस्था का यह अभियान नए वर्ष तक चलता रहेगा। अभियान के तहत संस्था के राहुल कुमार द्वारा प्रतिदिन जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया जा रहा है। इस नेक कार्य में नर्सिंग होम के संचालक राहुल कुमार के साथ ही डॉ.प्रदीप सिंह, डॉ.सुरेंद्र निषाद, अर्जुन राजपूत, रावतपुर थाने का स्टाफ, कल्यानपुर सीएचसी केअधीक्षक द्वारा पूर्ण रूप से सहयोग किया जा रहा है।

शिकायत | संसाधनों के बगैर बना दिया सॉलिड वेस्ट ट्रांसफर स्टेशन, जांच की मांग

अनावश्यक ट्रांसफर स्टेशन बना दिए गए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

एक स्थान पर दो-दो सेंटर स्टेशनों का निर्माण किया गया। अमृत विचार

अमृत विचार। वार्ड 23 कल्याणपुर आवास विकास में जरूरत से ज्यादा सॉलिड वेस्ट ट्रांसफर स्टेशन बना दिये गए। पार्षद राम नारायण ने नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय को पत्र भेजकर बिना संसाधनों के बनाए गए ट्रांसफर स्टेशन पर सवाल उठाते हुए जांच की मांग की है। उन्होंने बताया कि आवास विकास तीन के विभिन्न स्थानों पर श्री राम इंफ्राटेक ठेकेदार के द्वारा क्षमता से अधिक 9 स्थानों पर सॉलिड वेट ट्रांसफर स्टेशनों का निर्माण एक ही वार्ड में कराया गया जो की आवश्यकता से अधिक है। ठेकेदार के द्वारा एक स्थान पर दो-दो सेंटर स्टेशनों का निर्माण निजी स्वार्थ के लिए किया गया है, जो कि नियम के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि ट्रांसफर स्टेशनों के निर्माण की गुणवत्ता भी ठीक नहीं है। 9 सॉलिड वेस्ट ट्रांसफर सेंटरों में मात्र चार स्टेशनों में आवश्यक उपकरण लगाए गए हैं, शेष बचे स्टेशनों पर निष्प्रभावी हैं।

कई ट्रांसफर स्टेशन बंद हैं। सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है। पार्षद राम नारायण ने वार्ड में क्षमता से अधिक बनवाए गए सॉलिड वेस्ट ट्रासफर स्टेशनों की जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

कल से खुलेगा बॉटेनिकल गार्डेन, न्यू कानपुर सिटी जल्द

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 50 हेक्टेयर में प्रथम चरण में योजना होगी लांच, सीएम योगी से उद्घाटन कराने की तैयारी
- 1 जनवरी से बैराज पर बने बॉटेनिकल गार्डेन में टहल सकेंगे लोग, आगे भी होगा विस्तार

अमृत विचार। नये वर्ष से शहर को दो सौगातें मिलेंगी। केडीए गंगा बैराज स्थित बॉटेनिकल गार्डेन को 1 जनवरी से लोगों के लिए खोल देगा। इसकी तैयारी कर ली गई है। इसके साथ ही महत्वाकांक्षी न्यू कानपुर सिटी भी जनवरी के दूसरे सप्ताह तक लांच करने की तैयारी है। बॉटेनिकल गार्डेन को टहलने लायक बना दिया गया है। जो कमी रह गई है वह भी पूरी की जा रही है। वहीं, न्यू कानपुर सिटी योजना को प्रथम चरण में 50 हेक्टेयर जमीन पर विकसित किया जायेगा। रेरा से सहमति मिलने के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ के द्वारा योजना का उद्घाटन कर सकतें हैं। केडीए सचिव अभय कुमार पांडेय ने बताया कि 153 हेक्टेयर में लाई जाने वाली योजना तीन चरणों में विकसित होगी। पहले चरण में छोटे ईडब्ल्यूएस प्लाट इसके बाद व्यवसायिक और फिर बचे भूखंडे निकाले जाएंगे। बता दें कि वर्षों से योजना अटकी है। इस वर्ष भी योजना लोगों के लिए लांच नहीं की जा सकी अब नये वर्ष में लोगों को सौगात मिल सकती है। उन्होंने बताया कि बॉटेनिकल गार्डेन का विकास कार्य के लिए नेशनल बॉटनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनबीआरआई) से करार हुआ है। एनबीआरआई बॉटेनिकल गार्डेन में नर्सरी, वनस्पतियों का संग्रहालय भी विकसित करेगा।

सिटी ब्रीफ

ग्रीन बेल्ट के विकास के लिए दिया प्रशिक्षण

कानपुर। ग्रीन बेल्ट के विकास के लिए मंगलवार को नगर निगम में प्रशिक्षण दिया गया। मुख्य अभियन्ता (सिविल) एसएफए जैदी की अध्यक्षता में सीएसए व वन विभाग के प्रोफेसर, जिला उद्यान अधिकारी ने नगर निगम अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें उद्यानों, ग्रीनबेल्ट के संरक्षण, पेड़ पोधौ के अनुरक्षण, उनकी कटाई की जानकारी दी गयी। प्रोफेसर वीके त्रिपाठी, जिला उद्यान अधीकारी उमेश उत्तम, यूसी भट्ट आदि रहे।

अब्सेंट, शिफ्टेड व डेथ वोटर को खोजें

कानपुर। भाजपा उत्तर के जिला कार्यालय में नव मतदाता बनाने को लेकर व एसआईआर अभियान में अब्सेंट, सिफ्टेड, व डेथ वोटर को लेकर जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित की अध्यक्षता में बैठक हुई। अनिल दीक्षित ने कहा कि 1 जनवरी को प्रकाशित होने वाली ड्राफ्ट सूची अब 6 जनवरी को प्रकाशित होगी। हम सबको इस सूची के आधार पर अब्सेंट, सिफ्टेड,व डेथ मतदाताओं की बूथ वार सूची प्राप्त कर के एक एक मतदाता का गहन परीक्षण करना है। बैठक में अवधेश सोनकर, अनुराग शर्मा, जन्मेजय सिंह, संतोष शुक्ला, सीमा एमबीए, सतेंद्र पांडेय, प्रमोद विश्वकर्मा, सुनील जायसवाल, किरन तिवारी, दीपक सिंह, राजा आदि रहे।

घर-घर कुंडी खटकाएंगे, मतदाताओं के नाम दर्ज कराएंगे

कानपुर। कानपुर महानगर कांग्रेस कमेटी ने 9 लाख मतदाताओं के नाम कटने को लेकर एसआईआर पर सवाल उठाते हुए कहा है कि मतदाता सूची आलेख प्रकाशन के बाद सभी वार्डों में सत्यापन कराया जाएगा और नए मतदाताओं को जोड़ने के लिए घर घर कुंडी खटखटाई जाएगी। मंगलवार को कानपुर महानगर कांग्रेस कमेटी की तिलक हाल में बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने की। एसआईआर के अंतर्गत काटे गये 9 लाख मतदाताओं के नाम पर चिंता व्यक्त करते हुए हर बूथ पर नजर रखने की रणनीति तय हुई। अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि आलेख प्रकाशन को विलंबित करना दिखाता है कि बिना तैयारी के कार्यवाही शुरू हुई। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी कार्यालय से वोटर लिस्ट आलेख प्रकाशन के बाद कांग्रेस सभी वार्डों में गहन अभियान चलाकर सत्यापन करवाएगी और जिन पात्र मतदाताओं के नाम कटेंगे, उनका नाम फॉर्म 6 और 8 के द्वारा फिर से मतदाता सूची में दर्ज कराया जाएगा। तय हुआ कि सभी वार्डों में कांग्रेस शिविर लगाएगी ताकि मतदाता सूची में ज्यादा से ज्यादा नाम जुड़वाया जा सके।

सीएम से मांग, धर्मस्थली बिठूर के मार्गों का चौड़ीकरण कराएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। धर्म स्थली बिठूर के संकरे मार्गों के चौड़ीकरण और सुंदरीकरण को लेकर मंगलवार को बिठूर विधायक अभिजीत सिंह सांगा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। विधायक सांगा ने सीएम को पत्र देते हुए बताया कि धर्मार्थ योजना के तहत कल्याणपुर बिठूर मार्ग के साथ रामादेवी-पीपरगवां मार्ग से करौली-जरकला चकेरी पाली मार्ग के चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण का प्रस्ताव दिया गया है, लेकिन अभी तक कोई स्वीकृति नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि बिठूर एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है जहां पर हजारों के संख्या में पर्यटक आते रहते हैं। धार्मिक स्थलों को जोड़ने वाले मार्ग बहुत सकरे हैं जिससे दर्शनार्थियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मार्ग ऐतिहासिक एवं पौराणिक विख्यात स्थल बिठूर को जोड़ता है। यहां लाखों श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं। यातायात में काफी असुविधा होती है। साथ ही यह मार्ग एनएच-173 मंधना-गंगा बैराज शुक्लागंज मोहनलालगंज मार्ग एवं चौबेपुर बेला मार्ग को जोड़ने के लिए बाईपास के रूप में प्रयुक्त होने वाला एक वैकल्पिक मार्ग भी है। इन मार्गों का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण कराना अति आवश्यक है।

मुख्यमंत्री से मिले विधायक अभिजीत सिंह सांगा। अमृत विचार

- बिठूर विधायक अभिजीत सिंह सांगा ने सीएम योगी से की मुलाकात

निर्मल अड़े, चौथी बार फिर हो गए खड़े

विशेष संवाददाता, कानपुर

- कानपुर दक्षिण क्षेत्र उद्योग व्यापार मंडल चुनाव की रणभेरी बजने के बाद दावेदारों ने शुरू किया प्रचार दफ्तर खुला, 18 जनवरी को मतदान होगा
- अध्यक्ष के लिए अचल गुप्ता और निर्मल त्रिपाठी, महामंत्री के लिए पवन तिवारी और अजीत गुप्ता ने कसी कमर, आम सहमति की कोशिश

अमृत विचार। पहली बार कानपुर के दक्षिण क्षेत्र में उद्योग व्यापार मंडल (श्याम बिहारी गुट) का चुनाव होने जा रहा है। अध्यक्ष और महामंत्री के लिए दावेदार सामने आए हैं। व्यापारी निर्मल त्रिपाठी ने ऐलान किया है कि इस बार वह मैदान से नहीं हटेंगे।

संगठन के प्रशासनिक दृष्टिकोण से कानपुर उद्योग व्यापार मंडल ने कानपुर जिले को उत्तर और दक्षिण में बांट दिया है और अब दो कमेटियां होंगी, जो स्वतंत्र तरीके से काम करेंगी। उत्तर जिले के बाद अब दक्षिण क्षेत्र का चुनाव 18 जनवरी को होगा। सदस्यता अभियान लगभग पूरा हो चुका है और 4 जनवरी को चुनाव की पूरी प्रक्रिया तय हो जाएगी। इस क्षेत्र में तीन सौ से ज्यादा बाजार सदस्य हैं जो चुनाव में मतदान कर सकेंगे। मार्बल मार्केट में दफ़्तर खुल गया है। चुनाव प्रक्रिया आलू मंडी में पूरी होगी । अध्यक्ष पद के लिए निर्मल त्रिपाठी फिर मैदान में हैं। अचल गुप्ता भी इसी पद के दावेदार हैं और प्रचार कर रहे हैं। महामंत्री के लिए जूलरी कारोबारी अजीत गुप्ता और गल्ला कारोबारी पवन तिवारी का नाम सामने आया है। बताया जाता है कि उत्तर जिला की तर्ज पर यहां भी पैनल तैयार किया जा रहा है ताकि सर्वसम्मति से निर्वाचन हो जाए और मतदान की नौबत न आए, लेकिन निर्मल अड़े हैं। प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा का कहना है कि हर सदस्य को चुनाव लड़ने का अधिकार है, चुनाव कमेटी सब तय करती है।

निर्मल त्रिपाठी।

अचल गुप्ता।

चार बार हार चुके हैं निर्मल

- निर्मल त्रिपाठी ने चार बार अध्यक्ष का चुनाव लड़ा, लेकिन सफल नहीं हो सके। इसी तमन्ना के लिए वह बगावत कर नीरज चतुर्वेदी के साथ उनके गुट में चले गए थे। कुछ दिन बाद लौट आए। कभी विजय पंडित से हारे, कभी टीकम राम से तो कभी राजेश गुप्ता से।

हम नहीं हटने वाले लड़ेंगे जरूर

- निर्मल त्रिपाठी का कहना कि वह इस बार नहीं मानेंगे। हर हाल में लड़ेंगे। व्यापारी आंदोलन में जेल गए, लाठियां खाईं, तीन मुकदमें लद गए। इतना किसने किया। हम संगठन के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन मनमानी नहीं चलने देंगे।

मोबाइल की लत से लोगों में कार्पल टनल सिंड्रोम बीमारी

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के न्यूरो विभाग में 300 मरीजों पर की गई स्टडी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- हाथ में सूजन, झुनझुनाहट सुन्नपन व दर्द हो सकता है
- समस्या लंबे समय तक रहने से इसका असर मस्तिष्क पर भी
- हथेली के अंदर से गुजरने वाली मीडियन नर्व पर दबाव पड़ता

अमृत विचार। अगर आप अधिक समय तक पर मोबाइल पर कार्य करते हैं, घंटों तक रील्स या वीडियो देखते हैं तो आपके हाथों की हथेलियों के अंदर मौजूद हड्डियों के आसपास सूजन आ सकती है। झुनझुनाहट, सुन्नपन व दर्द हो सकता है और समस्या लंबे समय तक बनी रहने से असर मस्तिष्क पर भी पड़ सकता है। क्योंकि अधिक समय तक मोबाइल पकड़कर रखने से हथेली के अंदर से गुजरने वाली मीडियन नर्व (तंत्रिका) पर अधिक दबाव पड़ता है।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के न्यूरो साइंस विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.मनीष सिंह ने बीते छह माह में टीम के साथ 300 मरीजों पर स्टडी की, जिनमे ऐसे मरीज शामिल किए गए, जिनकी हथेली व अंगुलियों में झुनझुनाहट, दर्द व सुन्नपन की समस्या लंबे समय से थी। डॉ.मनीष ने बताया कि स्टडी में पता चला है कि अधिकांश मरीज कार्पल टनल सिंड्रोम से ग्रस्त हैं। अधिकांश मरीज मोबाइल का इस्तेमाल घंटों तक करते थे और हाथ को रिलेक्स मिले, ऐसा कोई व्यायाम भी नहीं करते थे। घंटों तक मोबाइल का इस्तेमाल करने से कलाई में मौजूद कार्पल टनल (एक संकीर्ण रास्ता) से गुजरने वाली मीडियन नस दब जाती है या उस पर दबाव पड़ता है, जिससे हाथ और उंगलियों में सुन्नता, झुनझुनी और दर्द महसूस होता है, जो सूजन, चोट, बार-बार होने वाली गतिविधियों (जैसे टाइपिंग), गर्भावस्था या कुछ बीमारियों (डायबिटीज व गठिया) के कारण भी हो सकता है। स्टडी में कुछ मरीजों की हालत इतनी खराब मिली कि उनके हाथों में सुन्नपन बढ़ने लगा था और रोजमर्रा के काम भी नहीं कर पा रहे थे। इसके अलावा अंगुलियों की पकड़ भी कमजोर हो गई थी। वहीं, कंप्यूटर पर लगातार टाइपिंग भी इसका एक कारण हो सकता है। इसलिए मोबाइल, लैपटॉप या कंप्यूटर पर घंटों समय बिताने से बचें।

मरीज मोबाइल का इस्तेमाल घंटों तक करते थे और हाथ को रिलेक्स मिले, ऐसा कोई व्यायाम भी नहीं करते थे। घंटों तक मोबाइल का इस्तेमाल करने से कलाई में मौजूद कार्पल टनल (एक संकीर्ण रास्ता) से गुजरने वाली मीडियन नस दब जाती है या उस पर दबाव पड़ता है, जिससे हाथ और उंगलियों में सुन्नता, झुनझुनी और दर्द महसूस होता है, जो सूजन, चोट, बार-बार होने वाली गतिविधियों (जैसे टाइपिंग), गर्भावस्था या कुछ बीमारियों (डायबिटीज व गठिया) के कारण भी हो सकता है। स्टडी में कुछ मरीजों की हालत इतनी खराब मिली कि उनके हाथों में सुन्नपन बढ़ने लगा था और रोजमर्रा के काम भी नहीं कर पा रहे थे। इसके अलावा अंगुलियों की पकड़ भी कमजोर हो गई थी। वहीं, कंप्यूटर पर लगातार टाइपिंग भी इसका एक कारण हो सकता है। इसलिए मोबाइल, लैपटॉप या कंप्यूटर पर घंटों समय बिताने से बचें।

ऐसे करें बचाव

- जरूरत से ज्यादा मोबाइल का इस्तेमाल न करें।
- मोबाइल का उपयोग करते समय बीच-बीच में ब्रेक लें।
- हाथों को सीधा करें और स्ट्रेचिंग करें।
- अगर हल्का सा भी दर्द महसूस हो तो मोबाइल अलग रख दें।
- हाथों की पकड़ ढीली रखें और ज़्यादा ज़ोर लगाने से बचें।
- सर्दी के मौसम में काम करते समय बिना उंगलियों वाले दस्ताने पहनें।
- टाइप करते समय कलाई सीधी और न्यूट्रल रखें।
- टाइपिंग के समय कीबोर्ड को कोहनी की ऊंचाई पर रखें।

ये होते हैं मुख्य लक्षण

- हाथ और उंगलियों में झुनझुनी, सुन्नता या दर्द।
- अंगूठा, तर्जनी, मध्यमा और अनामिका के आधे हिस्सा में समस्या
- रात में लक्षण बिगड़ने पर नींद टूट भी सकती है।
- हाथ की पकड़ कमजोर होना और चीजों का गिर जाना।
- अंगूठे के आधार के पास की मांसपेशियों में कमजोरी।

डीएम कार्यालय के बाहर शव रखकर दिया धरना, हड़कंप

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- ठंड से मौत का लगाया आरोप बोले केडीए ने गिरा दिया था घर तिरपाल डालकर रह रहे
- एडीएम सिटी ने आवास का भरोसा दिया, कहा, ठंड से मौत पर चार लाख मिलेगा मुआवजा

अमृत विचार। हनुमंत विहार में मंगलवार सुबह 45 वर्षीय सफाई कर्मी की मौत हो गई। परिजन ठंड से जान जाने का आरोप लगाकर शव लेकर डीएम कार्यालय पहुंच गए। गेट के बाहर शव रखकर खुद धरने पर बैठ गए। आरोप है कि केडीए ने उनके मकान पर बुलडोजर चलाया, जिससे तिरपाल के नीचे रहने को मजबूर हैं। हो-हल्ला होने पर पहुंची एडीएम सिटी ने परिजनों को समझाकर शांत कराया। आवास दिलाने का भरोसा दिया, कहा कि पोस्टमार्टम में ठंड से मौत की बात सामने आई तो चार लाख रुपये मुआवजा भी दिलाया जाएगा। इस पर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम भेजा।

उस्मानपुर केशवनगर डब्ल्यू-ब्लाक निवासी रामपाल संविदा पर सफाई कर्मी थे। परिवार में पत्नी रामकुमारी, दो बेटे सुनील, अनिल व तीन बेटियां हैं। सुनील के अनुसार 16 दिसंबर को केडीए दस्ता ने अतिक्रमण अभियान में उनके मकान गिरा दिया था। आवास देने का वादा किया था, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। इस कड़ाके की ठंड में उनका परिवार तिरपाल के नीचे रातें बिता रहा है। ठंड के चलते ही पिता की जान चली गई। मंगलवार सुबह देखा गया तो वह मृत मिले। घरवाले शव लेकर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के कार्यालय पहुंच गए। कार्यालय गेट के बाहर शव रखकर परिजनों ने धरना देना शुरू कर दिया। इसका पता चलने पर एडीएम सिटी मौके पर पहुंचकर घरवालों से बात की। भीड़ को शांत कराकर आवास का भरोसा दिया। परिजनों के अनुसार मोहल्ले में करीब 70 से अधिक परिवार रह रहे थे। 50 साल से लोग रहे थे, लेकिन उन्हें बेघर कर दिया गया है। सभी परिवार इस ठंड में तिरपाल के नीचे बसर कर रहे हैं।

जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर धरना पर बैठे परिजन। अमृत विचार

जीएसवीएम में पहला राज्य स्तरीय फिजियोलॉजी सम्मेलन होगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सम्मेलन को उप्र राज्य चिकित्सा परिषद से नौ क्रेडिट आवर्स प्राप्त हुए

अमृत विचार। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में फिजियोलॉजी विभाग के राज्य स्तर पर अपना पहला फिजियोलॉजी सम्मेलन का आयोजन मार्च-2026 में आयोजित किया जाएगा। जिसका उद्देश्य शरीर की जटिल जैविक प्रक्रियाओं, यांत्रिक और जैवरासायनिक कार्यों को समझना, नए शोधों को साझा करना, वैश्विक नेटवर्क बनाना और चिकित्सा व स्वास्थ्य सेवा में सुधार के लिए ज्ञान का विस्तार करना होगा। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो.संजय काला के मुताबिक इस सम्मेलन को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा परिषद (यूपीएसएमसी) से नौ क्रेडिट आवर्स प्राप्त हुए हैं। तीन दिवसीय इस सम्मेलन में हर दिन तीन क्रेडिट ऑवर्स होंगे। सम्मेलन व कार्यशालाओं में आयोजित सत्रों और व्यावहारिक प्रदर्शनों के माध्यम से छात्र विज्ञान डेटा रिकॉर्ड करने और विश्लेषण करने जैसे नए कौशल सिखते हैं, जिसका लाभ मरीजों को मिलता है और बेहतर देखभाल होती है। फिजियोलॉजी विभाग की नोडल प्रभारी डॉ.डॉली रस्तोगी ने बताया कि सम्मेलन में स्नातक स्तर के छात्रों के लिए एक मिनट की फ्लैश टॉक प्रतियोगिता का आयोजन होगा। इसमें छात्र चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े अपने अभिनव विचार प्रस्तुत करेंगे। शोध एवं शैक्षणिक गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए सम्मेलन में चार विशेष वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन के दौरान एक लाइव रिसर्च भी आयोजित की जाएगी।

उधार की रकम मांगने पर युवक का सिर फोड़ा

कल्याणपुर। आवास विकास एक निवासी फजल हक के अनुसार सोमवार देर रात वह अपने दोस्त के पास से घर लौट रहे थे। पनकी रोड नाले के पास अपने दो-तीन दोस्तों के साथ साहब नगर निवासी शाहरुख खड़ा था। जिसे देखकर वह उसके पास गए और उसे शाहरुख को पूर्व में दिए अपने 25 सौ रुपये मांगे। इस पर उसने गाली-गलौज की। जिसका विरोध करने पर दबंग ने ईट मारकर उनका सिर फोड़ दिया। जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़ा। होश आने पर पीड़ित ने थाने में घटना की तहरीर दी।

कोहरे में वाहन की लाइट लो बीम पर रखकर चलें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जान प्यारी है तो कोहरे में ड्राइविंग करते समय बहुत सावधान रहें। वाहन के चारों इंडीकेटर ऑन रखें और नियमित हार्न बजाते रहें। पुलिस कमिश्नर एवं यातायात विभाग की ओर से जनमानस के लिए कोहरे में एडवाइजरी जारी की गई है।

डीसीपी ट्रैफिक रवींद्र कुमार ने कहा धुंध, दृश्यता में कमी और फिसलन जैसी चुनौतियों के कारण सड़क दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ जाता है। चौपहिया वाहन चालक अपनी लाइट लो बीम पर रखकर चलाएं। आम जनमानस अपनी एवं दूसरों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सावधानी बरतें।

कोहरे में रेंगता यातायात। अमृत विचार

ये सावधानियां बरतें-सुरक्षित रहें

- एक वाहन से दूसरे वाहन के मध्य उचित दूरी रखें।
- वाहन को पार्किंग / चिन्हित स्थल के अतिरिक्त अन्य कहीं पर न रोकें।
- नींद, थकान एवं नशे की हालत में वाहन न चलाएं।
- कोहरे की स्थिति में वाहन का म्युजिक बंद रखें ताकि अन्य वाहनों का हार्न सुनाई दे।
- वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग नहीं करें।
- अपनी लेन में चलें तथा ओवरटेकिंग न करें।
- वाहन की लाइट लो बीम पर करें।
- दृश्यता कम होने पर लेन मार्किंग (सफेद पट्टी) के सहारे वाहन चलायें।
- फॉग लाइट तथा डी-फॉगर का प्रयोग करें।
- वाहन मोड़ने से पूर्व दाएं-बाएं इंडिकेटर का समय से प्रयोग करें।
- व्यवसायिक वाहनों / ट्रैक्टर ट्राली में मानक के अनुरूप रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाएं।
- आपातकाल में 112 एवं 108 नम्बर पर सम्पर्क करें।

कार्यशाला | आईसीएआई भवन में आयोजित हुआ सीए का सेमिनार

सीए ने लेखा परीक्षा मानक के अपडेट्स जाने

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- नैतिकता और गुणवत्ता आधारित लेखा परीक्षाओं को प्रोत्साहित करने पर जोर

अमृत विचार। लखनपुर स्थित आईसीएआई भवन में मंगलवार को द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल ने कोड ऑफ एथिक्स एवं स्टैंडर्ड्स ऑफ ऑडिटिंग विषय पर सेमिनार का आयोजन किया।

सेमिनार का उद्देश्य सदस्यों को नैतिकता व लेखा परीक्षा मानक में हो रहे नए अपडेट्स से अवगत कराना और गुणवत्ता आधारित लेखापरीक्षा प्रथाओं को प्रोत्साहित करना रहा।

सेमिनार में सीए प्रशांत रस्तोगी ने बताया कि किसी भी ऑडिट पेपर या रिपोर्ट में समर्थन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि यही ऑडिट की विश्वसनीयता और गुणवत्ता को मजबूत बनाती है। स्टैंडर्ड्स ऑफ ऑडिटिंग में भी इस बात पर विशेष जोर दिया गया है। बताया कि सहकर्मी समीक्षा अब सभी सीए फर्म्स के लिए अनिवार्य हो चुका है और यह एक जनवरी 2026 से लागू होगा। सीए शाश्वत गुप्ता ने कोड ऑफ एथिक्स एवं स्टैंडर्ड्स ऑफ ऑडिटिंग पर जानपकारी दी। बताया कि चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के पेशे में स्वतंत्रता, गोपनीयता, व्यावसायिक दक्षता और ऑडिट मानकों के अनुपालन से ही प्रोफेशन की गरिमा और लोगों के विश्वास को बनाए रखा जा सकता है। उन्होंने समझाया कि आईसीएआई द्वारा जारी नैतिक ढ़ाचा केवल दिशा-निर्देश नहीं, बल्कि प्रोफेशन की आत्मा है, जिसका पालन हर सदस्य के लिए आवश्यक है। इस दौरान सीए नितिन ओमर, सीए अमित अग्रवाल, आरपी सिंह, बंदना मिश्रा, सौम्या गुप्ता, दिनेश निगम व अमीश गुप्ता समेत आदि रहे।

सेमिनार का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि। अमृत विचार

लाजपत भवन में आज होगा श्री श्याम महोत्सव

कानपुर। लाजपत भवन में बुधवार यानी आज श्री श्याम बिहारी जी कृपा मंडल द्वारा श्री श्याम महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसके संबंध में मंगलवार को संस्था के महामंत्री राज अग्रवाल ने बताया कि संस्था बीते छह वर्षों से श्याम बाबा के चरणों में समर्पित भजन संध्या का आयोजन करती आ रही है। इस बार सातवां श्री श्याम महोत्सव लाजपत भवन में आयोजित किया जाएगा। महोत्सव में कोलकाता से भजन गायक राजपारिक, खाटू धाम से अजहर अली, नानपारा से माही पोरवाल, श्याम गोयनका, गोपाल अग्रवाल, कुमार श्रवण व शिवम वर्मा भजन प्रस्तुति करेंगे। बाबा का श्रृंगार मेवे की माला व कोलकाता से मंगाए गए फूल से कोलकाता के कारीगरों द्वारा किया जाएगा।

किसानों को राहत नहीं, विदेशों से दलहन का आयात बंद करें

कार्यालय संवदाता, कानपुर

- सपा के प्रदेश सचिव ने भाजपा को घेरा

अमृत विचार। भाजपा सरकार किसानों को दलहन का उत्पादन बढ़ाने के लिए राहत देने के बजाय दलहन का आयात कर रही है। जिससे किसानों का दलहन उत्पादन बढ़ने से रुझान घटेगा। आयात बढ़ने से आत्मनिर्भरता में गिरावट आएगी। यह बातें प्रेसवार्ता में सपा के प्रदेश सचिव केके शुक्ला ने मंगलवार को कहीं।

प्रदेश सचिव केके शुक्ल ने कहा कि सन् 2020- 21 में 26 लाख टन दलहन का आयात किया गया और आयात बढ़ता रहा। आंकड़ा वर्ष 2023 -24 में बढ़कर 47 लाख टन हो गया और वर्ष 2024-25 में दलहन आयात 68 लाख से अधिक पहुंचने की उम्मीद बढ़ गई है। दलहन का रकबा 2021 -22 में लगभग तीन करोड़ हेक्टेयर से घटकर 2024 25 में 2 करोड़ 65 लाख हेक्टेयर के आसपास रह गया है। सरकार ने दलहन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए 11,440 करोड़ रुपये का दलहन आत्मनिर्भरता मिशन चालू किया है, जो 2025-26 से 2030 -31 तक लागू किया जाना है, इसमें अरहर, उड़द व मसूर पर ज्यादा महत्व है, लेकिन जब तक किसानों को रकवा बढ़ाने के लिए और मूल फसलों के साथ दलहन व धान की फसल के बाद जमीन में दलहन बढ़ाने के लिए 8000 रुपये प्रति बीघा सब्सिडी और विकसित बीज की राहत किसानों को दी जाए। तभी उत्पादन बढ़ेगा और विदेशों से आयात भी रुकेगा।

क्योंकि भाजपा सरकार किसानों के साथ अन्याय कर रही है और आयात को महत्व दे रही है। आयात रोक कर किसानों पर ध्यान दिया जाए, नहीं तो किसानों का नुकसान होगा।

सिटी ब्रीफ

अपर आयुक्त आयकर बने अरविंद त्रिवेदी

अरविंद त्रिवेदी।

कानपुर। आयकर विभाग के संयुक्त आयकर आयुक्त अरविंद त्रिवेदी का अपर आयुक्त के पद पर प्रमोशन हो गया है। अरविंद त्रिवेदी इनकम टैक्स गैजेटेड ऑफिसर्स एसोसिएशन के आल इंडिया प्रेसिडेंट भी हैं। वह अभी दिल्ली स्थित आयकर विभाग मुख्यालय में तैनात हैं।

हैलट में जांच शुरू दर्ज हुए बयान

कानपुर। हैलट अस्पताल में कागजों पर लावारिस मरीज को मृत घोषित करने के मामले को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संज्ञान लिया और मामले की जांच के आदेश दिए है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य ने मामले में तीन सदस्यीय कमेटी गठित की है। कमेटी ने जेआर को बुलाकर उसके बयान दर्ज किए है। अब मामले में अन्य स्टाफ के बयान दर्ज किए जाएंगे। इसके बाद रिपोर्ट तैयार कर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के कार्यालय भेजी जाएगी।

फूलबाग से उठेगा जुलूस-ए-हैदरी

कानपुर। हजरत अली की विलादत (जन्मदिन) पर 13 रजब को फूलबाग से हर साल की तरह इस साल भी जुलूस-ए-हैदरी उठाया जाएगा। ये जुलूस फूलबाग से बड़ी करबला नवाबगंज तक जाएगा। जुलूस की तैयारियों को लेकर हुई बैठक में बड़ी करबला के मुतवल्ली काशिफ नकवी, हुसैनी फेडरेशन के चेयरमैन कबीर जैदी, आसिफअब्बास, डॉ. जुल्फिकार अली रिजवी, अली हुसैन, पप्पू सलमान, नायाब आलम,शहाब रिजवी, दानिश रिजवी, व आमिर अब्बास आदि थे।

जेठ ने महिला को पीटा, रिपोर्ट

कानपुर। कैंट में एक महिला ने आरोप लगाया है कि उसके जेठ ने बेवजह गाली-गलौज की। विरोध करने पर पीड़िता से मारपीटा। पीड़ित ने कैंट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बदलीपुरवा निवासी किरन देवी के अनुसार उनके जेठ किशनलाल उससे कटुता रखते हैं। बीते सोमवार की देर शाम वह अपने कमरे के बाहर काम कर रही थी। तभी जेठ ने उससे गाली-गलौज की। किरन का आरोप है कि जेठ शराब के नशे में थे। जेठ से गाली-गलौज का विरोध किया तो जेठ अपने बेटे नीरज, दिलीप के साथ मिलकर मारपीट की। पीड़िता का आरोप है कि उसे डंडे से मारापीटा, जान से मारने की धमकी दी। कैंट थाना प्रभारी अरविंद राय ने बताया कि पारिवारिक विवाद में मारपीट का पता चला है। रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

डबल पुलिया पर फिर अतिक्रमण

कानपुर। नगर निगम ने तीन दिन पहले विजय नगर डबल पुलिया सहित कई स्थानों पर अतिक्रमण हटाया था। अब डबल पुलिया पर फिर कब्जे हो गए हैं। पान की गुमटियां, खाने-पीने के ठेले फिर लग गए हैं। जिससे ट्रैफिक फंसता है।

31 दिसंबर की रात पुलिस रहेगी सड़कों पर, सघन चेकिंग अभियान चलेगा

सड़कों पर किया बवाल तो जेल में मनेगा नया साल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- मंदिरों, गंगा बैराज और शहर के हर चौराहों पर पुलिस रहेगी मुस्तैद

अमृत विचार। नववर्ष पर शराब पीकर हुड़दंग किया तो जेल जाना होगा। पुलिस ने सड़क पर हुड़दंग करने वालों के खिलाफ सख्ती बरतने की तैयारी की है। 31 दिसंबर की रात को ड्रंक एंड ड्राइव का अभियान चलाया जाएगा। गंगा बैराज व मंदिरों में पहुंचने वाली भीड़ को देखते पुलिस के साथ पीएसी भी तैनात रहेगी। प्रमुख चौराहों पर चेकिंग के साथ सुबह चार बजे तक गश्त होगी।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार परमट मंदिर में सबसे अधिक भीड़ होती है। अनुमान के अनुसार एक लाख से अधिक श्रद्धालु नए साल पर भोले के दर्शन करने पहुंच सकते हैं। जिसे देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था तगड़ी होगी। परमट मंदिर परिसर में 250 पुलिस कर्मी और पीएसी की एक कंपनी तैनात रहेगी। इसके साथ ही इस्कॉन मंदिर में भी 50 से 60 हजार भक्तों के पहुचंने की संभावना है। यहां 60 पुलिस कर्मी लगाए गए हैं। पुलिस कर्मियों को मंदिर प्रांगण से लेकर बाहर पार्किंग व आने वाले रास्तों पर पर निगरानी के आदेश दिए गए हैं। इसी तरह जेके मंदिर में 30 पुलिस कर्मियों को लगाया गया है। मंदिर के सुरक्षा कर्मी भी पुलिस के साथ सुरक्षा व्यवस्था में मदद करेंगे। जेड स्क्वायर मॉल और बड़ा चौराहा पर भी 35 पुलिस कर्मी तैनात किए गए हैं। गंगा बैराज पर होने वाली भीड़ को देखते हुए 25 पुलिस कर्मियों को अलर्ट रहने को कहा गया है। साथ ही शहर के प्रमुख चौराहों पर भी एक दरोगा व चार पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। यातायात पुलिस कर्मी भी रहेंगे। एडीसीपी महेश कुमार ने बताया कि ड्रंक एंड ड्राइव का अभियान रात में चलाया जाएगा। शराब पीकर हुड़दंग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

बड़े चौराहे पर यातायात व्यवस्था

- मेघदूत तिराहा से वाहन सवार बड़ा चौराहा नहीं जा सकेंगे। उनके लिए सरसैया घाट चौराहा से चेतना चौराहा होते हुये बड़ा चौराहा जाने का रूट निर्धारित किया गया है।
- कोतवाली चौराहा, नवीन मार्केट और म्योर मील तिराहे से कोई भी वाहन बड़ा चौराहा नहीं जा सकेगा। उनके लिए ठग्गू के लड्डू तिराहे से मुड़कर कचहरी गेट, चेतना चौराहा का रूट है।
- चेतना चौराहा से वाहन सवार पुलिस ऑफिस की ओर नहीं जा सकेंगे। उनके लिए सरसैय्या घाट चौराहा से महिला थाना होते हुए जाने की व्यवस्था की गई है।
- मेघदूत तिराहा से वाया सरसैया घाट बड़ा चौराहा आने वाली बस, ऑटो, औरई-रिक्शा डीएम कार्यालय गेट से आगे नहीं जाएंगे। उनके लिए डीएम गेट से पहले सवारियां भरने और उतारने की व्यवस्था रहेगी।
- कारसेट चौराहा, सद्भावना और कोतवाली चौराहा से आने वाले ई-रिक्शा, ऑटो सोमदत्त प्लाजा से आगे नहीं जाएंगे। ई-रिक्शा व ऑटो चालक सोमदत्त प्लाजा के पास सवारियां बिठा और उतार सकेंगे।

इधर से जाएं, उधर से नहीं

- सिंहपुर चौराहा से इस्कॉन मंदिर की तरफ भारी वाहन नहीं जा सकेंगे। उनके लिए सिंहपुर तिराहा से कल्याणपुर जाने की व्यवस्था की गई है।
- बनियापुरवा चौराहे से भारी वाहन इस्कॉन मंदिर की तरफ नही जा सकेंगे। उन्हें सिंहपुर तिराहा से कल्याणपुर होते हुए रवाना किया जाएगा।
- मैनावती मार्ग तिराहा से इस्कॉन मंदिर की ओर भारी वाहन नहीं जा सकेंगे। उन्हें गुरुदेव चौराहा से कल्याणपुर होते हुए भेजा जाएगा।
- रामा विश्वविद्यालय से भारी वाहन मंधना चौराहा की ओर नहीं जाएंगे। उन्हें चौबेपुर से बिठूर के शनिदेव चौराहा से बायें मुड़कर परियर गंगापुल होते हुए भेजा जाएगा।
- बिठूर चुंगी चौराहा से भारी वाहन यश कोठारी चौराहा नहीं जा सकेंगे, ऐसे वाहन ब्लू वर्ल्ड तिराहा से मंधना चौराहा होते हुए अपने गंतव्य के लिए जाएंगे।

गंगा बैराज पर रहेगी पार्किंग

- कर्बला मस्जिद वाली सड़क पर
- जल संस्थान वाली सड़क पर
- अटल घाट के पहले बाएं ओर खाली स्थान पर
- बोट क्लब के पास बनी पार्किंग

नरवल में 5 छात्रों को कंप्यूटर का तोहफा दिया

कानपुर। शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए ऊषा शिक्षण संस्थान, नरवल में 5 नए कंप्यूटर 5 मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान किए गए। ये विशेष आयोजन रोटरी क्लब ऑफ कानपुर विराट द्वारा किया गया।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर मंगलवार को रोटरी क्लब ऑफ कानपुर विराट द्वारा विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कानपुर के पर्वतारोही, अंकित मिश्र जिन्होंने हाल ही में एवरेस्ट बेस कैंप पर योगासन कर तिरंगा लहराया है, स्कूल के बच्चों को अपने अनुभव और प्रेरणादायक कहानी से अवगत कराया।

शिक्षा उदय कार्यक्रम के अंतर्गत 5 छात्रों को कंप्यूटर का तोहफा दिया गया। इस अवसर पर बच्चों ने अपनी प्रतिभा को प्रदर्शन किया। स्कूल में हुए विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को मेडल, मोमेंटो और सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। इस अवसर पर पर्वतारोही अंकित मिश्र को क्लब द्वारा सम्मानित किया गया। क्लब के चार्टर अध्यक्ष अमित झा, सेक्रेटरी गोपाल शुक्ला, प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुनीत श्रीवास्तव , प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर रिम्पी बिंद्रा , डायरेक्टर अनूप अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

पिघल गए सोना और चांदी के रिकार्ड भाव

विशेष संवाददाता कानपुर

- दो दिन में ही चांदी 15 हजार और सोना पांच हजार रुपये सस्ता हो गया, इतनी तेजी से कभी नहीं गिरे दाम

अमृत विचार। दो दिन पहले सोने और चांदी के भाव जिस तूफानी गति से से ऊपर गए, उसी तेजी से नीचे भी आ गए। कानपुर सराफा बाजार में मंगलवार को सोना 1,38,500 रुपये का 10 ग्राम और चांदी 2,40,000 रुपये किलो पर आ गिरी।

बीते शनिवार को सोना 1,43,800 रुपये का 10 ग्राम और चांदी 2,55,000 किलो पर पहुंच गई थी, जो दोनों ही धातुओं के भाव की सर्वकालिक ऊंचाई थी। निवेशक मालामाल हो गए। इसके बाद भाव ऐसे धड़ाम हुए कि विशेषज्ञ भी हैरत में हैं। ट्रैक रिकार्ड बताता है कि इतनी तेजी से भाव न तो कभी बढ़े और न ही कभी नीचे आए। बिरहाना रोड पर जूलरी शॉप के महाप्रबंधक कर्मजीत सिंह भल्ला का कहना है कि अब आम आदमी के बजट के मुताबिक किफायती डिजाइनर जूलरी की डिमांड बहुत बढ़ी है। भाव के ट्रेंड के बारे कोई निश्चित भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है। उत्तर प्रदेश सराफा एसोसिएशन के मंत्री राम किशोर मिश्रा का कहना है कि इधर मांग के साथ दाम भी घट गए। यह भी सच है कि इतनी तेजी से भाव न तो कभी ऊपर गए और न ही नीचे आए।

इस साल सोना बना लखटकिया..

2025 सोने और चांदी भाव में तेजी के लिए भी जाना जाएगा। इस बार उतार-चढ़ाव के सभी पिछले रिकार्ड ध्वस्त हो गए। सोना ने दाम एक लाख पार कर लखटकिया का ख़िताब हासिल किया। अब तो 18 कैरेट सोने के भाव भी एक लाख पार कर गए। चांदी ने भाव की डबल सेंचुरी लगाई। यानि भाव दो ढाई लाख के पार निकल गए।

स्वर्ण सिंहासन पर घूमे भगवान। अमृत विचार

आनंदेश्वर मंदिर में उमड़ेगी भारी भीड़, होगी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नववर्ष पर बाबा आनंदेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ेगी। इस अवसर पर मंदिर में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए जाएंगे। मंदिर में बाबा का दिव्य एवं भव्य श्रृंगार किया जाएगा। दर्शन को आने वाले भक्तों को सरलता पूर्वक दर्शन हो सके इसके लिए जिला प्रशासन और मंदिर प्रशासन की ओर से बैठक की गई। जिस पर मंदिर प्रशासन की ओर से व्यवस्था को संभाल रहे प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विशेष चर्चा की गई। बैठक में जूना अखाड़ा के गुरु मूर्ति महाकाल गिरि, महाराज वशिष्ठ गिरी , महाराज अरुण भारती, सुनील गिरि महाराज, मीडिया प्रभारी आशुतोष कुमार उपस्थित रहे। मंदिर में होने वाले कार्यक्रम व आने वाले भक्तों को सरलता पूर्वक सहज दर्शन कराने को लेकर रणनीति बनी।

मंदिर में बैठक करते संत और पुलिस अधिकारी। अमृत विचार

स्वर्ण सिंहासन पर विराजमान कराया श्री बैकुंठनाथ को

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- शिवाला के महाराज प्रयाग नारायण मंदिर में बैकुंठ उत्सव धूमधाम से मना

अमृत विचार। शिवाला स्थित प्राचीन महाराज प्रयाग नारायण मंदिर में बैकुंठ उत्सव धूमधाम से मनाया गया। पहले दिन का मुख्य आकर्षण संस्कृति व तमिल भाषा में विशेष मंत्र उच्चारण के साथ एकादशी को बैकुंठ द्वार (एक विशेष द्वारा) खोला गया। यह दरवाजा प्रतिवर्ष एकादशी से पूर्णमासी तिथि तक आम भक्तों के लिए खुला रहता है।

बैंकुठ उत्सव में भगवान को स्वर्ण सिंहासन में विराजमान कराकर भक्तों ने अपने कंधों पर शिवाला मंदिर के परिसर की परिक्रमा की। शोभायात्रा निकाली गई। परंपरागत विशेष निर्मित अंग वस्त्र व विशेष निर्मित पेड़ा प्रसाद का वितरण किया गया। भक्तों ने इस अवसर पर दिनभर बैकुंठ द्वार से अंदर जाकर और लौटकर अपनी आस्था प्रकट की। मंदिर के युवा प्रबंधक अभिनव नारायण तिवारी, अध्यक्ष विजय नारायण तिवारी व राघव नारायण तिवारी के मुताबिक यह विशेष बैकुंठ द्वार पांच दिनों तक भक्तों के लिए खुला रहेगा। उत्सव में वृंदावन, नैमिषारण, प्रयागराज, अयोध्या आदि के अनेक भक्त व आचार्य ने भाग लिया। इस दौरान अनिल कुमार शर्मा, मनोज तिवारी सेंगर, अमित बाजपेई, प्रदीप दीक्षित, राजीव तिवारी, धर्म प्रकाश गुप्त, महेश मिश्रा, अजय कुमार, राजेश मिश्रा ,डॉ. पवन कुमार तिवारी, ध्रुपद संगीतकार, विनोद द्विवेदी, उमंग अग्रवाल, बृजेश अवस्थी, करुणेश दीक्षित व डॉ. राम दीक्षित आदि मौजूद रहे।

भंडारे का प्रसाद पाते भक्त। अमृत विचार

परमट में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया

कानपुर। परमट स्थित आनंदेश्वर मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजक संजय भदौरिया ने बताया कि लगातार इस बार 20वां वार्षिक भंडारा हुआ है। इस दौरान राकेश राजपाल, वैभव शर्मा, हेमंत रस्तोगी, आशीष सेठ, एसपी सिंह, धीरज गुप्ता, मोनू पाल, अमित गुप्ता, आनंद तिवारी, डोलू, देव भदौरिया, पार्थ भदौरिया आदि लोग रहे।

आवश्यता है

श्री मन्नूलाल कन्या महाविद्यालय हंसपुर कानपुर नगर को प्राचार्य एवं स्नातक स्तर पर सहायक आचार्यो, भौतिक विज्ञान, गणित, जन्तु विज्ञान, एवं कला संकाय में शिक्षाशास्त्र, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, **शैक्षिक योग्यता एवं अर्हताएं** यू0जी0सी0, उत्तर प्रदेश सरकार एवं विश्वविद्यालय मानकानुसार मान्य है। आवेदन एक सप्ताह के अन्दर करें।

प्रबन्धक

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवास विकास कॉलोनी, स्कीम नंबर 1. पनकी रोड, कल्याणपुर, कानपुर में स्थित मकान संख्या जी-1401 ईडब्ल्यूएस जिसका क्षेत्रफल 30.15 वर्ग मीटर है, श्री शांति सरन श्रीवास्तव के स्वामित्व में था और उनके निधन के बाद यह संपत्ति श्रीमती केतकी श्रीवास्तव को प्राप्त हुई। अब श्रीमती केतकी श्रीवास्तव ने उक्त संपत्ति मधुमिता शुक्ला (मयंक शुक्ला की पत्नी) को बेचने की सहमति दी है और मधुमिता शुक्ला (मयंक शुक्ला की पत्नी) ने उक्त संपत्ति को आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के पास गिरवी रखने का प्रस्ताव रखा है। उक्त संपत्ति किसी भी बैंक या वित्तीय संस्था के पास गिरवी नहीं है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति पर कोई आपत्ति या दावा है, तो वह इस प्रकाशन के सात (7) दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी से संपर्क कर सकता है, अन्यथा किसी भी दावे या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

मृणाल लालचंदानी (वकील)
चैम्बर नंबर 14 (प्रथम तल) मोती लाल अधिवक्ता भवन, सिविल कोर्ट, कानपुर
मोबाइल नंबरः— 9919606060

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं **मल्लू गुप्ता सुत रामरतन, निवासी— ग्राम श्रीरामपुर परगना बरोसा तहसील जयसिंहपुर जनपद सुलतानपुर**, मेरी एल0आई0सी0 ब्रान्ड में मेरा नाम मल्लू प्रसाद अंकित है जबकि मेरे आधार कार्ड व अन्य अभिलेखों में मेरा नाम मल्लू गुप्ता अंकित है जोकि सही नाम है। मल्लू गुप्ता व मल्लू प्रसाद दोनो नाम एक ही व्यक्ति के है। मुझे इन दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है।

सूचना

मैं **हसरूतुन निशा पत्नी इसलामुद्दीन, निवासी 14, शिव नगर, द्वितीय, लखनऊ** मेरे आधार कार्ड पर मेरा नाम त्रुटिवश किस्मतुन पत्नी हस्लामुद्दीन अंकित हो गया है जबकि मेरे पहचान पत्र पर मेरा सही नाम हसरूतुन निशा पत्नी इसलामुद्दीन अंकित है। आज मेरा सही नाम हसरूतुन निशा पत्नी इसलामुद्दीन पढ़ा व समझा जाये, जो कि मेरा सही नाम है।

सूचना

मैं Uzma Jabeen, यह घोषित करती हूँ कि मेरे हाईस्कूल सर्टिफिकेट में मेरे पिता का नाम गलती से Vasi Mohammad छप गया है। पिता का सही नाम Wasi Mohammad है, जिसे भविष्य में सभी उद्देश्यों के लिये सही माना जाए। S/O Wasi Mohammad R/O 431/217, Niwati Tola, Moazzam Nagar, Hanuman Mandir, Lucknow- Near

सूचना

मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट में मेरा नाम रश्मि त्रिपाठी है, जबकि आधारकार्ड व पैनकार्ड में रश्मि चतुर्वेदी है। दोनों ही नाम मेरे है मुझे दोनों ही नामों से जाना व पहचाना जाए। **—रश्मि चतुर्वेदी पत्नी आकाश चतुर्वेदी निवासी मोहल्ला मंडी बाजार, तिर्वा, कन्नौज।**

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD ALLAN से बदलकर MOHAMMAD ALLAN KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O- SULTAN ADD-AZIZ NAGAR, MADIYAO DIST-LUCKNOW-226021(U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम S ANSAR MEHDI से बदलकर SYED ANSAR MEHDI RIZVI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। ADD-337/N66 N TAPEY WALI GALI NEAR HIZA HOSPITAL MANSOOR NAGAR DIST-LUCKNOW-226003 (U.P.)

सूचना

मेरे पुत्र मुकेश व उनकी पत्नी रिंकी देवी का चाल-चलन ठीक न होने से चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। **जय प्रकाश पुत्र स्व0 दशरथ, ग्राम परसा दूला, थाना छपिया, परगना बभनी पायर, तहसील-मनकापुर, गोण्डा।**

सूचना

सूचित किया जाता है कि **नाजमा बानों पुत्री विसमिल्ला पत्नी शमशाद मकान नंबर 366 मोहल्ला बडगांव गोण्डा** की निवासिनी है। इलाहाबाद बैंक वजीरगंज शाखा मे बचत खाता संख्या 21814548730 में नाजमा बेगम नाम दर्ज है। जबकि दोनों एक ही महिला के नाम है।

सूचना

मेरे आधार कार्ड संख्या 700075517646 में मेरा नाम KRISHNA S/O BALDEV YADAV व जन्मतिथि 19.03.1987 अंकित है जो गलत है। जबकि मेरे हाईस्कूल के प्रमाणपत्र में मेरा नाम KRISHT KUMAR YADAV S/O BALDEV YADAV व जन्मतिथि 01.03.93 अंकित है। जो सही है दोनों नाम KRISHT KUMAR YADAV S/O BALDEV YADAV एवं KRISHNA S/O BALDEV YADAV एक ही व्यक्ति का नाम है। अतः मेरे आधार कार्ड पर मेरा नाम एवं जन्मतिथि सही दर्ज की जाए। कृष्ट कुमार यादव पुत्र बलदेव यादव, ग्राम इंद्रपुर, पोस्ट थम्हनपुरा, तहसील व जिला बलिया, उ.प्र.।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **चन्द्रावती मौर्या पत्नी स्वर्गीय साधिका प्रसाद मौर्या, निवासी ग्राम किशुनदासपुर (देवियापुर), थाना कोतवाली मनकापुर, जनपद गोण्डा,** अपने पुत्र गिरीशचन्द्र मौर्या (आयु लगभग 36 वर्ष) को उसके अनुचित आचरण एवं कुकृत्यों के कारण अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से 30-12-2025 से पूर्णतः बेदखल करती हूँ। उक्त तिथि के पश्चात मेरे पुत्र द्वारा किए गए किसी भी प्रकार के कृत्य/घटना की जिम्मेदारी मेरी अथवा मेरे परिवार की नहीं होगी। वह स्वयं इसके लिए जिम्मेदार होगा।

सूचना

मैं **विमल कुमार मौर्या पुत्र गया प्रसाद मौर्या, निवासी मुगलपुरा मजरा कसमंडी खुर्द तहसील मलिहाबाद, जिला-लखनऊ,** मेरी पुत्री आकृति मौर्या (Akriti Maurya) का सुकन्या समृद्धि योजना के तहत बचत खाता डाक घर मलिहाबाद में है। जिसका नं0-3933323796 जन्मतिथि त्रुटिवश 20.01.2012 व मेरा नाम विमल कुमार अंकित हो गया है। जबकि पुत्री की सही जन्मतिथि 20.01.2015 व मेरा सही नाम विमल कुमार मौर्या है जो कि पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र व आधार कार्ड पर अंकित है। अपनी पुत्री आकृति मौर्या (Akriti Maurya) के उपरोक्त खाते मे अपनी पुत्री की सही जन्मतिथि 20.01.2015 व अपना सही नाम विमल कुमार मौर्या अंकित किया जाय।

सूचना

मैं ,शबाना मिर्ज़ा (SHABANA MIRZA) पत्नी महफूज इलियास मिर्ज़ा नि0-पी0 नं0 -49, के0न0-197, न्यू, हैदरगंज ,स्टार नगर लखनऊ सूचित करती हूँ कि शादी पूर्व मेरा नाम सबाना बेगम (SABANA BEGUM) , पिता का नाम स्व0 शरीफ अहमद था , शादी के बाद मेरा नाम श्रीमती शबाना मिर्ज़ा (Shabana Mirza) तथा पिता का नाम स्व0 शरीफ अहमद खान हो गया है . भविष्य में मुझे सभी उद्देश्यों हेतु श्रीमति शबाना मिर्ज़ा व पिता को शरीफ अहमद खान के जाना-पहचाना जाये।

बीती बातें

कानपुर में सौ साल पहले साल 1925 के अंतिम सप्ताह में तीन विचारधाराओं का बना था अद्भुत संयोग

संघ की अंगड़ाई, स्वदेशी की अलख और इंकलाब की जली मशाल

शैलेश अवस्थी, कानपुर

- कांग्रेस के अधिवेशन, कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना के साथ शुरू हुई थीं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की गतिविधियां
- इसी दौरान अस्तित्व में आया था तिलकनगर, झंडा गीत को मान्यता मिली और प्रदर्शनी से स्वदेशी की हुंकार भरी

दिसंबर 1925 का आखिरी हफ्ता कानपुर में हुई बड़ी राजनीतिक गतिविधियों का गवाह रहा है। कांग्रेस अधिवेशन में स्वतंत्रता आंदोलन को धार मिली तो कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना हुई और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की गतिविधियों ने भी तेजी पकड़ी।

-अनूप शुक्ल, सचिव, कानपुर इतिहास समिति

कम्युनिस्ट पार्टी की नींव पड़ी और कई कांग्रेसी भी आए

कानपुर। कांग्रेस का अधिवेशन खत्म होते ही 28, 29 और 30 दिसंबर 1925 को शहर में कम्युनिस्ट पार्टी का अधिवेशन हुआ। इसका आयोजन भी कांग्रेस के अधिवेशन स्थल के पास ही हुआ। खास बात यह रही कि कांग्रेस के दिग्गज हसरत मोहानी इस आयोजन के स्वागताध्यक्ष थे और कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक सदस्य भी। उन्होंने ही 'इंकलाब-जिंदाबाद' का नारा बुलंद किया था, जो आज भी आंदोलनों की बुलंद आवाज है। इस अधिवेशन की पटकथा सत्यभक्त ने लिखी थी। अधिवेशन में कांग्रेस से जुड़े कई मजदूर संगठन भी थे। कलकत्ता, मद्रास और बम्बई के नेताओं सहित पांच सौ से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिसमें लेखक, पत्रकार, कारोबारी और छात्र भी थे। प्रस्ताव पास हुआ कि मजदूरों का कारखानों और किसानों का जमीनों पर अधिकार रहे। काम के मुताबिक वेतन निर्धारित हो।

कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष और स्वदेशी का नाराः 1925 में शहर में कांग्रेस का तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन 24, 25 और 26 दिसंबर को हुआ था, जिसमें महात्मा गांधी और मोतीलाल नेहरू सहित दिग्गज नेता शामिल हुए थे। यह अधिवेशन पुराना कानपुर और कोहना के बीच खाली पड़े मैदान में हुआ था और इस स्थल का नाम मोतीलाल नेहरू ने तिलक नगर रखा था।

डॉ. मुरारी लाल स्वागत समिति के अध्यक्ष थे और गणेश शंकर विधार्थी प्रधानमंत्री। पहली बार कांग्रेस के अधिवेशन की पूरी कार्यवाही हिंदी में हुई थी।

महात्मा गांधी ने अध्यक्ष पद छोड़ा और सरोजनी नायडू को पार्टी की बागडोर सौंपी गई थी। वह कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष थीं। अधिवेशन स्थल पर स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाकर स्वदेशी अपनाओ का नारा बुलंद किया गया और गांधी जी ने कहा कि स्वदेशी के जरिये हम शीघ्र आजाद हो सकते हैं। खादी की जमकर बिक्री हुई थी।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक का शंखनाद और शाखाओं का विस्तार

कानपुर। 1925 में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना के बाद कानपुर में भी इसकी गतिविधियां तेजी से बढ़ीं। आज भाजपा को सत्ता तक पहुंचाने में संघ का महत्वपूर्ण हाथ है। यूं तो संघ की स्थापना नागपुर में हुई, लेकिन उत्तर प्रदेश में कानपुर इसका मुख्य केंद्र रहा। भाऊराव देवरस उत्तर प्रदेश के पहले प्रचारक बने। कानपुर में विद्वान पंडित सातवलेकर की उपस्थिति में शाखा लगी, तब अनंत चंद गोखले कानपुर में प्रचारक थे। एसडी कालेज के छात्र रहे दीन दयाल उपाध्याय पहली बार यहीं शाखा में शामिल हुए थे। कचहरी स्थित तिकुनिया पार्क में बैरिस्टर नरेंद्रजीत सिंह ने शाखा ज्वाइन की। वह 1947 से 1993 तक आजीवन प्रान्त संचालक रहे।

शराब पीकर जश्न किया तो हवालात में होगी नए साल की सुबह

31 दिसंबर की पार्टी के लिये नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में शुरू हुईं तैयारियां

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। वर्ष 2025 के अंतिम दिन नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में लोग जश्न मनाकर नये वर्ष का स्वागत करते हैं। इस दौरान कुछ युवा नशे में हुड़दंग करने के साथ हंगामा करते हुये बाइकें भगाते हैं। यदि इस बार किसी ने ऐसा किया तो उनकी नये साल की सुबह हवालात में होगी। क्योंकि ऐसे लोगों से निपटने के लिये गंगाघाट पुलिस मोर्चा संभालने को तैयार हो गई है।

यदि आप जाने वाले साल और आने वाले साल पर जश्न मनाने की सोच रहे हैं तो गंगाघाट कोतवाली पुलिस की कार्यवाही के बारे में भी जान लीजिये क्योंकि पुलिस ने कहा हैकि 31 दिसंबर की रात अगर कोई भी हुड़दंग या हंगामा करता नजर आया तो उसे सीधे हवालात भेजा जायेगा। कोतवाली प्रभारी अजय सिंह ने बताया कि 31 दिसंबर की रात गोपनीय पिकेट ड्यूटियां लगाई गई है। वह नशेबाजों पर नजर रखेंगी। अगर कोई नशे में तेज बाइक दौड़ते या हुड़दंग करते मिला तो उस पर सख्त कार्यवाही की जायेगी। इसके साथ नगर के प्रमुख चौराहों व मार्गों पर फोर्स तैनात रहेगा। जो ब्रीथ एनालाइजर के साथ खड़ी रहेगी। शराब पीकर हंगामा करने वालों से निपटने के लिए 31 दिसंबर की शाम से ही पुलिस हर चौराहे के साथ ही उन स्थानों पर तैनात कर दी जाएगी, जहां पर लोग जश्न मनाने जाते हैं। यहां से आने जाने वाले वाहन चालकों के मुंह पर ब्रीथ एनालाइजर लगाकर जांच की जाएगी और जो भी नशे में मिला उसे हवालात पहुंचा दिया जाएगा। इसके साथ ही सड़क पर हुड़दंग, उपद्रव, शोर शराबा और तेज रफ्तार में वाहन दौड़ाने वालों को भी थाने भेजा जाएगा। ऐसे वाहन चालकों की रात भी हवालात में ही कटेगी।

डॉयल पुलिस और क्षेत्रीय दरोगा करेंगे गश्त

कोतवाली प्रभारी ने बताया कि 31 दिसंबर को बाइकों से दरोगा व सिपाही पेट्रोलिंग करेंगे। वहीं 112 डॉयल की गाड़ियां भी चलती रहेंगी और ऐसे लोगों पर नजर रखेंगी। इसके साथ ही वह खुद गश्त पर रहेंगे।

आजाद मार्ग पर एसपी की मौजूदगी में होती वाहनों की चेकिंग। अमृत विचार

इन स्थानों पर शाम से मौजूद रहेगी पुलिस

गंगाघाट क्षेत्र के नगर व ग्रामीण क्षेत्रों के पिकेट प्वाइंट पर 31 दिसंबर की शाम से पुलिस तैनात रहेगी। जो आने जाने वालों पर बराबर नजर बनाये रखेगी। इस दौरान यदि कोई भी नशे में धुत होकर हुड़दंग करता नजर आया तो उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जायेगी।

नववर्ष को लेकर पुलिस सख्त, एसपी ने किया औचक निरीक्षण

शुक्लागंज, अमृत विचार। नववर्ष के मद्देनज़र जिले में सुरक्षा व शांति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए पुलिस व प्रशासन अलर्ट मोड में है। इसी क्रम में मंगलवार शाम एसपी जय प्रकाश सिंह ने गंगाघाट क्षेत्र अंतर्गत पोनी मोड़ पर चल रही संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान एसपी ने मौके पर मौजूद पुलिस बल से चेकिंग की स्थिति जानी और सतर्कता के साथ प्रभावी चेकिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रभारी निरीक्षक को क्षेत्र में लगातार निगरानी बनाए रखने व कानून-व्यवस्था मजबूत रखने को भी कहा। वहीं एसपी के निर्देश पर सुबह से ही कोतवाली प्रभारी अजय सिंह के नेतृत्व में नवीन पुल मोड़, जाजमऊ व मरहला चौराहा और गंगा बैराज पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इसमें यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के चालान भी काटे गए। सुबह से देर शाम तक चले इस अभियान से क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त लोगों में हड़कंप मचा रहा।

न्यूज ब्रीफ

शराब के लिए पैसे नहीं दिये तो पत्नी व साली पर किया हमला

मारपीट में घायल बहनें। अमृत विचार

शुक्लागंज। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के चंपापुरवा मोहल्ले में शराब के लिए पैसे न मिलने पर एक युवक ने अपनी पत्नी व साली पर लाठी-डंडे व बेलचा से हमला कर दिया। पीड़िता पुष्पा देवी ने बताया कि उसका पति राज गौतम उर्फ टईंया मंगलवार दोपहर साढ़े 3 बजे शराब पीने के लिए रुपये मांग रहा था। इनकार करने पर उसने गाली देना शुरू कर दिया और लाठी-डंडों से मारपीट करने लगा। शोर सुन पड़ोस में रहने वाली उसकी बहन रामदेवी जो चंदन की पत्नी है बचाने पहुंची। इस पर पति ने उस पर भी बेलचा से हमला कर दिया। इससे दोनों के सिर फट गए और वे गंभीर घायल हो गईं। इसकी सूचना पीआरवी को दी गई। पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल भेजा। पीड़िता ने पति के विरुद्ध तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वेटलिफ्टिंग में उत्कर्ष ने किया नाम रोशन

शुक्लागंज। पंजाब यूनिवर्सिटी द्वारा पांच दिवसीय नॉर्थ ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप महिला व पुरुष फॉर सेशन 2025-26 आयोजित हुआ। वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता में शुक्लागंज के खिलाड़ी उत्कर्ष उर्फ मनु गुप्ता ने शानदार प्रदर्शन कर नगर का नाम रोशन किया। कानपुर स्थित छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय की ओर से प्रतिभाग करते हुए उत्कर्ष ने 110 किलो भार वर्ग में हिस्सा लिया और बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर 15वीं रैंक हासिल कर ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में स्थान सुनिश्चित किया। प्रतियोगिता का लाइव प्रसारण भी किया गया। जिसे देख उनके परिजन व शुभचिंतक खुशी से झूम उठे। उत्कर्ष ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता सुरेन्द्र गुप्ता को देते हुए कहा कि उनके निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग से ही यह उपलब्धि संभव हो सकी। साथ ही उन्होंने अपने कोच हरीओम ओझा का भी आभार व्यक्त किया। उत्कर्ष ने बताया कि उनका अगला लक्ष्य ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में पदक जीतना है। उनकी इस उपलब्धि पर नगरवासियों ने खुशी जताई और सोशल मीडिया के माध्यम से बधाइयां दीं।

अटल आवासीय विद्यालय में करें आवेदन

उन्नाव। सहायक श्रमायुक्त एसएन नागेश ने बताया कि अटल आवासीय विद्यालय सिठौलीकलां, मोहनलालगंज व लखनऊ में मंडल के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों व कोविड-19 की महामारी में कोरोना से निराश्रित हुये बच्चों व मुख्यमंत्री बाल सेवायोजना (सामान्य) के अन्तर्गत पात्र बच्चों के लिये विद्यालय खोला गया है। जिसमें शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिये कक्षा 6 में उपलब्ध 160 सीट (80 बालक व 80 बालिकाएं) और कक्षा 9 में उपलब्ध 60 सीट (30 बालक व 30 बालिकाएं) पर अटल अवासीय विद्यालय लखनऊ में प्रवेश हेतु आफलाइन/आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये गए हैं। आवेदन पत्र किसी भी कार्यदिवस में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक 1 जनवरी से नि:शुल्क संबंधित जिले के श्रम, जिला प्रोबेशन अधिकारी, बीएसए, डीआईओए, खडं शिक्षाधिकारी कार्यालयों के अलावा अटल आवासीय विद्यालय लखनऊ से प्राप्त किये जा सकते हैं। पूर्ण भरे हुये आवेदन पत्र सभी वांछित अभिलेखों व तीन अतिरिक्त फोटो के साथ 31 जनवरी को शाम 5 बजे तक संबंधित जिले के श्रम विभाग कार्यालय में जमा कराये जा सकते हैं।

वार्ता में छाया रहा नोशनल इंक्रीमेंट का मामला

उन्नाव, अमृत विचार। उप्र माध्यमिक शिक्षक संघ का प्रतिनिधि मंडल जिलाध्यक्ष हरिहर प्रसाद दीक्षित व जिलामंत्री रामशंकर के नेतृत्व में डीआईओएस सुनील दत्त से मिला और 9 सूत्रीय ज्ञापन देते हुए समस्याओं का निस्तारण किये जाने की मांग की। वार्ता के दौरान सेवानिवृत्त शिक्षकों को नोशनल इंक्रीमेंट का मामला प्रमुखता से छाया रहा। शिक्षक नेताओं का कहना था कि दो महीने तक नोशनल इंक्रीमेंट के मामले लेखा सेल में लंबित पड़े रहते हैं और बाद में उन पर आपत्ति लगाकर भेज दिया जाता है कि आपत्ति का निवारण करें मगर आपत्ति नहीं लिखी जाती कि कौन सी आपत्ति है। इस पर मौखिक रूप से कहा जाता है कि वहां का बाबू आकर उन्हें बताए कि उन्होंने जो लिखा है वह सही है। जब तक वहां का बाबू नहीं आकर बतायेगा तब तक उनकी फाइल में हस्ताक्षर नहीं किए जाएंगे। प्रतिनिधि मण्डल में वीरेंद्र विक्रम सिंह, अशादीन तिवारी, सत्य नारायण सिंह, सूर्यकान्त तिवारी, अरुण सिंह, रमेश गौतम, सत्येन्द्र दीक्षित आदि थे।

पूर्व विधानसभा प्रत्याशी के बेटे की मौत पांच पर रिपोर्ट दर्ज

शुक्लागंज। राजधानी मार्ग स्थित सब्जी मंडी शुक्ला हाता निवासी रामबरन सिंह ने अपने बेटे की संदिग्ध परिस्थिति में मौत का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है।

पूर्व विधानसभा प्रत्याशी व राष्ट्रीय जातिगत आरक्षण के प्रदेश अध्यक्ष रामबरन सिंह ने बताया कि उनके बेटे संजय उर्फ शिवप्रताप सिंह को 13 दिसंबर को 12 बजे कुछ लोगों ने आदर्श नगर क्षेत्र में जबरन जहर पिला दिया। उन्होंने ने बताया कि आरोपियों में अंकित सचान उर्फ गोलू करिया निवासी घंटाघर कानपुर नगर, कलक्टरगंज कानपुर निवासी गोलू, पोनी रोड बमबम चौराहा निवासी सत्येन्द्र तोमर, विकास गौतम व आदर्श नगर निवासी राहुल शामिल हैं। घटना के बाद संजय की हालत बिगड़ने पर उसे अस्पताल ले जाया गया। जहां रात साढ़े 8 बजे इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पिता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

संजय सिंह (फाइल फोटो)

पूरे दिन कोहरे व सर्दी से ठिठुरते रहे लोग

दुर्गा मंदिर के बाहर अलाव तापते लोग। अमृत विचार

शुक्लागंज, अमृत विचार। मंगलवार को नगर व ग्रामीण क्षेत्र में ठंड व घने कोहरे ने जन जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। सुबह से छाए कोहरे व बर्फीली हवाओं के कारण लोग पूरे दिन ठिठुरते रहे। ठंड तीव्र थी कि उसका असर सीधे हड्डियों तक महसूस किया गया और हर कोई कंपकंपाता दिखाई दिया।

सोमवार देररात से ही कोहरा छाना शुरू हो गया था। जिससे गलन व ठंड में लगातार बढ़ोतरी होती गई। रात में गलन इतनी अधिक रही कि लोग जल्दी घरों में दुबकने को मजबूर हो गए। मंगलवार सुबह भी मौसम में कोई खास सुधार नहीं हुआ और लोग काम पर जाते समय ठंड से जूझते दिखे। सड़कों के किनारे जल रहे अलाव लोगों के लिए राहत का सहारा बने रहे। ठंड से बचने के लिए लोग ही नहीं पशु भी अलाव के पास खड़े दिखे। दोपहर में कुछ देर के लिए धूप जरूर निकली लेकिन वह ठंड के आगे बेअसर साबित हुई। कोहरे के कारण वाहन संचालन भी प्रभावित रहा। भीषण ठंड और कोहरे का असर ट्रेन सेवाओं पर भी पड़ा। यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

बीएलओ पर पात्रों के नाम हटाने व अपात्रों के नाम जोड़ने का आरोप

बांगरमऊ। गांव ततियापुर के प्रधान मनीराम यादव ने पंचायत निर्वाचक नामावली में अनियमितता का आरोप लगाते हुए उपजिला निर्वाचन अधिकारी को पत्र सौंपा है। इसमें उन्होंने बीएलओ द्वारा मनमानी करने का गंभीर आरोप लगाया है। उपजिला निर्वाचन अधिकारी बृजमोहन शुक्ला को सौंपे पत्र में प्रधान ने बताया कि पंचायत निर्वाचन नामावली के निर्माण के लिए शिक्षामित्र नरेश बाबू को बीएलओ बनाया गया है। लेकिन वह अपनी जिम्मेदारी का सही ढंग से निर्वहन नहीं कर रहे हैं। आरोप है कि विपक्षियों के इशारे पर गांव के कुलदीप, जगरानी, शिवराम, राजेंद्र, रेशमा, ओम प्रकाश, दिनेश कुमार सहित एक सैकड़ा पात्र ग्रामीणों के नाम विलोपित सूची में डाल दिए गए हैं। जबकि इन सभी के पास निवास से संबंधित जरूरी साक्ष्य हैं। प्रधान ने कहा कि संबंधित ग्रामीणों के नाम विधानसभा व लोकसभा की मतदाता सूची में दर्ज हैं तथा सभी ने एसआईआर फार्म भी भर रखे हैं। इसके बावजूद उनके नाम पंचायत निर्वाचक नामावली से हटाए जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर दर्जनों नाबालिग बच्चों के नाम मतदाता सूची में जोड़ दिए गए हैं। आरोप है कि जब इस संबंध में बीएलओ से फोन पर संपर्क किया गया तो वह टालमटोल करता रहा और अब फोन उठाना भी बंद कर दिया है। प्रधान ने नाबालिगों के नाम काटने व पात्र ग्रामीणों के नाम जोड़ने की मांग की है।

नए साल के जश्न के लिए दिनभर चलीं तैयारियां

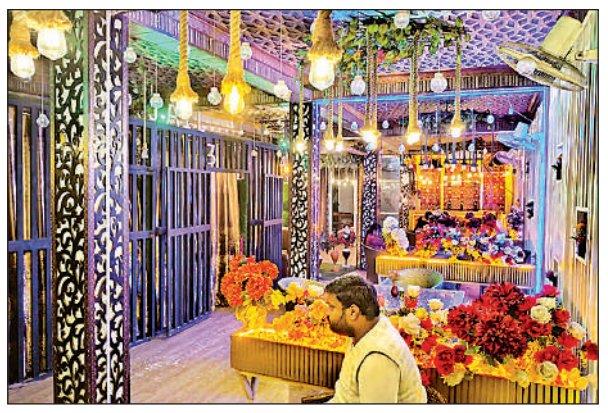
न्यू ईयर पार्टी के लिए रेस्टोरेंट में की गई सजावट। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। वर्ष 2025 की विदाई व वर्ष 2026 के स्वागत को लेकर जिले में उत्साह चरम पर है। मंगलवार को शहर के प्रमुख बाजारों से लेकर होटल, रेस्टोरेंट व बेकरी शॉप्स पर दिन भर तैयारियों का दौर चलता रहा। हर तरफ जश्न की रौनक दिखाई दी और व्यापारियों ने ग्राहकों को लुभाने के लिए खास इंतजाम किए। शहर के होटलों व रेस्टोरेंट्स को रंग-बिरंगी लाइटों और गुब्बारों से सजाया गया है।

मंगलवार सुबह से ही कारीगर सजावट में जुटे रहे। कई होटलों ने 'न्यू ईयर नाइट' के लिए लाइव म्यूजिक, डीजे व डिनर मेन्यू तैयार किया है। युवाओं की पसंद को देखते हुए इस बार सेल्फी प्वाइंट्स भी बनाए गए हैं। नए साल पर केक काटने की परंपरा को देखते हुए बेकरी शॉप्स पर एडवांस बुकिंग की जा रही है। दुकानदारों का कहना है कि वनीला, चॉकलेट व रेड वेलवेट केक की अधिक डिमांड है। गिफ्ट सेंटरों पर डायरी, कैलेंडर व पर्सनलाइज्ड गिफ्ट्स की खरीदारी के लिए युवाओं की भीड़ रही। जश्न के दौरान हुड़दंग रोकने के लिए पुलिस व प्रशासन भी अलर्ट है। मंगलवार शाम को ही प्रमुख चौराहों पर पुलिस की सक्रियता बढ़ गई। शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर नजर रखने के लिए पुलिस चेकिंग भी करेगी।

कुल्हाड़ी से वारकर युवक की हत्या

उन्नाव। पारा गांव निवासी इंद्र बहादुर (45) पुत्र स्व. भगवान दीन गौतम का पड़ोसी सोहन पुत्र मेढ़ी लाल से घर के सामने पड़ी सहन की जमीन को लेकर विवाद था। इसे लेकर दोनों पक्षों में खुन्नस चल रही थी। मंगलवार दोपहर भी सहन में लगे फूल तोड़ने को लेकर विवाद हुआ। इस पर सोहन पक्ष ने पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस जांच करने पहुंचती इससे पहले शाम को फिर किसी बात को लेकर हुई कहासुनी मारपीट में तब्दील हो गई। आरोप है कि इसी दौरान सोहन व उसके बेटे तेज बहादुर ने इंद्र बहादुर पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इससे वह लहूलुहान हालत में वहीं गिर गया। इसी बीच मौका पाकर पिता-पुत्र भाग निकले। परिजनों की सूचना पर पहुंची पीआरवी घायल को 100 बेड अस्पताल लाई जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इससे परिजनों में चीखपुकार मच गई। एसओ कुंवर बहादुर सिंह ने मौके पर पहुंचकर जांच की। फील्ड यूनिट की टीम ने साक्ष्य एकत्र किए। सीओ तेज बहादुर सिंह ने बताया कि भाई राकेश की तहरीर पर रिपोर्ट पिता-पुत्र पर रिपोर्ट दर्ज कर शव मोर्चरी भेजा है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

मनभौना में 6.80 करोड़ की सरकारी जमीन कब्जा मुक्त

कब्जा मुक्त के दौरान मनभौना गांव में मौजूद प्रशासनिक टीम। अमृत विचार

शुक्लागंज, अमृत विचार। शासन के निर्देशों के अनुपालन में जिला प्रशासन ने मंगलवार को भूमाफियाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। सदर तहसील अंतर्गत ग्राम मनभौना में दशकों से अवैध कब्जे की शिकार करीब 7 बीघा सरकारी भूमि को प्रशासनिक टीम ने मुक्त कराया है। कब्जामुक्त कराई गई बेशकीमती जमीन की अनुमानित कीमत लगभग 6 करोड़ 80 लाख रुपये बताई जा रही है।

मनभौना स्थित गाटा संख्या 662/2 व 756/2 जो राजस्व अभिलेखों में तालाब के नाम दर्ज हैं। इसके साथ-साथ गाटा संख्या 781 (खलिहान) व गाटा संख्या 761 (आबादी व बंजर) पर स्थानीय रसूखदारों व भूमाफियाओं ने अवैध कब्जा कर रखा था। कुल 2.744 हेक्टेयर (लगभग 7 बीघा) भूमि पर माफियाओं द्वारा गेहूं व सरसों उगाई जा रही थी। एसडीएम सदर क्षितिज द्विवेदी के नेतृत्व में मंगलवार को भारी पुलिस बल व राजस्व टीम मनभौना पहुंची। एसडीएम ने निर्देश दिए कि कब्जामुक्त कराई गई भूमि पर तत्काल सरकारी बोर्ड लगाए जाएं।

रुकनापुर में मोपेड से गिरे किसान की हुई मौत

10 दिन पहले बेटी ने की थी आत्महत्या

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। अमरूद बेचकर लौट रहे किसान की अचानक मोपेड से गिरने से मौत हो गई। इसकी खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। 10 दिन पूर्व उसकी 22 वर्षीय बेटी ने फंदे लटककर आत्महत्या कर ली थी।

राजू रावत (फाइल फोटो)।

माखी थानाक्षेत्र के रुकनापुर गांव निवासी राजू रावत (56) पुत्र स्व. सूरजबली खेती करता था। सोमवार को वह अपने बाग से अमरूद तोड़कर गुलाबखेड़ा मंडी गया था। जहां से लौटते समय गांव के मोड़ अचानक उसकी मोपेड अनियंत्रित हो गई और वह मुंह के बल सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गया। परिजन उसे सीएचसी लाए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इससे परिजनों में कोहराम मच गया। बड़े बेटे विकास की सूचना पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया।

बता दें कि राजू की मानसिक बीमार बेटी ने बीती 21 दिसंबर को अपने अमरूद के पेड़ में फंदे से लटककर जान दे दी थी। 22 दिसंबर को उसका शव लटका मिला था। 10 दिन में परिवार में हुई दो मौतों से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बेटे विकास ने बताया कि मां श्रीमती की पहले ही मौत हो चुकी है। पिता ही बच्चों की देखभाल करते थे। पहले मां फिर बड़ी बहन और अब पिता की मौत से नाबालिग बेटा महावीर व बेटी नेहा बेहाल हैं। एसओ योगेश सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

सिटी डायरी

सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र लीला का मंचन देख भावविभोर हुए दर्शक

रामलीला महोत्सव में लीला का मंचन करते कलाकार।

सफीपुर, उन्नाव, अमृत विचार। भगवती चरण वर्मा पार्क में चल रही रासलीला व रामलीला के पांचवे दिन वृंदावन के कलाकारों ने सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र लीला का मंचन किया। पंडाल में उमड़ी भारी भीड़ लीला देख भावविभोर हो गई। लीला प्रारम्भ से पहले नगर पंचायत चेयरमैन प्रतिनिधि सौरभ बाजपेई व व्यापार मंडल उपाध्यक्ष अशोक गुप्ता मुन्ना सेठ ने राधाकृष्ण स्वरूपों की आरती उतारी। वहीं सुबह की पाली में भक्त गोपाल लीला का मंचन किया गया। सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र लीला का मंचन कर कलाकारों ने लोगों को सत्य को जीवन में उतारने के लिये प्रेरित किया। लीला में दिखाया कि विपरीत परिस्थिति में भी हरिश्चन्द्र ने धैर्य नहीं खोया। राजपाठ खोने के बाद पत्नी व पुत्र को भी बेचना पड़ा लेकिन सत्य मार्ग नहीं छोड़ा। अंतत: उनकी विजय हुई। सुबह की पाली में भक्त गोपाल की लीला प्रस्तुत की गई।

विजेता व उपविजेता टीम के साथ अतिथि।

गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर मौजूद एसएसई।

खेलवीर की टीम ने जीता खिताब

उन्नाव। सेंट लॉरेंस स्कूल में आयोजित जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन सेमीफाइनल व फाइनल मैच हुए। विशिष्ट अतिथि ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के राष्ट्रीय रेफरी लईक अहमद खान व जिला क्रीड़ाधिकारी मुकेश सब्बरवाल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल का शुभारंभ किया। खेलवीर की ओर से आदर्श ने 3, यशवेंद्र सिंह ने 1 वहीं स्टेडियम से आनंद ने 1 गोल कर 4-1 के अंतर से खेलवीर ने जूनियर वर्ग के खिताब जीता। सीनियर वर्ग का फाइनल मैच खेलवीर एफसी व स्टेडियम एफसी के बीच हुआ। खेलवीर से 2 गोल पीयूष ने और 1 गोल अभिषेक निगम ने किये। खेलवीर ने 3-1 के स्कोर से खिताब पर कब्जा किया।

गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी का किया गया निरीक्षण

शुक्लागंज। यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर रेलटेल कंपनी की ओर से लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की मंगलवार दोपहर हकीकत परखी गई। इस क्रम में रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों ने स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया। मंगलवार दोपहर सीनियर सेक्शन इंजीनियर टेलीकॉम सचिन कुमार, रेलटेल कंपनी के प्रतिनिधि पंकज कुमार तथा फील्ड इंजीनियर शुभम कुमार लखनऊ से गंगाघाट रेलवे स्टेशन पहुंचे।

पुलिस ने शराब पीकर वाहन न चलाने व कोहरे में सावधानी बरतने की दी सलाह

परियर में संदिग्ध वाहनों की जांच करते कोतवाली प्रभारी एसएन त्रिपाठी।

परियर। सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के परियर बिठूर चेक पोस्ट पर कोतवाली प्रभारी एसएन त्रिपाठी व चौकी प्रभारी अनिल राजपूत ने फोर्स के साथ संदिग्ध वाहन व व्यक्ति से पूछताछ की और वाहन चलाते समय जरूरी नियम का पालन करने की बात बताई। मंगलवार शाम को कोतवाली प्रभारी ने परियर चेक पोस्ट, चौराहा व शराब ठेके के पास संदिग्ध खड़े वाहन व व्यक्तियों से जानकारी कर शराब पीकर वाहन न चलाने व कोहरे में विशेष सावधानी बरतने आदि की सलाह दी।

लेखा-जोखा | वर्ष 2025 में पुलिस ने अपराधियों पर खूब लगाई लगाम, हत्याएं बनीं चुनौती

उन्नाव में 36 मुठभेड़ में पकड़े गए 48 अपराधी

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। उन्नाव पुलिस के लिए वर्ष 2025 काफी हद तक अपराधियों पर अंकुश रखने वाला रहा। कई गंभीर अपराधों में पुलिस की त्वरित कार्रवाई नजीर बनी। 28 दिसंबर तक के जारी आंकड़ों के मुताबिक पुलिस ने 36 मुठभेड़ में 48 बदमाशों को पकड़ कर जेल भेजा है। वहीं कई घटनाओं का खुलासा न हो पाना भी पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई है।

बता दें कि जिले के विभिन्न थाना कोतवालियों में 1 जनवरी से 28 दिसंबर तक हत्या के 24 मामले दर्ज किए गए। जिसमें पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 83 आरोपियों को जेल भेजा। वहीं हत्या के प्रयास की 18 घटनाओं में पुलिस ने 120 आरोपियों को जेल भेजा। वहीं लूट व वाहन चोरी के 104, अन्य चोरियों के 113, दहेज में मौत के 29, बलवा के 16, दुष्कर्म के 26, ग्रहभेदन के 56, शस्त्र संबंधी 209 व गुंडा एक्ट के 220 केस दर्ज हुए। जिसमें पुलिस ने लूट में 39, चोरी में 202, नकबजनी में 72 सहित अन्य अपराधों में 13083 आरोपियों को जेल भेजा। चोरों से लाखों रुपये का माल भी बरामद किया। गृह भेदन के 56 मामलों में 63 आरोपी जेल गए। उनकी निशानदेही पर 48 लाख रुपये बरामद हुए। वाहन चोरी के दर्ज मामलों में 54 घटनाओं का खुलासा कर 83 आरोपी जेल भेजे गए। उनसे 54 वाहन भी बरामद हुए। जिनकी कीमत 21 लाख 26 हजार रुपये थी। वहीं पुलिसिंग व्यवस्था में सुधार के लिए शासन से 22 नए वाहनों में 12 चौपहिया व 10 बाइकें भी उपलब्ध कराई गईं। वहीं नया महिला थाना निर्माण के लिए पड़ी जमीन पर नया भवन बनवाने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया लेकिन अभी वह लंबित है। वहीं कई बड़ी घटनाओं का पुलिस अभी तक खुलासा नहीं कर पाई है। एसपी जयप्रकाश सिंह ने बताया कि घटनाएं हुई हैं। लेकिन खुलासे भी किए गए।

एसपी जय प्रकाश सिंह। अमृत विचार

मिशन शक्ति के तहत किया जागरूक

शुक्लागंज। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति के अंतर्गत महिलाओं को सशक्त व सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को गंगाघाट पुलिस ने जागरूकता अभियान चलाया। सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश के नारे के साथ चले अभियान में एंटी रोमियो महिला पुलिस दल ने नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा से जुड़ी सेवाओं की जानकारी दी। महिला पुलिस कर्मियों ने नगर पालिका कार्यालय, न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बाजार, सार्वजनिक स्थल व राजमार्ग क्षेत्र में मौजूद महिलाओं से संवाद किया। इस दौरान उन्हें वूमेन पावर लाइन 1090 के बारे में बताया।

यदि आप किसी से प्रेम करते हैं, तो उसे जाने दें, क्योंकि यदि वह लौट आता है, तो वह हमेशा आपका था। यदि नहीं लौटता, तो वह कभी आपका था ही नहीं।

खलील जिब्रान, दार्शनिक

नए साल में नई परिभाषा

दुनिया की सबसे पुरानी भूगर्भीय संरचनाओं में शामिल अरावली को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपने ही आदेश को वापस लेना यह संकेत है कि न्यायालय को प्रस्तुत परिभाषा और उसके दूरगामी पर्यावरणीय प्रभावों पर गंभीर शंकाएं उत्पन्न हुई हैं। यह घटनाक्रम बताता है कि अरावली जैसे संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र को परिभाषित करने में जल्दबाजी और अधूरी वैज्ञानिक कसौटियां खतरनाक साबित हो सकती हैं। नया आदेश यह साबित करता है कि पिछला फैसला किंचित जल्दबाजी में लिया गया था।

अदालत ने स्वयं यह स्वीकारा कि नई परिभाषा से 'संरचनात्मक विरोधाभास' तो पैदा नहीं हो रहा, यह जांचना आत्यावश्यक है। अदालत की स्वीकारोक्ति बताती है कि सरकार का जवाब अंतिम सत्य मान लेने लायक भरोसेमंद नहीं थे। जिस नई परिभाषा को अदालत ने पहले स्वीकार किया था, वह पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक समिति ने प्रस्तुत की थी। उद्देश्य अरावली की रक्षा बताई गई थी, पर आरोप यह हैं कि उक्त परिभाषा के मानदंड, जैसे 100 मीटर की ऊंचाई- व्यावहारिक रूप से अरावली के बड़े हिस्से को संरक्षण से बाहर कर देते हैं। यदि समिति का उद्देश्य संरक्षण था, तो यह परिभाषा अपने परिणामों में विपरीत कैसे हो सकती है? लाजिमी है कि यह पुनर्विचार आवश्यक था। राजस्थान में 12,081 पहाड़ियों में से केवल 1,048 के 100 मीटर से अधिक ऊंचे होने के दावे को मानने से 92 फीसद से अधिक पहाड़ियां संरक्षण से बाहर हो जाएंगी। यह तथ्यात्मक स्थिति बताती है कि ऊंचाई-आधारित परिभाषा अरावली की वास्तविक भूगर्भीय और पारिस्थितिक निरंतरता को नज़रअंदाज़ करती हैं। नतीजा- अंधाधुंध खनन और रियल एस्टेट परियोजनाओं के लिए दरवाज़ा खुल सकता है। अरावली की प्रकृति 'टुकड़ों में बंटी पहाड़ियों' की नहीं, बल्कि एक जुड़े हुए पारिस्थितिक, प्राकृतिक तंत्र की है। यदि पहाड़ियां 100 मीटर से ऊंची हों, पर 500 मीटर से अधिक दूरी पर हों, तब भी वे भूजल रिचार्ज, जैव-विविधता और जलवायु नियमन के साझा कार्य करती हैं। ऐसे में उन्हें अलग-अलग इकाइयों के रूप में नहीं, बल्कि एक सतत पारिस्थितिक तंत्र के रूप में देखना ही वैज्ञानिक दृष्टि से उचित है। 'विनियमित' या 'सतत' खनन की अवधारणा कागज़ पर आकर्षक लग सकती हैं, पर अरावली जैसे नाज़ुक क्षेत्र में कड़ी निगरानी के बावजूद इसके प्रतिकूल प्रभावों को नकारा नहीं जा सकता। ढलानों का कटाव, भूजल स्तर में गिरावट और जैव-विविधता का नुकसान दीर्घकाल में अपरिवर्तनीय हो सकता है।

एफएसआई द्वारा लंबे समय से अपनाया गया 3-डिग्री ढलान का मानदंड अधिक समावेशी और भू-आकृतिक वास्तविकताओं के करीब रहा है। इसके विपरीत, सरकार द्वारा सौंपी गई नई सूची में कई जिलों को संरक्षण क्षेत्र से बाहर कर दिया गया है, जिससे उन क्षेत्रों में पर्यावरणीय दबाव तेज़ी से बढ़ सकता है। अरावली उत्तर-पश्चिम भारत में रेगिस्तान बनने से रोकने, भूजल रिचार्ज करने और आजीविका बचाने की रीढ़ है, इसलिए इसे केवल ऊंचाई से नहीं, बल्कि उसके पर्यावरणीय, भूगर्भीय और जलवायु महत्व से परिभाषित किया जाना चाहिए।

प्रसंगवश

दुनियाभर में नव वर्ष के हैं अनोखे रंग

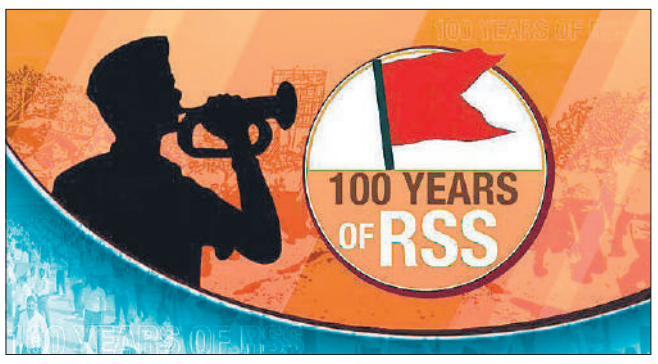

दुनिया भर के देशों में नया वर्ष मनाने की प्रथाएं एवं परंपराएं हैं। कई काफी अनोखी हैं। प्राचीन रोम में नये वर्ष के अवसर पर भेंट देने की परंपरा थी। रोम के एक बादशाह ने तो भेंट देने के लिए मात्र नववर्ष का अवसर ही नियत किया था। इसके अतिरिक्त अन्य अवसरों पर भेंट दिया जाना निषिद्ध था। स्काटलैंड में नये वर्ष के स्वागत के लिए 31 दिसंबर की रात में 12 बजे से पूर्व ही युवक अपने-अपने घरों से निकलकर अपने-अपने मित्रों के घर जाते हैं। सभी लोग अपने साथ मक्खन, डबल रोटी, टाफियां, केक एवं चाय आदि का सामान भी लाते हैं। 12 बजे रात्रि के बाद जो अतिथि सबसे पहले घर में प्रवेश करता है, उसका स्वागत अत्यंत धूम-धाम तथा हर्ष के साथ किया जाता है। समाज में ऐसी मान्यता है कि नये वर्ष में प्रवेश करने वाला प्रत्येक अतिथि अपने साथ सुख-सम्द्धि एवं सौभाग्य लेकर आता है। अतिथि अपने साथ लाये हुए नाश्ते के सामान को परिवार के प्रत्येक सदस्यों में बांटता है।

अंजु अग्निहोत्री
लेखिका

दक्षिणी अफ्रीका में नया वर्ष राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जाता है, जिसे क्यू क्वेचवाना कहा जाता है। क्यू क्वेचबाना से तात्पर्य है, ज्वार की फसल तैयार होने के उपलक्ष्य में भगवान को धन्यवाद देने का उत्सव। इसी दिन यहां का राजा अपनी सेनाओं का निरीक्षण भी करता है एवं वीरता प्राप्त सैनिकों को विवाह करने की अनुमति भी प्रदान की जाती है। इस दिन सामूहिक रूप से विवाह का भी आयोजन होता है। बर्मा में नये वर्ष की दिन तिजांन नामक पर्व मनाया जाता है जो नये वर्ष का स्वागत पर्व है। इस दिन जलक्रीड़ा का विशेष आयोजन होता है, जिसमें एक-दूसरे पर पानी फेंका जाता है। तिजांन के दिन प्रातः काल ही भगवान बुद्ध की मूर्तियों को स्वच्छ सुगंधित जल में नहला कर उसकी पूजा की जाती है।

ईरान में नया वर्ष अत्यंत ही हर्षपूर्ण वातावरण में धार्मिक रीति-रिवाज के अनुसार मनाया जाता है। ईरान में नये वर्ष के उत्सव को नौरोज कहा जाता है। नौरोज से 15 दिन पहले ही घर में किसी स्थान पर गेहूं अथवा जौ बो दिया जाता है। नौरोज का दिन आते-आते यह अंकुरित हो जाता है। नौरोज के दिन परिवार के सभी लोग किसी मेज के चारों तरफ बैठ जाते हैं तथा मेज के ऊपर शीशा, अंडा एवं मोमबत्ती रख दिया जाता है। इसके साथ ही एक प्याले में स्वच्छ एवं पवित्र जल के साथ रोटी एवं पवित्र ग्रंथ भी रख दिया जाता है। पानी से युक्त प्याले में गेहूं या जौ के अंकुर को डाल दिया जाता है। बाली द्वीप में नये वर्ष के प्रथम दिन का गालुंगन के दिन सभी लोग मित्रों एवं रिश्तेदारों को उपहार देते हैं तथा उनसे मिलने के लिए दूर दराज गांवों तक भी चले जाते हैं। गालुगंन दिवस के एक सप्ताह बाद तक यह उल्लासमय वातावरण चलता रहता है। एवं सभी काम-धंधे बंद रहते हैं।

जापान में वर्ष के प्रथम दिन नव वर्षोत्सव मनाया जाता है। इस दिन प्रत्येक घरों की विशेष सजावट की जाती है तथा घर के दरवाजे पर हरे बांस के टुकड़े एवं चीड़ वृक्ष की शाखाएं रखी जाती हैं। इनके समाज में बांस सच्चरित्रता तथा दृढ़ता और चीड़ के साथ-साथ गोहेई अर्थात् कागज के तिकोने टुकड़े भी लटकाये जाते हैं। नव वर्ष के दिन प्रातः नदी तालाब या कुंआ से जल लाया जाता है, जिसे नवजात जल कहा जाता है। जापानियों में ऐसी मान्यता है कि इस जल को पीने से आयु में वृद्धि होती है। इस दिन चावल से बने विशेष भोज्य पदार्थ मोर्चा एवं कमल की जड़ खाने की भी प्रथा है। अगर किसी जापानी के ऊपर कर्ज रहता है, तो वह इस दिन निश्चित ही चुकाने का प्रयास करता है।

राष्ट्र निर्माण की कुंजी है व्यक्ति निर्माण

नुसरत जहां
एजीए हाईकोर्ट लखनऊ बेंच

एक ओर राष्ट्रीय प्रतीक का चिन्ह और दूसरी ओर भारत माता का चित्र अंकित किए हुए सिक्के और डाक टिकट भारत के प्रधानमंत्री की ओर से स्मारक के तौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सामाजिक स्थापना के सौ वर्ष पूरे हो जाने के उपलक्ष्य में जारी किया गया। इसका अर्थ है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारत मां के प्रति समर्पित है। भारत की सांस्कृतिक और सामाजिक परंपराओं का संरक्षण व संवर्धन करने, राष्ट्र निर्माण के लिए अनुशासन, देशभक्ति तथा सेवाभाव से निरंतर कार्य करते हुए यह देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी तेजी से अपनी समृद्धता को विस्तार दे रहा है।

27 सितंबर 1925 को जब डॉ. केशवराम बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी, तो शायद ही किसी ने सोचा होगा कि आगामी वर्षों में यह संगठन इतना प्रभावशाली बन जाएगा। भारत माता के प्रति राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इस अतुलनीय और अनुकरणीय योगदान को देखते हुए दिल्ली के लाल किले की प्राचीर से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इसे विश्व का सबसे बड़ा गैर-सरकारी संगठन बताया। राष्ट्र प्रथम विचारधारा को लेकर चलते हुए आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कई आनुषंगिक संगठनों को साथ लेकर कार्य करते हुए अपने उद्देश्यों की पूर्ति में निरंतर अग्रसर है।

> जब भारत गुलामी का दंश झेल रहा था। भारत में सांस्कृतिक एवं सामाजिक मूल्यों का ह्रास हो रहा था, जिसे देखकर भारत के बुद्धिजीवी वर्ग में चिंता थी। इन्हीं परिस्थितियों में संघ की स्थापना हुई।

संघ अपनी स्थापना का सफल शताब्दी वर्ष मना रहा है, तो लाजमी है कि उसके 100 वर्षों के कार्यों की एक छोटी सी झलक तो जानने की उत्सुकता तो होगी ही न। 1925 में जब संघ की स्थापना हुई, तो भारत गुलामी का दंश झेल रहा था। भारत में स्वतंत्रता आंदोलन चरम पर था। भारत में सांस्कृतिक एवं सामाजिक मूल्यों का ह्रास हो रहा था, जिसे देखकर भारत के बुद्धिजीवी वर्ग में चिंता थी। इन्हीं परिस्थितियों में संघ की स्थापना हुई और उसने अपना कार्य- राष्ट्र प्रथम का ध्येय लेकर भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक उत्थान और भारत के विकास के लिए कार्य करना प्रारंभ किया।

गांधीजी ने वर्धा में आरएसएस शिविर का दौरा किया, वहां स्वयंसेवकों के कठोर अनुशासन, सादगी से कार्यों को करते हुए देखा, छुआ-छूत की अनुपस्थिति से वे बहुत प्रभावित हुए। यह तथ्य उनके साप्ताहिक पत्र 'हरिजन' में प्रकाशित हुआ था। आजादी के समय जब भारत और पाकिस्तान का विभाजन हुआ, तो लोग विस्थापित हुए। हिंसा के दौरान कई लोगों की हत्या हुई और कई लोग घायल हुए। उन घायलों की सेवा, बिना भेदभाव शवों के अंतिम संस्कार, पीड़ितों को भोजन, चिकित्सा जैसे कार्यों को संघ के स्वयंसेवक पूरे मनोबल से कर रहे थे।

1947-48 में कबायली आक्रमण के दौरान शरणार्थियों को राहत कार्यों द्वारा मदद की गई। 1954 में स्वयंसेवकों ने दादरा और नागर हवेली को पुर्तगाली शासन से मुक्त कराने में अग्रणी भूमिका निभाई। पुर्तगाली सैनिकों की गोलाबारी में कई स्वयंसेवकों ने प्राण न्यौछावर किए। राष्ट्र के प्रति संघ के समर्पण को देखने के लिए केआर मलकानी द्वारा लिखित पुस्तक 'द आरएसएस स्टोरी' का अध्ययन किया जा सकता है।

आपातकाल के दौरान आरएसएस के हजारों स्वयंसेवकों ने सरकारी तानाशाही का विरोध खुलकर किया। कुछ कार्यकर्ता भूमिगत रहते हुए जनता के बीच प्रेस के माध्यम से अखबारों, पत्रिकाओं और पर्चों के जरिए सूचना का प्रचार-प्रसार करते थे। 'द इकॉनॉमिक' ने लिखा था कि इस आंदोलन की मुख्य ताकत जनसंघ और उससे जुड़े संगठन आरएसएस है, जो कि सदैव लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रति संकल्पित है।

अगस्त 1967 में हिंदी दैनिक हिन्दुस्तान में प्रकाशित एक साक्षात्कार में प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी अरुणा आसफ अली ने बताया कि मैंने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान अंग्रेजों से छिपने के लिए आरएसएस के दिल्ली संघचालक लाल हंसराज गुप्ता के घर शरण ली थी, जहां उन्होंने लगभग 15 दिनों तक उन्हें गोपनीय तरीके से रखा। वहां पर लालजी ने मेरी सुरक्षा का पूरा प्रबंध कर रखा था। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि किसी को भी मेरे उनके घर पर रहने की जानकारी न मिले। स्वाधीनता संग्राम में आरएसएस के स्वयंसेवकों की भूमिका और समर्पण को लेकर माणिक चंद्र वाजपेयी और श्रीधर पराडकर ने अपनी पुस्तक 'ज्योति जला निज प्राण की' में विस्तार से चित्रण किया है।

वर्तमान में आयोजित यह शताब्दी वर्ष कार्यक्रम छह सरसंघचालकों की साधना का प्रतिफल है। इसमें प्रथम सरसंघचालक एवं संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार हैं। माधव सदाशिव गोलवलकर द्वितीय सरसंघचालक हैं, जो गुरुजी के नाम से प्रसिद्ध हैं। उन्हें संघ के प्रबल विस्तारण के रूप में जाना जाता है। वही अखंड भारत के स्वप्नदृष्टा थे। तृतीय सरसंघचालक मधुकर दत्तात्रय देवरस, जिन्हें आदरपूर्वक बालासाहेब देवरस भी कहा जाता है, सेवा कार्यों का एक नवीन आयाम स्थापित किया। चतुर्थ सरसंघचालक प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भैया पहले ऐसे सरसंघचालक थे, जिन्होंने विदेश जाकर आरएसएस का व्यापक विस्तार किया। पंचम सरसंघचालक सीतारमैया सुदर्शन स्वदेशी के कट्टर समर्थक तथा भारत की संप्रभुता और सुरक्षा के प्रति बड़े सजग व प्रबल पक्षधर थे।

छठे एवं वर्तमान सरसंघचालक मोहन भागवत के कार्यकाल में आरएसएस शताब्दी वर्ष मना रहा है। मोहन भागवत जी समरसता और समावेशी समाज के पक्षधर हैं, जो व्यक्ति को धार्मिक पहचान से कहीं ज्यादा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के रूप में देखते हैं। दिल्ली और बंगलौर के सम्मेलन में दिया गया, उनका यह कथन बहुत प्रभावशाली है कि धर्म व्यक्तिगत पसंद का विषय है। इसमें किसी तरह का प्रलोभन या जोर जबरदस्ती नहीं होनी चाहिए। उनका आग्रह देश-समाज के सभी वर्गों और पंथों को साथ लेकर चलने का है।

email: nusratfahad8@gmail.com

आमने सामने

मोदी जी के चित्र फाड़ने से कोई भागीरथ नहीं बन सकता। भाजपा सिर्फ एक नेशनल पार्टी नहीं, बल्कि विश्व का सबसे बड़ा संगठन है और इस तरह के कृत्य निंदनीय हैं। मेरे बारे में कोई कुछ भी कहे, लेकिन मेरे भाई का इन गतिविधियों से कोई लेना-देना नहीं है।

-डॉ. किरोड़ी लाल मीणा
कृषि मंत्री, राजस्थान

डाक बंगला किसी की बपौती नहीं है। न ही हमने वहां कोई पोस्टर हटाए। डाक बंगले की चाबी कहां रखी है? इसकी सूचना पहले ही दी जा चुकी थी। मैं खुद और दौसा सांसद डाक बंगला पहुंचे थे, लेकिन वहां ताला लगा मिला।

-डीसी बैरवा
कांग्रेस विधायक, राजस्थान

ब्रिक्स: कई बाधाएं हैं पाकिस्तान-तुर्किए की राह में

दिग्विजय सिंह
कानपुर

भारत का दुश्मन पाकिस्तान और तुर्किए 11 देशों के समूह ब्रिक्स में शामिल होने को बेकरार है, लेकिन उनका यह सपना पूरा होता नहीं दिखा रहा है। ब्रिक्स में फिलहाल ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया शामिल हैं। चीन चाहता है कि भारत इन देशों के समूह में शामिल होने की सहमति दे, लेकिन उसकी यह चाहत पूरी नहीं होगी, क्योंकि आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे पाकिस्तान और तुर्किए के लिए चीन चाहे जितना जोर लगा ले, बिना भारत की सहमति के वह सफल नहीं होगा। ब्रिक्स में किसी देश को तभी सदस्यता मिलती है, जब सभी देशों की सहमति हो। तुर्किए आमंत्रित सदस्य तो है, लेकिन पाकिस्तान को यह दर्जा भी नहीं मिला है। भारत शुरू से ही इन देशों की सदस्यता का विरोध करता आया है। भारत पहली जनवरी से ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालेगा।

तुर्किए नाटो व यूरोपीय संघ पर अपनी निर्भरता को घटाना चाहता है। उसने यूरोपीय संघ में शामिल होने का बहुत प्रयास किया, लेकिन उसे इसमें भी सफलता नहीं मिली। नाटो देशों के साथ भी उसके संबंध अच्छे नहीं हैं। नाटो के साथ तनावपूर्ण संबंधों और यूरोपीय संघ में शामिल होने की इच्छा की पूर्ति न होने की वजह से ही वह ब्रिक्स का सदस्य बनना चाहता है। ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका भी नहीं चाहते कि तुर्किए को इस ग्रुप की सदस्यता मिले। इन देशों के भारत में समर्थन की वजह से भी चीन परेशान है।

> आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे पाकिस्तान और तुर्किए के लिए चीन चाहे जितना जोर लगा ले, बिना भारत की सहमति के वह सफल नहीं होगा।

भारत, तुर्किए की हर कदम पर मदद करता रहा है। प्राकृतिक आपदाओं के समय सर्वाधिक मदद भारत की तरफ से ही की जाती रही है, लेकिन जब भी मौका आया तुर्किए भारत के विरोध में खड़ा हुआ। कश्मीर के मुद्दे पर तो संयुक्त राष्ट्र संघ हो या अन्य कोई मंच हर जगह उसने पाकिस्तान का पक्ष लिया। उसने न सिर्फ ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान का साथ दिया, बल्कि उसे हथियार भी मुहैया कराया। ऑपरेशन सिंदूर की निंदा करने वाले देशों में तुर्किए आगे था। अब तो वह बांग्लादेश में भी भारत विरोधी गतिविधियों को हवा देने में लगा है। वहां पर आईएसआई की उपस्थिति कराने में अहम भूमिका निभाई है।

बांग्लादेश और पाकिस्तान की बीच सुलह का सूत्रधार भी तुर्किए के राष्ट्रपति को ही माना जाता है। यही वजह है कि भारत तुर्किए की राह में दीवार बनकर खड़ा है। इससे पहले भी भारत के विरोध के कारण तुर्किए को सदस्यता नहीं मिली थी। रही बात पाकिस्तान की तो भारत के रहते पाकिस्तान इस समूह का सदस्य कभी नहीं बन पाएगा। पाकिस्तान ने इसके लिए चीन की शरण ली है, पर चीन कुछ नहीं कर सकता। भारत के हाथ ब्रिक्स की अध्यक्षता आने से पाकिस्तान और तुर्किए तो परेशान हैं हीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के माथे पर भी बल आ गया है, क्योंकि भारत को अध्यक्षता उस समय मिल रही है, जब ट्रंप की अपरिपक्व व कठोर नीतियों के कारण भारत, चीन और रूस एक साथ आ गए हैं।

ब्राजील भी इन देशों के साथ मजबूती से खड़ा है। ट्रंप के टैरिफ हथियार की धार कमजोर करने में ब्राजील ने अहम भूमिका निभाई है। ट्रंप को डर है कि कहीं ब्रिक्स देश डॉलर के मुकाबले अपनी मुद्रा न लांच कर दें। अगर मुद्रा लांच होगी, तो इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर बड़ी और करारी चोट होगी, हालांकि ब्रिक्स देशों ने नई मुद्रा लांच करने का कोई संकेत तो नहीं दिया है, लेकिन यह तय है कि समूह के सदस्य देश सौ प्रतिशत कारोबार डालर के बजाय खुद की मुद्रा में करने को राजी हैं। यह भी अमेरिका के लिए किसी झटके से कम नहीं होगा।

ब्रिक्स में शामिल देश कृषि क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने में जुटे हैं। खाद्य सुरक्षा को वैश्विक दक्षिण के लिए एक रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में मान्यता दे रहे हैं। कृषि व्यापार, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, जलवायु-अनुकूल खेती और मूल्य श्रृंखला विकास में साझेदारी का विस्तार कर रहे हैं। ये कवायद अमेरिका को चुभ रही है। यही वजह है कि ट्रंप लगातार इन देशों पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दे रहे हैं, हालांकि उनकी धमकी से 11 देशों वाले ब्रिक्स समूह को कोई फर्क पड़ता नजर नहीं आ रहा है।

अगस्त में ही भारत ने अमेरिकी डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया था। भारत द्वारा जारी आधिकारिक परिपत्र के तहत ब्रिक्स देशों को वह अपना 100% व्यापार भारतीय रुपये में करेगा। यह फैसला अमेरिका के लिए झटका था। बेलारूस, कजाकिस्तान, मलेशिया, थाईलैंड, सऊदी अरब और बांग्लादेश भी चाहते हैं कि उन्हें ब्रिक्स की सदस्यता मिले। भारत ने बेलारूस, कजाकिस्तान, मलेशिया, थाईलैंड, सऊदी अरब की सदस्यता का विरोध नहीं किया है। अन्य देश भी इन देशों की सदस्यता को लेकर कोई विरोध नहीं कर रहे हैं। ऐसे में यह उम्मीद है कि पाकिस्तान और तुर्किए को छोड़ अन्य देशों को सदस्यता मिल सकती है।

सोशल फोरम

फिनलैंड की पूर्व राष्ट्रपति क्यों बनीं 'बेघर'

कलम रंगदार
ब्लॉगर

वह न तो कोई भिखारिन हैं और न ही कोई ऐसी शरणार्थी, जिसकी ज़िंदगी पूरी तरह बिखर चुकी हो। वह तार्या हालोनेन हैं- फिनलैंड की राष्ट्रपति, जिन्होंने 2000 से 2012 तक देश का नेतृत्व किया।

उनके राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान फिनलैंड दुनिया के सबसे बेहतरीन देशों में शामिल हो गया। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और बुनियादी ढांचे के मामले में। फ़िनिश कंपनियां भी खूब फली-फूलीं। नोकिया, वार्त्सिला और सून्टो जैसे बड़े नाम लगातार सफल होते रहे। सिर्फ़ 55 लाख की आबादी और कड़ाके की ठंड के बावजूद, फिनलैंड मज़बूती से आगे बढ़ता रहा।

इस तस्वीर में पूर्व राष्ट्रपति सेकेंड-हैंड कपड़े पहने हुए हैं और सड़क पर घंटों बैठी दिखाई देती हैं। बिलकुल किसी बेघर इंसान की तरह। उन्होंने ऐसा इसलिए किया ताकि वे खुद उस पीड़ा को महसूस कर सकें और दूसरों को भी गरीबों और शरणार्थियों की ज़िंदगी की कठिनाइयों को समझा सकें।

उन्होंने कहा, "मैं भी एक भिखारिन या शरणार्थी हो सकती थी, लेकिन किस्मत ने मुझे राष्ट्रपति बना दिया। यही वजह है कि जो लोग उतने खुशकिस्मत नहीं हो पाए, उनके लिए मेरे दिल में गहरी संवेदना है।"

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

चार साल में सड़क ने लील लीं 7.77 लाख जिंदगी

हाल ही में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने संसद में सड़क हादसों को लेकर जो कहा, वह केवल एक मंत्री का बयान नहीं था, बल्कि भावुक, विचलित और एक बेचैन इंसान की स्वीकारोक्ति भी थी कि सड़क हादसे ऐसी राष्ट्रीय त्रासदी है, जिसे हम ठीक से रोक नहीं पा रहे हैं। गडकरी का यह कहना कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सड़क दुर्घटनाओं को लेकर सवाल उठते हैं, तो उन्हें शर्मिंदगी महसूस होती है। इस मामले में केवल सरकार की नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक विफलता को प्रकट करती है।

सड़क हादसों के आंकड़े डराते हैं, लेकिन उनके पीछे छिपी मानवीय कहानियां उनसे भी ज्यादा डराती हैं। गडकरी ने जो जानकारी संसद में दी है, उसके अनुसार देश में हर साल लगभग 4.8 लाख सड़क दुर्घटनाओं होती हैं और इनमें 1.8 लाख से ज्यादा लोग मारे जाते हैं। इसका मतलब है कि हर दिन लगभग 485 लोग घर से निकलते हैं और फिर कभी लौटकर नहीं आते। कोई पिता ऑफिस जाते हुए मर जाता है। कोई बेटा कॉलेज जाते वक्त दम तोड़ देता है, तो कोई मां सब्जी लेने सड़क पार करते हुए दुनिया को अलविदा कह जाती है। सड़क पर होने वाली हर मौत के साथ एक परिवार टूट जाता है।

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

वर्ष 2018 से 2022 के बीच सड़क हादसों में 7.77 लाख से अधिक लोगों की जान जाना केवल एक आंकड़ा नहीं है। यह 7.77 लाख अधूरे सपने और ऐसा दुःख है जो अक्सर चुपचाप सह लिया जाता है। वर्ष 2024 में हादसों की संख्या बढ़कर लगभग 1.80 लाख तक पहुंच जाना यह सवाल खड़ा करता है कि क्या इस दर्द का कोई अंत नहीं है। सबसे पीड़ादायक सच यह है कि मरने वालों में सबसे बड़ी संख्या युवाओं की है। 18 से 34 वर्ष की उम्र में जब कोई अपने जीवन की दिशा तय कर रहा होता है और जब परिवार उससे उम्मीदें लगाए बैठा होता है, तब उसकी मौत का मतलब केवल एक व्यक्ति का मर जाना नहीं होता। सड़क हादसा सिर्फ उस एक व्यक्ति को नहीं मारता, वह पूरे परिवार का भविष्य छीन लेता है।

हम अक्सर हादसों के लिए तेज रफ्तार, लापरवाही, नशा आदि कारणों से ड्राइवर को दोष देते हैं। सही है हादसों के ये कारण भी हैं, लेकिन खराब सड़क डिजाइन, बिना संकेतक के बने कट, अंधे मोड़, अधूरी सर्विस लेन, कमजोर ट्रैफिक व्यवस्था भी हादसों के जिम्मेदार हैं। सिर्फ ड्राइवरों को दोष देने से सड़क हादसे नहीं रुकेंगे। जैसा कि केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री गडकरी ने कहा है, सड़क हादसों का सबसे बड़ा कारण अब भी लोगों की लापरवाही है। कई लोग आज भी हेलमेट पहनने से बचते हैं या फिर ट्रैफिक सिग्नल तोड़ते हैं, जबकि भारी जुर्माने का प्रावधान है। जब तक लोगों को सही ट्रेनिंग और जागरूकता नहीं मिलेगी, तब तक ये समस्या बनी रहेगी। हादसे रोकने के लिए हर कारण को दूर करने पर विचार करना होगा। हादसे के बाद मदद का समय पर नहीं पहुंचना भी हताहतों की तादाद बढ़ने का कारण है।। अगर सही समय पर इलाज मिल जाए तो कई जानें बच सकती हैं।

कई बार एंबुलेंस देर से पहुंचती है। लोग मदद करने से डरते हैं। अस्पतालों में व्यवस्था नहीं होती। कई लोग सड़क पर नहीं, बल्कि इलाज न मिलने से मर जाते हैं। हादसे रोकना केवल सरकार की नहीं, समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। लोग सीट बेल्ट नहीं लगाते। हेलमेट को बोझ समझते हैं। रेड लाइट तोड़ना सामान्य बात मानते हैं। जब तक सड़क सुरक्षा को हम अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं समझेंगे, तब तक कोई भी नीति पूरी तरह काम नहीं कर सकती। सड़क हादसे रोकने के लिए सामूहिक रूप से काम करना होगा। हर किसी को इसमें योगदान देने के लिए आगे आना चाहिए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

जौनपुर का शाही किला

ऐतिहासिक धरोहर, वास्तुकला की झलक

जौनपुर का शाही किला शहर से करीब दो किलोमीटर दूर गोमती नदी के किनारे शाही पुल के पास स्थित है। इस ऐतिहासिक किले का निर्माण फिरोज शाह तुगलक ने वर्ष 1362 में कराया था। यह वह समय था जब तुगलक वंश ने जौनपुर को एक मजबूत सैन्य व प्रशासनिक केंद्र का दर्जा दिया था। यह किला अपनी भव्यता और स्थापत्य कला के लिए मशहूर है। मुख्य द्वार के पास शौर्य का प्रतीक विजय स्तंभ, विशाल द्वार और मेहराब देखने लायक हैं। किले से गोमती नदी का मनोरम दृश्य देखा जा सकता है। जौनपुर की विरासत को दर्शाने के साथ शाही किला इतिहास प्रेमियों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

-मनोज त्रिपाठी, कानपुर

शाही किला अपनी मजबूत दीवारों, ऊंचे दरवाजों और सुरक्षा की दृष्टि से तैयार की गई गहरी खाई के लिए जाना जाता है। किले का मुख्य द्वार काफी बड़ा और नक्काशीदार है। प्रवेश द्वार की ऊंचाई 36 फुट है, इसके उपर एक विशाल गुंबद बना है। किले के भीतर का गेट 26.5 फुट ऊंचा और 16 फुट चौड़ा है। कभी किले के भीतर कई महल, बावड़ियां और खूबसूरत इमारतें थीं, लेकिन वर्तमान में कुछ ज्यादा नहीं बचा है। किले के भीतर एक मस्जिद और एक तुर्की हम्माम ही केवल दो प्रमुख संरचनाएं बची हैं। परिसर में एक दरगाह के साथ एक गेट जैसी संरचना भी है। हम्माम पर बने ऊंचे,नीचे गुंबद बहुत सुंदर ढंग से बनाए गए हैं। वर्तमान में किला एक संरक्षित इमारत है।

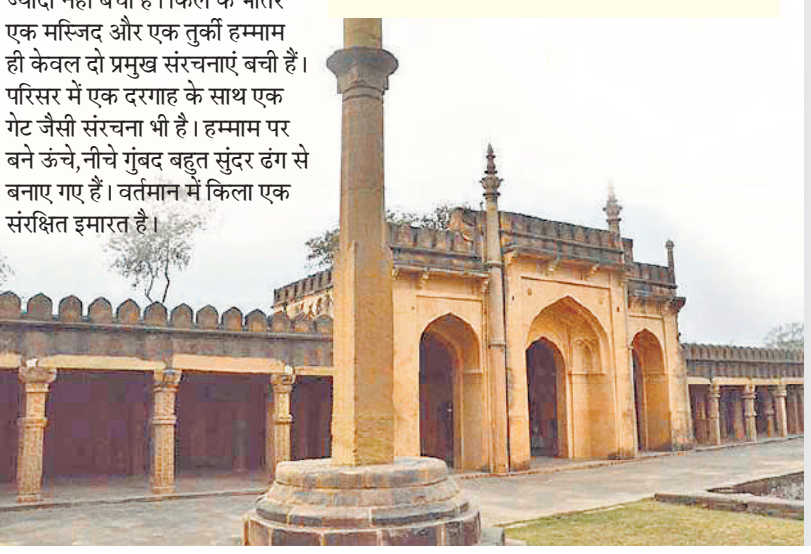

राठौर राजाओं के मंदिरों और महलों की सामग्री का प्रयोग

शाही किला को कन्नौज के राठौर राजाओं के मंदिरों और महलों की सामग्री का उपयोग करके बनाया गया था। इस किले को अनेक शासकों द्वारा कई बार नष्ट किया गया। मुगल साम्राज्य के शासन के दौरान किले का व्यापक जीर्णोद्धार और मरम्मत की गई। इसकी वजह किले का सामरिक रूप में महत्वपूर्ण होना था। बाद में यह किला अवध के नवाबों के अधीन रहा, लेकिन ब्रिटिश शासन के समय इसकी स्थिति कमजोर होती गई।

पत्थर की दीवारों से घिरा एक अनियमित चतुर्भुज

पूर्व में इसे केरार कोट किला कहते थे। किले का लेआउट पत्थर की दीवारों से घिरा एक अनियमित चतुर्भुज है। दीवारें उभरी हुई मिट्टी की दीवारों से घिरी हुई है। हालांकि मूल संरचनाओं के अधिकांश अवशेष खंडहर हालत में हैं या दफन हो चुके हैं। मुख्य द्वार पूर्व की ओर है। सबसे बड़ा आंतरिक द्वार 14 मीटर ऊंचा है। इसकी बाहरी सतह अशलर पत्थर से बनी है।

बाहरी दीवारों पर सजावटी आले, मेहराबों के बीच नीले-पीले पत्थर

16 वीं शताब्दी में जौनपुर के गवर्नर मिनम खान के संरक्षण में मुगल सम्राट अकबर के शासनकाल के दौरान एक और बाहरी द्वार स्थापित किया गया था। इसे एक बगल की बुर्ज के आकार में डिजाइन किया गया है। बाहरी द्वार के मेहराबों के बीच के स्पैन्ड्रेल या रिक्त स्थान को नीले और पीले रंग के पत्थरों से सजाया गया था। बाहरी द्वार की दीवारों में सजावटी आले बनाए गए हैं। किले की संरचना में स्थापित गुंबदों के शीर्ष पर खुलने के कारण प्रकाश अंदर आता है।

तुर्की शैली का हम्माम, मस्जिद निर्माण में हिंदू और बौद्ध शिल्प

किले के भीतर आदर्श तुर्की शैली का एक स्नानघर है, जिसे आमतौर पर हम्माम या भूलभुलैया के नाम से जाना जाता है। हम्माम आंशिक रूप से भूमिगत बना हुआ है, जिसमें इनलेट और आउटलेट चैनल, गर्म और ठंडा पानी और इसी तरह की अन्य सुविधाएं हैं। भीतर एक मस्जिद भी है। इब्राहिम बरबक द्वारा बनवाई गई इस मस्जिद के निर्माण में हिंदू एवं बौद्ध शिल्प कला की छाप साफ दिखाई पड़ती है। इसे जौनपुर शहर की सबसे पुरानी इमारत गिना जाता है। इसके बगल में 12 मीटर ऊंचा पत्थर का स्तंभ है, जिस पर एक फारसी शिलालेख खुदा हुआ है, जो मस्जिद के निर्माण की कहानी बताता है। मस्जिद में तिहरे मेहराब हैं और इसके ऊपर तीन निचले केंद्रीय गुंबद हैं।

रंग-तरंग

खामोश पत्थरों में उतरता संगीत

इतिहास की किताबों में दर्ज कई इमारतें समय के साथ खामोश हो जाती हैं, लेकिन हैदराबाद के सिकंदराबाद स्थित 300 साल पुरानी बंसीलालपेट बावड़ी आज फिर से सांस ले रही है। कभी उपेक्षित और गुमनामी में डूबी यह ऐतिहासिक जल संरचना अब संगीत और कला के जरिए शहर की एक जीवंत सांस्कृतिक पहचान बन चुकी है। 'टैंगी सेशंस' नामक समूह की पहल ने इस बावड़ी को हर वीकेंड एक अनोखे सांस्कृतिक मंच में बदल दिया है। आम दिनों में शांत रहने वाली नक्काशीदार पत्थर की सीढ़ियां शनिवार और रविवार की शाम रोशनी से जगमगा उठती है। शाम 5:45 से रात 8 बजे तक ढलते सूरज की सुनहरी किरणें, बावड़ी की गहराई से आती ठंडी हवा और पानी में पड़ती रोशनी का

प्रतिबिंब मिलकर एक जादुई माहौल रचते हैं। दीवारों से टकराती संगीत की लहरें दर्शकों को इतिहास और वर्तमान के बीच एक रूहानी यात्रा पर ले जाती हैं। टैंगी सेशंस के संस्थापक अर्जुन का मानना है कि विरासत को सहेजने के लिए केवल ढांचे का संरक्षण पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे जीवंत बनाए रखना जरूरी है। उनके अनुसार, जब लोग बार-बार ऐसे स्थलों पर सांस्कृतिक अनुभव के लिए आते हैं, तो वे केवल दर्शक नहीं रहते, बल्कि उस विरासत के संरक्षक बन जाते हैं। यह पहल दर्शाती है कि कला और संगीत पुराने स्मारकों को नई पीढ़ी से जोड़ने का सशक्त माध्यम बन सकते हैं। बंसीलालपेट बावड़ी आज सिर्फ एक ऐतिहासिक स्थल नहीं, बल्कि हैदराबाद की सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक बन चुकी है।

यहां होने वाले कार्यक्रमों की सूची काफी विविधतापूर्ण है। इसमें लोक संगीत, सूफी गायन, कविता पाठ, मुशायरे, थिएटर और आधुनिक रैप सेशंस भी शामिल होते हैं। आयोजक ध्वनि के स्तर (Acoustics) का विशेष ध्यान रखते हैं ताकि संगीत बावड़ी की गरिमा और शांति के साथ मेल खाए। अब तक यहां सूफी गायकों से लेकर वायलिन वादक अभिजीत गुरजले जैसे कलाकार अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं। स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ राहत इंदोरी और संजीता भट्टाचार्य जैसे नामचीन सितारे भी यहां शिरकत कर चुके हैं।

आर्ट गैलरी

क्लाउड मोनेट की 'Bridge over a Pond of Water Lilies'

'वॉटर लिली के तालाब पर पुल' क्लाउड मोनेट की 1899 की मशहूर इंप्रेशनिस्ट ऑयल पेंटिंग है। इसमें फ्रांस के गिवर्नी में उनके वॉटर लिली गार्डन के ऊपर बनाया गया जापानी-स्टाइल का लकड़ी का पैदल पुल दिखाया गया है। इसमें चमकीले हरे, नीले और गुलाबी रंगों को एक्सप्रेसिव ब्रशस्ट्रोक के साथ इस्तेमाल किया गया है। यह पेंटिंग न्यूयार्क के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट के कलेक्शन का हिस्सा है।

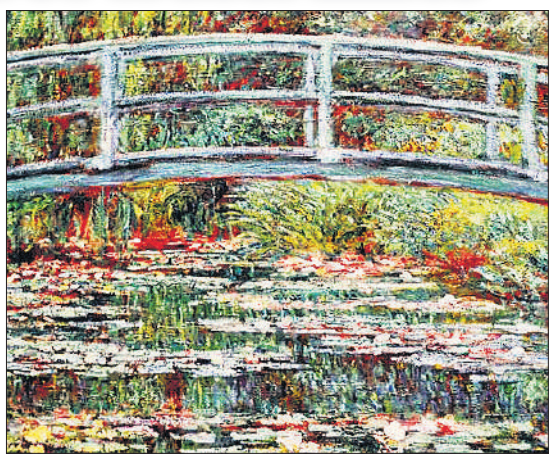

क्लाउड मोनेट के बारे में

ऑस्कर-क्लाउड मोनेट फ्रांसीसी चित्रकार थे। वह फ्रेंच इंप्रेशनिस्ट पेंटिंग के संस्थापक भी रहे। उनके पिता एडोल्फ मोनेट किराना व्यापारी थे। सबसे बड़े बेटे क्लाउड जब पांच बरस के थे, तो परिवार नॉर्मंडी तट पर ले हावरे के पास चला गया। उनका ज्यादातर समय समुद्र तटों पर बीता। यहीं से प्रकृति के प्रति उनकी नई सोच का जन्म हुआ। 15 साल की उम्र तक, मोनेट ने ले हावरे के कई स्थानीय लोगों के चारकोल कैरिकेचर बनाकर अपना नाम कमा लिया था। ये चित्र, जिन्हें वह 10-20 फ्रैंक में बेचते थे, उन पर 'ओ. मोनेट' के सिग्नेचर थे। वह इंप्रेशनिस्ट दर्शन के सबसे सुसंगत कलाकार थे। खासकर खुले आसमान के नीचे लैंडस्केप पेंटिंग के मामले में। 'इंप्रेशनिज्म' शब्द उनकी पेंटिंग इंप्रेशन, (इंप्रेशन, सनराइज) के शीर्षक से लिया गया है, जिसे 1874 में मोनेट और उनके सहयोगियों द्वारा सैलून डी पेरिस के विकल्प के रूप में आयोजित पहली स्वतंत्र प्रदर्शनियों में प्रदर्शित किया था। 1883 से, मोनेट गिवर्नी में रहते थे, जहां उन्होंने एक घर और प्रॉपर्टी खरीदी और एक बड़ा लैंडस्केपिंग प्रोजेक्ट शुरू किया, जिसमें लिली के तालाब शामिल थे, जो उनके सबसे मशहूर कामों का विषय बने। उन्होंने 1899 में वॉटर लिलीज की पेंटिंग बनाना शुरू किया, पहले जापानी पुल को मेन सब्जेक्ट बनाकर वर्टिकल व्यू में और बाद में बड़ी-बड़ी पेंटिंग्स की सीरीज में, जिसमें वह अपनी जिंदगी के अगले 20 साल लगातार व्यस्त रहे। मोनेट का निधन 5 दिसंबर, 1926 को 86 साल की उम्र में फेफड़ों की बीमारी से हुआ। उनकी इच्छा के अनुसार, उनका अंतिम संस्कार छोटा और सादा रहा।

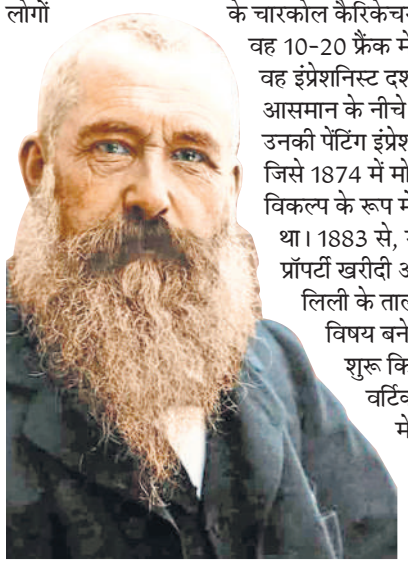

परंपराएं दुनिया की

रोमानिया की अनोखी परंपरा

नए साल का जश्न दुनियाभर में अलग-अलग अंदाज में मनाया जाता है। कहीं केक काटे जाते हैं, कहीं आतिशबाजी होती है, तो कहीं संगीत और नृत्य के साथ नए साल का स्वागत किया जाता है, लेकिन रोमानिया में नए साल का जश्न एक बिल्कुल अलग और अनोखी परंपरा के साथ मनाया जाता है, जिसे देखकर कोई भी हैरान रह जाए।

यहां लोग नए साल के अवसर पर भालुओं जैसी भारी-भरकम पोशाकें पहनकर सड़कों पर उतरते हैं और पारंपरिक नृत्य करते हैं। इस परंपरा को 'डांस ऑफ द बेयर' कहा जाता है, जो सदियों पुरानी लोक मान्यताओं से जुड़ी हुई है। माना जाता है कि भालू शक्ति, साहस और संरक्षण का प्रतीक होता है। भालू का यह नृत्य बुरी आत्माओं को दूर भगाने और आने वाले साल के लिए धरती को उपजाऊ व समृद्ध बनाने में सहायक माना जाता है। नृत्य के दौरान ढोल-नगाड़ों की तेज धुनें, रंग-बिरंगी वेशभूषा और सामूहिक उत्साह पूरे माहौल को जीवंत बना देते हैं। यह परंपरा न सिर्फ आस्था का प्रतीक है, बल्कि रोमानिया की सांस्कृतिक विरासत और लोक जीवन की गहराई को भी दर्शाती है।

फड़ चित्रकला: लोकआस्था की जीवंत परंपरा

फड़ चित्रकला राजस्थान की एक दुर्लभ और ऐतिहासिक लोककला है, जिसकी परंपरा लगभग 700 वर्षों से एक ही वंश में पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही है। इसकी उत्पत्ति राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के पास स्थित शाहपुरा क्षेत्र में मानी जाती है। फड़ वस्तुत: एक विशाल स्क्रॉल पेंटिंग होती है, जिसमें स्थानीय देवी-देवताओं और लोकनायकों की विस्तृत धार्मिक कथाएं चित्रित की जाती हैं। इन चित्रों को चलती-फिरती या 'मोबाइल मंदिर' के रूप में देखा जाता था। रबारी जनजाति के पुजारी-गायक, जिन्हें भोपा और भोपी कहा जाता है, इन्हें अपने साथ गांव-गांव ले जाते थे।

लोकायन

रबारी जनजाति देवनारायणजी (विष्णु के अवतार) और लोकनायक पाबूजी की वीर गाथाओं को गायन और कथा-प्रस्तुति के माध्यम से जीवंत करते थे। सूर्यास्त के बाद फड़ को खोला जाता था और यह प्रस्तुति पूरी रात चलती रहती थी। स्थानीय बोली में 'फड़' का अर्थ 'मोड़ना' होता है, जो इस कला के स्वरूप को भी दर्शाता है। फड़ चित्रकला अत्यंत श्रमसाध्य और अनुशासनबद्ध प्रक्रिया से बनती है। इसे हाथ से बुने मोटे सूती कपड़े पर बनाया जाता है, जिसे पहले रातभर भिगोया जाता है ताकि धागे मजबूत हो सकें। इसके बाद चावल या गेहूं के आटे से बने स्टार्च से कपड़े को कड़ा किया जाता है, धूप में सुखाया जाता है और मूनस्टोन से रगड़कर सतह को चिकना व चमकदार बनाया जाता है।

इस कला की एक विशेषता इसका पूर्णतः प्राकृतिक होना है। रंग पत्थरों, फूलों, पौधों और जड़ी-बूटियों से तैयार किए जाते हैं। कलाकार इन्हें स्वयं बनाते हैं और गोंद व पानी के साथ मिलाकर कपड़े पर प्रयोग करते हैं। फड़ चित्रकला में पीला, नारंगी, हरा, भूरा, लाल, नीला और काला रंग प्रमुख रूप से दिखाई देते हैं। प्रत्येक रंग का प्रतीकात्मक उपयोग होता है- पीला प्रारंभिक रेखांकन और आभूषणों के लिए, नारंगी शरीर के अंगों के लिए, हरा वनस्पति के लिए, भूरा वास्तु संरचनाओं के लिए, लाल शाही वस्त्रों और सीमाओं के लिए, नीला जल व पर्दों के लिए, जबकि काला रंग अंत में रूपरेखा उभारने के लिए प्रयोग किया जाता है। इतनी सख्त पारंपरिक सीमाओं के कारण यह कला एक समय लुप्त होने की कगार पर पहुंच गई थी। ऐसे में प्रसिद्ध फड़ चित्रकार और पद्मश्री से सम्मानित श्री लाल जी जोशी ने 1960 में भीलवाड़ा में जोशी कला कुंज की स्थापना कर इस परंपरा को नया जीवन दिया। उन्होंने पहली बार परिवार के बाहर के कलाकारों को भी फड़ कला सिखाने का साहसिक कदम उठाया। उनके पुत्र गोपाल और कल्याण जोशी के नेतृत्व में यह प्रयास और विस्तृत हुआ और 1990 में इस संस्थान का नाम चित्रशाला रखा गया। आज तक चित्रशाला में 3,000 से अधिक कलाकार प्रशिक्षित हो चुके हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल कला को जीवित रखना नहीं, बल्कि उसकी पारंपरिक तकनीकों और प्राकृतिक रंगों की जटिल प्रक्रियाओं को भी संरक्षित करना रहा है। फड़ चित्रकला केवल दृश्य सौंदर्य की कला नहीं, बल्कि सदियों पुरानी लोककथाओं, आस्था और सांस्कृतिक स्मृति का जीवंत दस्तावेज है। आधुनिक समय में ऐसी कलात्मक विरासतों को बढ़ावा देना आवश्यक है, क्योंकि यही भारत की लोकसंस्कृति और ऐतिहासिक चेतना को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाती हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,675.08	25,938.85
गिरावट	20.46	3.25
प्रतिशत में	0.02	0.01

सोना 1,39,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,41,000 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, बुधवार, 31 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

ब्लिंकिट के सीएफओ विपिन ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। इटर्नल के स्वामित्व वाली त्वरित वाणिज्य कंपनी ब्लिंकट के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) विपिन कपूरिया ने इस्तीफा दे दिया है। घटनाक्रम से परिचित लोगों ने बताया कि कपूरिया ब्लिंकट से अलग हो गए हैं। हालांकि, इस संबंध में ब्लिंकट या उसकी मूल कंपनी इटर्नल की ओर से कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया। कपूरिया फ्लिपकार्ट के पूर्व कार्यकारी रह चुके हैं और एक साल पहले की ब्लिंकट के साथ जुड़े थे। कपूरिया ने ऐसे समय में इस्तीफा दिया है जब भारत के ई-कॉमर्स क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है और कंपनी की प्रतिद्वंद्वी जेप्टो ने आईपीओ के माध्यम से 11,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए सेबी के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए हैं।

एअर इंडिया : प्लेटिनम व गोल्ड किट में बदलाव

नई दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एअर इंडिया ने नए साल के मौके पर अपने गोल्ड और प्लेटिनम किटों में बदलाव की घोषणा की है। जो यात्री गोल्ड और प्लेटिनम स्टेटस के लिए योग्यता हासिल करते हैं, उन्हें यात्रा के दौरान ये किट प्रदान किए जाते हैं। महाराजा क्लब प्लेटिनम वेलकम किट में एक लेदर फोलियो, सदस्यता कार्ड, फ्रिज मैगनेट, विशेष तौर पर तैयार दो लगेज टैग, पासपोर्ट होल्डर, विशेष ताश के पत्ते और स्मारक पीतल का मेडल प्रदान किया जाएगा। महाराजा क्लब गोल्ड वेल्कम किट में सदस्यता कार्ड, विशेष तौर पर तैयार दो लगेज टैग और एक्रिलिक टी कोस्टर होगा।

डॉलर के मुकाबले रुपया 23 पैसे मजबूत

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया मंगलवार को 23 .25 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 89 .75 रुपये का बोला गया। इससे पहले लगातार तीन दिन भारतीय मुद्रा कमजोर हुई थी। सोमवार को यह आठ पैसे टूटकर 89 .9825 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपया मंगलवार को 89 .98 रुपये प्रति डॉलर पर लगभग स्थिर खुला और इसके बाद लगातार मजबूत हुआ। यह ऊपर 89 .73 रुपये प्रति डॉलर तक गया और अंत में 89 .75 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बैंकों की डॉलर बिकवाली से रुपया मजबूत हुआ है।

अश्लील और गैरकानूनी सामग्री पर कार्रवाई करें वर्ना भुगतने पड़ेंगे नतीजे

केंद्र ने ऑनलाइन मंचों और सोशल मीडिया कंपनियों को जारी की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र ने ऑनलाइन मंचों विशेषकर सोशल मीडिया कंपनियों को आगाह किया कि यदि वे अश्लील, अभद्र, बाल यौन शोषण से जुड़ी और अन्य प्रकार की गैरकानूनी सामग्री पर कार्रवाई करने में विफल रहते हैं तो उन्हें कानूनी परिणामों का सामना करना पड़ेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 29 दिसंबर 2025 को जारी चेतावनी में सोशल मीडिया कंपनियों से अपने अनुपालन ढांचे की तत्काल समीक्षा करने और अपने मंच पर अश्लील एवं गैरकानूनी सामग्री के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है। साथ ही कहा कि ऐसा करने में विफल रहने पर उन्हें देश के कानून के तहत मुकदमे का सामना करना पड़ सकता है।

केंद्र सरकार की ओर से कहा गया है कि सोशल मीडिया मध्यस्थों सहित मध्यस्थों को याद दिलाया जाता है कि वे सूचना प्रौद्योगिकी

अधिनियम की धारा 79 के तहत वैधानिक रूप से बाध्य हैं कि वे अपने मंचों पर या उनके माध्यम से अपलोड, प्रकाशित, होस्ट, साझा या प्रसारित की गई तृतीय-पक्ष की जानकारी के संबंध में दायित्व से छूट प्राप्त करने की शर्त के रूप में उचित सावधानी बरतें। यह चेतावनी ऐसे समय जारी की गई है कि जब इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने यह पाया कि सोशल मीडिया मंच अश्लील, भद्दी, अनुचित और गैरकानूनी सामग्री पर सख्ती से कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। केंद्र ने दोहराया है कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और/या सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 के प्रावधानों का पालन नहीं करने पर मध्यस्थों, मंचों तथा उनके उपयोगकर्ताओं के खिलाफ आईटी अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और अन्य लागू आपराधिक कानूनों के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों को आईटी अधिनियम व आईटी नियम, 2021 के उन प्रावधानों की भी याद दिलाई है जिनके तहत ऑनलाइन मंचों को यह सुनिश्चित करने के लिए यथोचित प्रयास करने होते हैं कि उनके कंप्यूटर संसाधनों का उपयोग करने वाले लोग ऐसी कोई जानकारी होस्ट, प्रदर्शित, अपलोड, संशोधित, प्रकाशित, प्रसारित, संग्रहित, अद्यतन या साझा न करें जो अश्लील (पोर्नोग्राफिक), बाल यौन शोषण से जुड़ी (पीडोफिलिक), बच्चों के लिए हानिकारक या अन्यथा गैरकानूनी हो। मंत्रालय ने कहा कि उसके संज्ञान में यह आया है कि मध्यस्थों द्वारा उचित परिश्रम संबंधी दायित्वों के पालन में अधिक निरंतरता एवं सख्ती की आवश्यकता है।

तय समय के भीतर हटाएं गैरकानूनी सामग्री

आईटी मंत्रालय ने मध्यस्थों से कहा कि वे अदालत के आदेश या उपयुक्त सरकार या उसकी अधिकृत एजेंसी से प्राप्त सूचना पर गैरकानूनी सामग्री को तुरंत हटाएं या उस तक पहुंच निष्क्रिय करें। यह कार्रवाई आईटी नियम, 2021 में निर्धारित समयसीमा के भीतर सख्ती से की जाए। आईटी नियम, 2021 के तहत अनिवार्य है कि यदि किसी व्यक्ति की ओर से शिकायत की जाती है और सामग्री प्रथमदृष्टया किसी को यौन कृत्य या आचरण में दर्शाती है या उसका प्रतिरूपण है तो मध्यस्थ 24 घंटे के भीतर ऐसी सामग्री को हटाएं या उस तक पहुंच निष्क्रिय करें। ऑनलाइन मंचों से अपने आंतरिक अनुपालन ढांचे, सामग्री नियंत्रण प्रक्रियाओं और उपयोगकर्ता प्रवर्तन तंत्र की तत्काल समीक्षा करने तथा आईटी अधिनियम व आईटी नियम, 2021 के प्रावधानों का सख्त पालन सुनिश्चित करने को भी कहा गया है।

उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स-निफ्टी में मामूली गिरावट

मुंबई। विदेशों से मिले मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को प्रमुख सूचकांक दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद मामूली गिरावट के साथ बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 20.46 अंक (0.02%) गिरकर 84,675.08 अंक पर बंद हुआ। यह ऊपर 84,806.99 अंक और नीचे 84,470.94 अंक तक गया। एनएसई का निफ्टी-50 सूचकांक भी 3.25 अंक यानी 0.01 प्रतिशत टूटकर 25,938.85 अंक पर आ गया। मझौली और छोटी कंपनियों में बिकवाली ज्यादा देखी गई। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.22 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.28 फीसदी नीचे बंद हुआ। धातु, बैंकिंग और ऑटो सेक्टरों में लिवाली की जोर रहा। वहीं, रियलिटी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, रियलिटी, आईटी, रसायन और स्वास्थ्य समूहों में बिकवाली हावी रही।

भारत से रूस से कच्चे तेल का आयात घटा, 2022 के बाद सबसे निचला स्तर

नई दिल्ली, एजेंसी

- **नवंबर में 18.4 लाख बीपीडी था, दिसंबर में रह गया 12 लाख**

दिसंबर में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात तेजी से घट सकता है लेकिन यह गिरावट आपूर्ति स्रोतों में किसी संरचनात्मक बदलाव के बजाय अल्पकालिक बाधाओं की ओर इशारा करती है।

ताजा आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली कंपनी केप्लर के अनुसार दिसंबर में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात घटकर लगभग 12 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) रहने का अनुमान है, जो नवंबर में 18.4 लाख बीपीडी था। यह स्तर दिसंबर 2022 के बाद सबसे निचला होगा। भारतीय रिफाइनरी गैर-प्रतिबंधित इकाइयों से रूसी कच्चे तेल की खरीद जारी रखे हुए हैं। विश्लेषकों ने अक्टूबर में ही इस गिरावट की ओर इशारा किया था। ऐसा रूस के शीर्ष निर्यातकों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर अमेरिकी कार्रवाई तथा रूस से जुड़े उत्पाद प्रवाह पर यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के चलते हुआ।

केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, दिसंबर में भारत में रूसी कच्चे तेल की मांग तेजी से सुस्त हुई और आयात 2022 के बाद सबसे निचले स्तर पर आ गया है। प्रमुख रिफाइनरी ने रोसनेफ्ट और लुकोइल पर लगे प्रतिबंधों के बाद खरीद घटा दी है। यह एक अल्पावधि का समायोजन है और जनवरी से नए बिचौलियों के आने तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं के दोबारा स्थापित होने के साथ धीरे-धीरे सुधार की उम्मीद है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है और वह यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया था।

वित्तीय विवरण, वार्षिक रिटर्न दाखिल करने के लिए एक महीना और मिला

नई दिल्ली। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) ने मंगलवार को कंपनियों के लिए वित्तीय विवरण और वार्षिक रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा 31 जनवरी, 2026 तक बढ़ा दी। यह विस्तार कंपनी कानून के तहत वित्त वर्ष 2024-25 से संबंधित फाइलिंग के लिए दिया गया है। पहले यह समयसीमा 31 दिसंबर को समाप्त होने वाली थी।

मंत्रालय ने यह फैसला विभिन्न हितधारकों से मिले आवेदनों को ध्यान में रखते हुए लिया है। कई कंपनियों और पेशेवरों ने फाइलिंग प्रणाली से जुड़ी तकनीकी और प्रक्रियागत समस्याओं की ओर मंत्रालय का ध्यान दिलाया था। मंत्रालय ने एक परिपत्र में कहा, हितधारकों से मिले

- **कंपनियां अब 31 जनवरी तक दाखिल कर सकेंगी अपना वार्षिक रिटर्न**

आवेदनों को देखते हुए सक्षम प्राधिकारी ने यह निर्णय लिया है कि कंपनियों को वित्त वर्ष 2024-25 से संबंधित अपनी वार्षिक फाइलिंग 31 जनवरी 2026 तक बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के पूरी करने की अनुमति दी जाए। परिपत्र के अनुसार, अतिरिक्त शुल्क के बगैर दाखिल किए जा सकने वाले ई-फॉर्म में एमजीटी-7, एमजीटी-7ए, एओसी-4, एओसी-4 सीएफएस, एओसी-4 एनबीएफसी (इंड एएस), एओसी-4 सीएफएस एनबीएफसी (इंड एएस) और एओसी-4 (एक्सबीआरएल) शामिल हैं।

रिलायंस के लिए कार्यबल में दस गुना उत्पादकता बढ़ाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने रिलायंस एआई घोषणा पत्र का मसौदा पेश किया। इसमें समूह को एआई आधारित उन्नत प्रौद्योगिकी उद्यम बनाने की महत्वाकांक्षी योजना है। साथ ही छह लाख से अधिक कर्मचारियों की उत्पादकता में दस गुना सुधार करने तथा भारत की अर्थव्यवस्था पर 10 गुना प्रभाव डालने का लक्ष्य रखा गया है।

एआई को मानव इतिहास का सबसे प्रभावशाली तकनीकी विकास बताते हुए अंबानी ने कहा कि उनका समूह भारत की एआई क्रांति का नेतृत्व करना चाहता है, ठीक वैसे ही जैसे उसने डिजिटल रूपांतरण का किया था। समूह का संकल्प हर भारतीय के लिए आसानी से एआई उपलब्ध कराना है, जिसमें सुरक्षा, भरोसा और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए सभी व्यवसायों में एआई को गहराई से समाहित किया जाएगा।

पाइपलाइन शुल्क ढांचे में सुधार के बाद सीएनजी-पीएनजी कीमतें घटनी शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) की तरफ से पाइपलाइन शुल्क ढांचे में किए गए सुधार का सीधा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचने लगा है। शहरी गैस वितरक कंपनियों ने सीएनजी और घरों तक पाइप से पहुंचाई जाने वाली रसोई गैस की कीमतों में कटौती शुरू कर दी है।

पीएनजीआरबी ने 16 दिसंबर को प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों के लिए एक युक्तिसंगत और एकीकृत शुल्क ढांचे की घोषणा की थी। यह नया ढांचा एक जनवरी, 2026 से लागू होने वाला है। इस फैसले के बाद थिंक गैस कंपनी ने कई राज्यों में गैस कीमतें घटाने की घोषणा कर दी

- **आने वाले दिनों में कई शहरी गैस कंपनियां घटा सकती हैं कीमतें**

है और आने वाले दिनों में कई अन्य शहरी गैस वितरक कंपनियों के ऐसा करने की संभावना है। नियामक का कहना है कि नए ढांचे से गैस परिवहन प्रणाली अधिक सरल, न्यायसंगत और किफायती बनेगी। प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल बिजली उत्पादन, उर्वरक निर्माण, सीएनजी और घरेलू रसोई ईंधन के रूप में किया जाता है।

संशोधित शुल्क व्यवस्था के तहत दूरी आधारित शुल्क क्षेत्रों की संख्या तीन से घटाकर दो कर दी गई है। ये दो शुल्क क्षेत्र 300 किलोमीटर तक और उससे अधिक दूरी के हैं। सीएनजी और घरेलू पीएनजी उपभोक्ताओं के लिए अब पूरे देश में एकसमान, कम दर वाला जोन-1 शुल्क ही लागू होगा। यह दर लगभग 54 रुपये प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट है, चाहे गैस स्रोत की दूरी कुछ भी हो। इससे पहले लंबी दूरी वाली गैस पर अधिक शुल्क वसूला जाता था। शुल्क कटौती के बाद शहरी गैस वितरण से जुड़ी कंपनी थिंक गैस ने उत्तर प्रदेश, बिहार और पंजाब में सीएनजी की कीमतों में 2.50 रुपये प्रति किलोग्राम तक और घरेलू पीएनजी में लगभग तीन रुपये प्रति मानक घन मीटर की कटौती की घोषणा की है।

राष्ट्रीय

पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ नस्ली हिंसा पर दायर की जनहित याचिका

हिंसा रोकने में संवैधानिक विफलता का आरोप, न्यायिक हस्तक्षेप का आग्रह

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्वोत्तर राज्यों और अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों के खिलाफ देश में नस्ली भेदभाव एवं हिंसा को रोकने न्यायिक हस्तक्षेप का आग्रह करते हुए उच्चतम न्यायालय में जनहित याचिका दायर की गई है। इसमें इस तरह की हिंसा रोकने में लगातार संवैधानिक विफलता का भी जिक्र किया गया है।

जनहित याचिका त्रिपुरा के 24 वर्षीय एमबीए छात्र एंजेल चकमा की हत्या के मद्देनजर 28 दिसंबर को दायर की गई थी। चकमा की 27 दिसंबर को देहरादून के सेलाक्वी क्षेत्र में नस्ली हमले में लगी गंभीर चोटों के कारण मृत्यु हो गई थी। उनाकोटी जिले के मचमारा के रहने वाले चकमा अगरतला के होली क्रॉस स्कूल से स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद एमबीए करने के लिए देहरादून गए थे, जहां उसके छोटे भाई माइकल की मौजूदगी में चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी गई। चकमा के परिजन इस घटना में शामिल सभी आरोपियों के लिए मौत की सजा या कम से कम आजीवन कारावास की मांग कर रहे हैं।

हम भारतीय हैं, इसे साबित करने के लिए हमें आपको कौन सा प्रमाणपत्र दिखाना चाहिए। टकराव के क्रूर हिंसा में बदलने से पहले ये शब्द बेहद दुखद रूप से एंजेल चकमा के संवैधानिक नागरिकता के बारे में आखिरी दर्ज बयान बन गए। - **याचिका**

कामकाज में सुगमता के लिए एसओपी जारी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है, जिसमें उसके समक्ष पेश होने वाले वकीलों की ओर से दलीलों और लिखित निवेदन प्रस्तुत करने के लिए समयसीमा निर्धारित की गई है। यह कदम न्यायालय के कामकाज में सुगमता और न्याय मुहैया कराने की व्यवस्था में तेजी लाने के लिए उठाया गया है। सीजेआई सूर्यकांत और शीर्ष कोर्ट के अन्य न्यायाधीशों ने सोमवार को एक परिपत्र जारी किया, जिसमें सभी मामलों में मौखिक दलीलें प्रस्तुत करने की समयसीमा का पालन करने के लिए एसओपी तय की गई है। तत्काल प्रभाव से लागू इस एसओपी में कहा गया है, वरिष्ठ अधिवक्ता, दलील रखने वाले वकील और रिकॉर्ड पर मौजूद अधिवक्ता, नोटिस के बाद और नियमित सुनवाई वाले सभी मामलों में मौखिक बहस करने की समयसीमा सुनवाई शुरू होने से कम से कम एक दिन पहले प्रस्तुत करेंगे। यह समय-सीमा न्यायालय को 'एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड' (एओआर) को पहले से उपलब्ध कराए गए उपस्थिति पर्ची जमा करने के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत की जाएगी। कहा गया है कि वरिष्ठ अधिवक्ताओं सहित बहस करने वाले वकील, अपने एओआर या पीठ द्वारा नामित नोडल वकील के माध्यम से, सुनवाई की तारीख से कम से कम तीन दिन पहले दूसरे पक्ष को एक प्रति देने के बाद संक्षिप्त नोट या लिखित प्रस्तुति दाखिल करेंगे, जो पांच पृष्ठ से अधिक का नहीं होगा।

दिल्ली के वकील अनूप प्रकाश अवस्थी ने केंद्र सरकार और सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को जनहित याचिका में पक्षकार बनाया है। याचिका में कहा गया है, पूर्वोत्तर राज्यों और भारत के अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों के भारतीय नागरिकों के खिलाफ नस्ली भेदभाव और हिंसा के मुद्दे के समाधान के लिए न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की जाती है। याचिका में चकमा की मौत से संबंधित मीडिया की खबरों का भी हवाला दिया गया। इसमें कहा गया है, व्यापक दिशा-निर्देश तैयार करने, नस्ली अपमान को घृणा अपराधों की एक अलग श्रेणी के रूप में मान्यता देने और इसके लिए सजा निर्धारित करने के उद्देश्य से एक उपयुक्त रिट (कानून बनने तक अंतरिम) जारी की जाए।

याचिका में केंद्र और राज्यों को यह निर्देश देने का आग्रह किया गया कि वे केंद्रीय स्तर के साथ-साथ प्रत्येक राज्य के स्तर पर एक नोडल एजेंसी या स्थाई निकाय या आयोग या निदेशालय का गठन करें, जहां इस तरह के नस्ली अपराधों की रिपोर्ट की जा सके और उनका निवारण किया जा सके। याचिका में कहा गया है, केंद्रीय स्तर के साथ-साथ प्रत्येक राज्य के स्तर पर संबंधित पक्षों को निर्देश दिया जाए कि वे प्रत्येक जिले/महानगर में नस्ली अपराधों से निपटने के लिए एक समर्पित विशेष पुलिस इकाई का गठन करें। कहा गया है कि चकमा की हत्या कोई अलग-थलग घटना नहीं है, बल्कि यह पूर्वोत्तर राज्यों के नागरिकों के खिलाफ नस्ली दुर्व्यवहार और हिंसा के लंबे समय से चले आ रहे सिलसिले का हिस्सा है।

चकमा की हत्या की धीमी जांच पर त्रिपुरा सरकार में नाराजगी

अगरतला। त्रिपुरा सरकार ने देहरादून में नस्लीय हिंसा के शिकार हुए एंजेल चकमा के परिवार को एकमुश्त पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता की मंगलवार को घोषणा करते हुए कहा कि चकमा के परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। इस बीच त्रिपुरा सरकार में भाजपा की सहयोगी पार्टी टिपरा मोथी ने मामले की जांच में धीमी प्रगति पर नाराजगी भी जताई है।

त्रिपुरा सरकार में भाजपा की सहयोगी टिपरा मोथा के संस्थापक प्रद्योत किशोर देबबर्मन ने एंजेल की हत्या में शामिल भगोड़े को पकड़वाने में मदद

- **भाजपा की सहयोगी पार्टी टिपरा मोथा ने लगाया अपराध को कमतर आंकने का आरोप**
- **चकमा के परिवार को त्रिपुरा सरकार की ओर से पांच लाख रुपये देने की घोषणा**

करने वाले सूचना देने वालों को 10 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की। उत्तराखंड सरकार की ओर से भगोड़े की गिरफ्तारी के लिए 25,000 रुपये के इनाम की खबरों पर देबबर्मन ने जांच की गंभीरता पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, क्या एंजेल की जान की कीमत यही है। उन्होंने अधिकारियों से आदिवासी समुदायों के खिलाफ अपराधों को कमतर आंकने से बचने की अपील की।

एमबीए के 24 वर्षीय छात्र एंजेल और उनके छोटे भाई माइकल पर 9 दिसंबर को उत्तराखंड में देहरादून के सेलाकुई इलाके में कुछ लोगों ने चाकू से हमला किया था। एंजेल की उपचार के दौरान 26 दिसंबर को मौत हो गई, जबकि माइकल का इलाज चल रहा है। त्रिपुरा में छात्र संगठनों ने एंजेल और उनके भाई पर हुए नस्लीय हमले के खिलाफ प्रदर्शन जारी रखा है, जबकि उत्तराखंड पुलिस ने हमले में नस्लीय मकसद होने से इन्कार किया है।

चुनावी लाभ के लिए घुसपैठ को बढ़ावा दे रही हैं ममता बनर्जी : अमित शाह

कोलकाता, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार चुनावी लाभ के लिए बांग्लादेशी घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है जिससे पिछले कुछ वर्षों में राज्य की जनसांख्यिकी खतरनाक रूप से बदल गई है। कोलकाता में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग घुसपैठ को लेकर चिंतित हैं और भाजपा 2026 में राज्य में दो-तिहाई बहुमत से सत्ता में आने के बाद इसे समाप्त करेगी।

शाह ने कहा कि विधानसभा चुनाव अप्रैल में होंगे और देश से घुसपैठियों को बाहर निकालना मुख्य एजेंडा होगा। शाह ने घोषणा की कि बंगाल में घुसपैठ को समाप्त करने के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय ग्रिड स्थापित किया जाएगा। उन्होंने

- **केंद्रीय गृहमंत्री ने तृणमूल प्रमुख पर बंगाल की जनसांख्यिकी बदलने का लगाया आरोप**

कहा, इंसान छोड़ दीजिए, परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा, इस प्रकार की मजबूत ग्रिड की रचना हम करेंगे। शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आवश्यक भूमि उपलब्ध न कराए जाने के कारण केंद्र सरकार भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम पूरा नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी घुसपैठ रोकने में नाकाम रहने के लिए बीएसएफ को दोषी ठहराती हैं। मैं उनसे इस सार्वजनिक मंच से कह रहा हूं कि बांग्लादेश से सटे राज्यों में केवल यही राज्य सरकार है, जो सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन उपलब्ध नहीं कराती।

शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को यह जवाब देना होगा कि भाजपा शासित असम, त्रिपुरा या देश के पश्चिमी राज्यों जैसे राजस्थान और गुजरात के अलावा पंजाब और कश्मीर की तुलना में पश्चिम बंगाल में घुसपैठ की समस्या अधिक गंभीर क्यों है। उन्होंने कहा, ऐसा सिर्फ बंगाल में ही क्यों होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यहां आपकी सीधी निगरानी में घुसपैठ होती है, जिसके परिणामस्वरूप राज्य की जनसांख्यिकी में धीरे-धीरे लेकिन लगातार बदलाव होता है, जिससे आपका वोट बैंक मजबूत होता है।

कांग्रेस का आयोग पर एसआईआर पर यूटर्न का आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग पर एसआईआर को लेकर बार-बार यूटर्न लेने का आरोप लगाते हुए कहा कि आयोग को स्पष्ट करना चाहिए कि वह किस प्रक्रिया का पालन तथा किस एप का उपयोग कर रहा है।

पार्टी के लोकसभा सदस्य शशिकांत सेंथिल ने यह दावा भी किया कि आयोग ने बिहार में एसआईआर के दौरान डी-डुप्लीकेशन सॉफ्टवेयर का उपयोग बंद किया, लेकिन 12 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में फिर से शुरू कर दिया है। सेंथिल ने कहा, पहले डुप्लीकेट मतदाता की पहचान और उन्हें चिह्नित करने के लिए 'डी-डुप्लीकेशन सॉफ्टवेयर' का उपयोग किया जाता था। यदि कोई एक से अधिक बूथ या जिले में पंजीकृत पाया जाता है तो सॉफ्टवेयर इसे चिह्नित करता है, जिसके बाद बीएलओ निवास की जांच करने के लिए जमीनी सत्यापन करता है।

पांच महीने बाद भी धनखड़ को सरकारी आवास नहीं

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के पांच महीने बाद भी जगदीप धनखड़ को सरकारी आवास नहीं मिला है। अगस्त में धनखड़ ने केंद्र सरकार को सरकारी आवास के लिए एक पत्र भी लिखा था लेकिन उसका भी कोई नतीजा नहीं निकला।

- **अगस्त में आवास मंत्रालय को लिखे पत्र भी कोई कार्रवाई नहीं**

धनखड़ ने इस वर्ष संसद के मानसून सत्र के पहले दिन 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके कुछ हफ्तों बाद सितंबर में उन्होंने अपने आधिकारिक आवास 'उपराष्ट्रपति एन्क्लेव' को खाली कर दिया था और दक्षिण दिल्ली के छतरपुर इलाके में एक निजी फार्महाउस में चले गए थे। धनखड़ ने 22 अगस्त को आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के सचिव को पत्र लिखकर पूर्व उपराष्ट्रपतियों को प्राप्त होने वाले आधिकारिक आवास का अनुरोध किया था। धनखड़ के करीबी एक व्यक्ति ने कहा, इसके बाद भी अभी तक उन्हें वह आवास उपलब्ध नहीं कराया गया है, जिसके वह हकदार हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति होने के नाते धनखड़ लगभग दो लाख रुपये प्रति माह की पेंशन, टाइप-8 बंगला, एक निजी सचिव, एक अतिरिक्त निजी सचिव, एक निजी सहायक, एक चिकित्सक, एक नर्सिंग अधिकारी और चार निजी परिचारकों के हकदार हैं।

तृणमूल का जवाब, चुनाव में 50 का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाएगी भाजपा

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा के दो-तिहाई बहुमत हासिल किए जाने का उनका दावा हवा-हवाई है।

तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ब्रत्य बसु ने कहा कि चुनाव में भाजपा 50 सीट का आंकड़ा भी पार नहीं कर सकेगी और उसे शर्मनाक हार

- **कुलदीप सेंगर और बृजभूषण सिंह को संरक्षण देने वाले महिला सुरक्षा पर उपदेश न दें**

का सामना करना पड़ेगा। तृणमूल की वरिष्ठ नेता और मंत्री शशि पांजा ने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शाह की टिप्पणियों के जवाब में कहा, बिलकिस बानो के बलात्कारियों को आपकी पार्टी के कार्यकर्ता माला पहनाते हैं। आपकी पार्टी कुलदीप सेंगर और बृज भूषण को संरक्षण देती है जिन पर अत्याचार करने के आरोप लगे हैं। शाह को महिलाओं की सुरक्षा पर उपदेश नहीं देना चाहिए। पांजा ने शाह और भाजपा पर उस अपराजिता विधेयक को पारित होने में बाधा डालने का आरोप लगाया जिससे बलात्कारियों को दोषी पाए जाने के बाद नजीर बनने वाली सजा सुनिश्चित हो पाती।

जिया के कार्यकाल में भारत-बांग्लादेश के बीच संबंध रहे जटिल और तनावपूर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के दो पूर्व राजनयिकों ने कहा कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया का राजनीतिक उत्थान, उथल-पुथल भरे सैन्य शासन के बाद लोकतंत्र की पुनः स्थापना के प्रति देश की दृढ़ता का प्रतीक था और साथ ही उन्होंने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को भी मजबूती दी, जो उनके पति की मृत्यु के बाद पूरी तरह बिखरने के गंभीर खतरे का सामना कर रही थी।

उन्होंने यह भी कहा कि खालिदा जिया के कार्यकाल के दौरान भारत-बांग्लादेश संबंध जटिल और अक्सर तनावपूर्ण रहे, जिसका कारण पूर्वोत्तर भारत में उग्रवादियों

● बांग्लादेश में लोकतंत्र की बहाली में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

को कथित समर्थन और उन्हें बांग्लादेश में पनाह मिलना बताया गया। हालांकि सैन्य शासन के पश्चात उनकी देश में लोकतंत्र बहाली में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भारत की पूर्व उच्चायुक्त वीणा सिकरी ने कहा कि जिया के दूसरे कार्यकाल (2001-2006) के दौरान पाकिस्तान का प्रभाव काफी अधिक था और यह भारत के लिए बेहद कठिन समय था। पूर्व राजनयिक वेणु राजामोनी ने कहा कि जिया के शासन में भारत-बांग्लादेश संबंध जटिल और अक्सर तनावपूर्ण रहे।

पति की कब्र के बगल में होंगी सुपुर्द-ए-ख़ाक

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को बुधवार को सुपुर्द-ए-ख़ाक किया जाएगा और उन्हें उनके पति एवं पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की कब्र के बगल में दफन किया जाएगा। अंतरिम सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) की लंबे समय तक प्रमुख रहीं और तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकीं जिया का सुबह ढाका में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 80 वर्ष की थीं। विधि सलाहकार आसिफ नजरुल ने बताया कि जिया का अंतिम संस्कार बुधवार को जोहर की नमाज के बाद संसद के साउथ प्लाजा और उससे सटे मानिक मियां एवेन्यू में होगा।

आधुनिक अस्त्र शस्त्रों से लैस होगी सेना

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने अपनी तीनों सेनाओं को और सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया है। इसके लिए सेनाओं को नए और अत्याधुनिक हथियारों और युद्ध में सहायक उपकरणों से लैस किया जा रहा है जो नई युद्ध प्रणाली में कारगर साबित होंगी। हाल ही में सरकार ने 79 अरब रुपये के सैन्य साजो सामान की खरीद को मंजूरी दी है। जिसके तहत तोपखाना रेजिमेंट की क्षमता में इजाफा करने के लिए घातक ड्रोन, कम ऊंचाई पर उड़ने वाले वायुयानों और ड्रोन का पता लगाने के लिए लो लेवल रडार, रॉकेट लांचर, लंबी दूरी तक मार करने वाले गाइडेड रॉकेट और लंबी दूरी तक मार करने वाली एंटी ड्रोन प्रणाली मार्क-2 शामिल है। इनसे न केवल सेना को मजूबती मिलेगी वरन वैश्विक परिदृश्य में भारत की सामरिक ताकत में भी इजाफा होगा।

बढ़ेगी देश की ताकत

बड़े हथियार और रणनीतिक प्रणालियां

● रक्षा मंत्रालय ने जिन हथियार और प्रणालियों की खरीद के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। उसमें विशेष रूप से लॉइटर म्यूनिशन, लंबी दूरी के रॉकेट, उन्नत राडार और ड्रोन इंटरसेप्शन सिस्टम शामिल हैं, जिससे भारतीय सेना की युद्ध-क्षमता काफी मजबूत होगी। सेना के लिए क्लोज-क्वार्टर बैटल कार्बाइन जैसे आधुनिक छोटे हथियारों की खरीद भी तय हुई है, जो नजदीकी युद्ध और शहरी मुकाबलों में सैनिकों की प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ाएंगे। नौसेना के लिए हैवी-वेट टॉरपीडो की खरीद से समुद्री लड़ाकू क्षमता में इज़ाफा होगा। इसके पूर्व भी सेना के लिए खरीद सौदों को मंजूरी दी गई थी।

कम ऊंचाई के वॉर में बढ़ेगी क्षमता

● **लो लेवल रडार** : ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना का ध्यान जहां कम ऊंचाई वाले हवाई युद्ध में क्षमता बढ़ाने पर है। लो लेवल रडार कम ऊंचाई पर उड़ने वाले ड्रोन, यूएवी की पहचान कर सकेंगे और उन्हें खतरे से पहले नष्ट किया जा सकेगा।

लांग रेंज गाइडेट रॉकेट : लांग रेंज गाइडेड रॉकेट सामान्य रॉकेटों की तुलना में अचूक निशाना लगाने में सक्षम होगा।

एंटी ड्रोन प्रणाली मार्क-2 : रेंज ज्यादा होने से यह युद्ध क्षेत्र और भीतरी इलाकों में रक्षा करने में सक्षम होगी। इससे दूर से ही दुश्मन को मार गिराया जा सकता है।

ऑटो टेक ऑफ प्रणाली : वायुसेना को स्वचालित टेक ऑफ और लैंडिंग रिकार्डिंग प्रणाली मुहैया कराई जाएगी जिससे हवाई सुरक्षा की कमियां दूर होंगी।

महत्वपूर्ण भूमिका

● 2025 में सेना के कई सफल ऑपरेशन्स में इन नई प्रणालियों की भूमिका रही है, और इससे सेना की समग्र तैयारी और आत्म-निर्भरता में वृद्धि हुई है। आधुनिक युद्ध अब सिर्फ़ सैनिक ताकत नहीं, बल्कि तकनीक और प्रणाली की ताकत है। मॉडर्न हथियार और सिस्टम से सेनाओं की वास्तविक सैन्य सक्षमता बढ़ेगी, खासकर सीमा पर चीन और पाकिस्तान जैसे देशों के मुकाबले में।

समुद्र में भी मजबूत

● नौसेना को भी मानव रहित निगरानी ड्रोन के अलावा अन्य संशाधनों से लैस किया जा रहा है। नौसेना के युद्धपोतों और पनडुब्बियों को बंदरगाह पर सुरक्षित लाने और ले जाने के लिए बोलार्ड पुल टग्स दिए जाएंगे। गुप्त संचार के लिए हाई फ्रिक्वेंसी सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो मैनपैक से लैस किया जाएगा। यह पीठ पर लादा जा सकने वाली संचार प्रणाली है जिसे आसानी से हैक नहीं किया जा सकेगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

पुतिन ने मुर्मू, मोदी को दीं नववर्ष की बधाई

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित विश्व के नेताओं को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। रूसी सत्ता के केंद्र क्रेमलिन कहा कि क्रिसमस और आगामी नव वर्ष 2026" के लिए ये शुभकामनाएं दी गईं। पुतिन ने चीन और स्वतंत्र राष्ट्रों के राष्ट्रमंडल (सीआईएस) देशों के नेताओं को शुभकामनाएं दीं, लेकिन उन प्रमुख यूरोपीय देशों को नजरअंदाज किया, जो वर्तमान में यूक्रेन युद्ध के कारण मॉस्को के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। हालांकि, पुतिन ने नाटो और यूरोपीय संघ के मित्र सदस्य देशों हंगरी और स्लोवाकिया के नेताओं को भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक को भी बधाई दी। तीस दिसंबर रूस में कामकाज का आखिरी दिन है, क्योंकि देश में नए साल और ऑर्थोडॉक्स क्रिसमस (जो सात जनवरी को मनाया जाता है) की लंबी छुट्टियां शुरू हो जाती हैं, जो 12 जनवरी तक चलती हैं।

चीन कर रहा ताइवान पर हमले की तैयारी

ताइपे। अमेरिकी सीनेटर रोजर विकर ने चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि चीन ने ताइवान पर हमला करने की तैयारी तेज कर दी है। उन्होंने कहा कि चीन की तैयारी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की नाकाबंदी करने की क्षमता दिखाने और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी को ताइपे पर दबाव बनाने की अनुमति देने के लिए डिजाइन की गई है। रोजर ने कहा कि ताइवान पर हमले के लिए चीन के अभ्यास लगातार तेज हो रहे हैं। ये कम समय के नोटिस पर होने वाले अभ्यास पीएलए की ताइवान की नाकाबंदी लागू करने की क्षमता दिखाने और कम्युनिस्ट चीनी पार्टी को ताइपे पर दबाव बनाने की अनुमति देने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

कंबोडिया की सीमा पर ड्रोन पर प्रतिबंध

नोम पेन्ह। कंबोडिया ने खासकर थाईलैंड से लगे अपने सीमावर्ती इलाकों में सोमवार की रात से बिना इजाजत के ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। कम्बोडिया के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा, राजधानियों और प्रांतों में विशेष रूप से कोह कोंग, पुरसात, बट्टमबांग, बंतेय मीनचे, ओडार मीनचे, प्रेह विहार और पायलिन के सीमावर्ती प्रांतों में बिना अनुमति के सभी प्रकार के मानवरहित हवाई वाहनों (ड्रोन) के उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जाता है। इस कदम का उद्देश्य नागरिकों और सैनिकों के लिए सुरक्षा, संरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

परमाणु कार्यक्रम दोबारा शुरू करने पर ईरान पर हमला करेगा अमेरिका

ट्रंप ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात के दौरान दी चेतावनी

● हमास को भी जल्द हथियार छोड़ने के लिए चेताया

पाम बीच (फ्लोरिडा), एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि उसने अपने परमाणु कार्यक्रम को दोबारा शुरू करने की कोशिश की तो अमेरिका उसके परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला कर सकता है। ट्रंप ने यह चेतावनी इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का अपने फ्लोरिडा स्थित आवास पर स्वागत के दौरान दी। नेतन्याहू गाजा सहित अन्य मुद्दों पर व्यापक बातचीत के लिए फ्लोरिडा पहुंचे हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने यह चेतावनी ऐसे समय में दी है जब वे लगातार यह दावा करते रहे हैं कि जून में ईरान के प्रमुख परमाणु संवर्धन स्थलों पर अमेरिकी हमलों से तेहरान की परमाणु क्षमताएं पूरी तरह से खत्म हो गई हैं। हालांकि, इजराइली अधिकारियों के हवाले से स्थानीय मीडिया में ऐसी रिपोर्ट हैं कि ईरान इजराइल पर हमला करने में सक्षम लंबी दूरी की मिसाइलें फिर से तैयार कर सकता है। नेतन्याहू के मार-ए-लागो एस्टेट पहुंचने के तुरंत बाद ट्रंप ने कहा कि अब मैं सुन रहा हूं कि ईरान फिर से निर्माण करने की कोशिश कर रहा है और अगर वे ऐसा कर रहे हैं तो हमें उन्हें कुचलना पड़ेगा। हम उन्हें कुचल देंगे। ईरान का कहना है कि वह देश में किसी भी स्थल पर अब यूरेनियम संवर्धन नहीं कर रहा है। वह पश्चिमी देशों को यह संकेत देने की कोशिश कर रहा है कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम पर संभावित बातचीत के लिए तैयार है लेकिन संभावना जताई जा रही है कि नेतन्याहू तेहरान के खिलाफ फिर से संभावित सैन्य कार्रवाई पर ट्रंप के साथ चर्चा करेंगे। नेतन्याहू की यह यात्रा गाजा के लिहाज से भी अहम है। ट्रंप अमेरिका की मध्यस्थता में इजराइल-हमास संघर्षविराम समझौता कराने की दिशा में नई गति पैदा करना चाहते हैं। ट्रंप ने कहा कि वह वार्ता के दूसरे चरण तक जल्द से जल्द पहुंचना चाहते हैं। हालांकि उन्होंने साथ ही कहा कि लेकिन हमास को निरस्त्र करना होगा।

फ्लोरिडा में मार-ए-लागो क्लब में दोपहर के भोजन के दौरान मुलाकात करते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू।

ट्रंप ने दोहराया भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष समाप्त कराने का दावा

न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान भारत-पाकिस्तान संघर्ष को समाप्त कराने के अपने दावे को फिर दोहराया। सोमवार को फ्लोरिडा के पाम बीच स्थित मार-ए-लागो में नेतन्याहू और उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ द्विपक्षीय बैठक शुरू करते हुए ट्रंप ने कहा कि व्हाइट हाउस में अपने दूसरे कार्यकाल के पहले वर्ष में उन्होंने अब तक आठ युद्ध रुकवाए हैं। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच युद्ध रुकवाया, दोनों देशों को शुल्क लगाने की धमकी दी, साथ ही अन्य संघर्षों को भी समाप्त किया, लेकिन इसका श्रेय उन्हें नहीं दिया जाता। इसके बाद ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने के दावे को भी दोहराया। ट्रंप ने कहा कि आठ युद्धों का निपटारा किया... अजरबैजान को लेकर पुतिन ने मुझसे कहा कि मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि आपने वह युद्ध सुलझा दिया।

सेना को कार्बाइन, नौसेना को मिलेंगे तारपीडो

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्रालय ने सेना के लिए क्लोज क्वार्टर बैटल (सी क्यू बी) कार्बाइन और नौसेना के लिए हेवी वेट तारपीडो की खरीद के 4,666 करोड़ रुपये के अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं।

रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में इन अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए।

● रक्षा मंत्रालय ने 4666 करोड़ के अनुबंधों पर किए हस्ताक्षर

सेना और नौसेना के लिए सहायक उपकरणों के साथ लगभग 4 लाख 25 हजार सीक्यूबी कार्बाइन खरीदी जाएंगी और इसके लिए भारत फोर्ज लिमिटेड और पीएलआर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ 2,770 करोड़ रुपये का अनुबंध किया गया है। सी क्यू बी स्वदेशी, हल्की और कॉम्पैक्ट बंदूक है जिसे खास तौर पर नजदीकी लड़ाई और आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह उपलब्धि 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण के तहत पुरानी हथियार प्रणालियों को अत्याधुनिक स्वदेशी तकनीक में बदलते हुए भारतीय सैनिकों को विश्वस्तरीय मारक क्षमता से लैस करने के असाधारण और सतत प्रयासों की परिणति है। सीक्यूबी आधुनिक पैदल सेना के शस्त्रागार का अहम हिस्सा हैं।

रूस ने अपने बेड़े में शामिल की नई परमाणु मिसाइल

मास्को। रूस के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उसकी परमाणु सक्षम ओरेशिनक मिसाइल प्रणाली सक्रिय सेवा में शामिल हो गयी है। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर शांतिवार्ता में शामिल वार्ताकारों की लड़ाई को खत्म करने को लेकर की जा रही कोशिशों के बीच यह घटनाक्रम सामने आया है।

मंत्रालय ने बताया कि ये मिसाइलें पड़ोसी देश बेलारूस में तैनात की गयी हैं जहां सैनिकों ने इस अवसर पर एक संक्षिप्त समारोह आयोजित किया। हालांकि मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि कितनी मिसाइलें तैनात की गई हैं। उसने कोई अन्य विवरण भी नहीं दिया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दिसंबर के आरंभ में कहा था कि ओरेशिनक इस महीने युद्धक सेवा में शामिल हो जाएगी।

सऊदी अरब ने यमन पर की बमबारी, बढ़ा तनाव

दुबई, एजेंसी

सऊदी अरब ने यमन के बंदरगाह शहर मुकाला पर एक अलगाववादी संगठन के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से आई हथियारों की खेप को निशाना बनाकर बमबारी की। संयुक्त अरब अमीरात ने इन हमलों की तत्काल पुष्टि नहीं की। यह हमला सऊदी अरब और यूएई समर्थित 'सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल' (एसटीसी) के बीच तनाव और बढ़ने का संकेत देता है। इससे रियाद और अबू धाबी के रिश्तों में भी तनाव बढ़ने का संकेत मिलता है।

यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ एक दशक से जारी युद्ध में दोनों देश अलग-अलग पक्षों का समर्थन करते रहे हैं। सऊदी अरब द्वारा किए गए हवाई हमलों के बाद यमन में हूती-विरोधी

● यूएई से अलगाववादियों के लिए लाए हथियारों को निशाना

बलों ने मंगलवार को आपातकाल की घोषणा कर दी।

इन बलों ने अपने नियंत्रण वाले इलाकों में सभी सीमा चौकियों को 72 घंटे के लिए बंद करने की घोषणा की। साथ ही, हवाई अड्डों और बंदरगाहों में प्रवेश पर भी रोक लगा दी है। केवल उन लोगों पर प्रतिबंध नहीं है जिन्हें सऊदी अरब ने अनुमति दी है। बाद में, सऊदी अरब ने यूएई को चेतावनी दी कि यमन में अलगाववादियों की गतिविधियों को उसके द्वारा दिया जा रहा समर्थन बेहद खतरनाक है। सऊदी विदेश मंत्रालय के इस बयान में यूएई को एसटीसी की हालिया गतिविधियों से सीधे तौर पर जोड़ा गया। यह बयान अलगाववादियों के कदमों को लेकर अबू धाबी के लिए चेतावनी है।

बांग्लादेश ने भारत से अपने उच्चायुक्त को ढाका बुलाया

ढाका। भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्लाह विदेश मंत्रालय के आपात बुलावे' पर सोमवार रात को ढाका पहुंच गए। सोमवार देर रात मिली रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी। दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में तनाव के बीच यह कदम उठाया गया है। दैनिक समाचार पत्र प्रथोम आलो की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों की हालिया स्थिति को देखते हुए नयी दिल्ली में बांग्लादेश के उच्चायुक्त एम रियाज हमीदुल्लाह को आपात आधार पर ढाका बुला लिया गया है।

युवा पीढ़ी को भारत की जड़ों और विरासत से जोड़ रहा संघ

नागपुर, एजेंसी

मध्य-पश्चिम भारत में इजराइल के महावाणिज्यदूत यानिव रेवाच ने युवा पीढ़ी को उनकी जड़ों, विरासत और भारत के इतिहास से जोड़ने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मंगलवार को प्रशंसा की और कहा कि संगठन द्वारा संचालित गतिविधियां बहुत प्रभावशाली हैं।

रेवाच ने यह भी कहा कि आतंकवाद से लड़ने में भारत और इजराइल रणनीतिक सहयोगी हैं। इजराइली महावाणिज्यदूत ने नागपुर हवाई अड्डे पर कहा

● इजराइली राजनयिक ने की संगठन के कार्यों की प्रशंसा

कि मेरे लिए आरएसएस का दौरा करना और यहां उनके द्वारा आयोजित गतिविधियों को देखना महत्वपूर्ण था। ये गतिविधियां बहुत प्रभावशाली हैं क्योंकि वे युवा पीढ़ी के साथ काम कर रहे हैं और उन्हें भारत की जड़ों, विरासत और इतिहास से जोड़ रहे हैं।

उन्होंने एक दिन पहले रेशिमबाग क्षेत्र स्थित स्मृति मंदिर परिसर का दौरा किया था, जहां आरएसएस के संस्थापक हेडगेवार का स्मारक है।

साहित्य महोत्सव में शामिल होंगी सुनीता विलियम्स

नई दिल्ली। नासा की पूर्व अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स 22 जनवरी से शुरू होने वाले नौवें केरल साहित्य महोत्सव (केएलएफ) में भाग लेने वाली हैं। उम्मीद है कि अंतरिक्ष में 300 से अधिक दिन बिता चुकीं 60 वर्षीय विलियम्स पृथ्वी से दूर अपनी यात्रा, विज्ञान, अन्वेषण, नेतृत्व और मानवीय जिज्ञासा की स्थायी शक्ति के बारे में बात करेंगी। केएलएफ के मुख्य सूत्रधार रवि डीसी ने कहा कि केरल साहित्य महोत्सव हमेशा से ही विज्ञान को महत्व देता आया है।

हेलीकॉप्टर ध्रुव एनजी को दिखाई हरी झंडी

बेंगलुरु, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू ने मंगलवार को एचएएल द्वारा डिजाइन और निर्मित अगली पीढ़ी के हेलीकॉप्टर ध्रुव एनजी को हरी झंडी दिखाकर पहली उड़ान के लिए रवाना किया। यहां उड़ान भरने से पहले केंद्रीय मंत्री ने हेलीकॉप्टर की उन्नत प्रणालियों और विशेषताओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने के लिए पायलट के साथ कॉकपिट में प्रवेश किया।

ध्रुव एनजी महज 5.5 टन का एक हल्का, दो इंजन वाला और बहु-भूमिका हेलीकॉप्टर है, जिसे भारतीय भूभाग की विविध और

● नागरिक उड्डयन मंत्री ने बताया देश के लिए अहम उपलब्धि

चुनौतीपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाया गया है। केंद्रीय मंत्री ने हरी झंडी दिखाने के बाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह हेलीकॉप्टर भारतीय विमानन इतिहास में एक बहुत महत्वपूर्ण उपलब्धि है और उन्होंने इस उपलब्धि के लिए एचएएल के सभी कर्मचारियों, डिजाइनरों और इंजीनियरों से लेकर तकनीशियनों तक को बधाई दी।

नायडू ने कहा कि नागरिक विमानन मंत्री के रूप में यह मेरे लिए विशेष रूप से गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि यह विकास स्वदेशी एयरोस्पेस विनिर्माण में भारत के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ध्रुव-एनजी महज एक मशीन नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत के प्रति भारत की क्षमता, आत्मविश्वास और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने स्वदेशी शक्ति इंजन के लिए डीजीसीए द्वारा टाइप सर्टिफिकेट देने को नागरिक उड्डयन क्षेत्र के लिए अहम बताया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 31 दिसंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 1 जनवरी 01.47 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

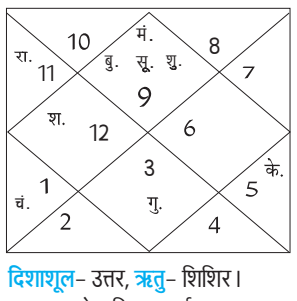

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- कृत्तिका 1 जनवरी 01.29 तक तत्पश्चात रोहिणी।

मेष — आज किसी पुरानी समस्या का समाधान मिलने के योग बन रहे हैं। वैवाहिक जीवन पर आपको काफी ध्यान देना चाहिए। परिवार के सदस्यों की चिंता रहेगी। आप काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। कानूनी मामलों में आपको सफलता मिलेगी।

वृष — आज धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन कर सकते हैं। उच्च शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश लेने के लिए दिन काफी शुभ है। किसी बड़े कार्य को लेकर धन की समस्या हल हो सकती है। बच्चों को बड़ी सफलता मिल सकती है।

मिथुन — आज लंबी दूरी की यात्रा न करें। सरकारी सेवा से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। अहंकारी प्रवृत्ति के लोगों को आलोचना झेलनी पड़ सकती है। रक्तचाप और गठिया रोगियों को परेशानी होने की संभावना है।

कर्क — आज अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें। काफी दिनों से चली आ रही समस्या दूर होगी। कई पुरानी यादें अचानक आपके सामने उभरकर आएंगी। अनुसंधान संबंधित प्रोजेक्ट्स में सफलता मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ आप काफी अच्छा समय बिताएंगे।

सिंह — आज अपनी उपलब्धियों पर गर्व होगा। आप जिस काम को बहुत आसान समझते हैं वही आपको काफी परेशान कर सकता है। आपकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। व्यवसाय में लाभ होगा। पड़ोसी आपकी काफी मदद करना चाहेंगे।

कन्या — आज आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा। व्यवसाय में आप बड़ा और साहसिक निर्णय ले सकते हैं। लोग आपसे काफी अपेक्षाएं रखे हुए हैं, जिसे आप पूरा भी करेंगे। पारिवारिक जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक पालन करें।

तुला — आज नया काम शुरू करने के लिए दिन शुभ नहीं है। धर्म-कर्म के प्रति आपका रुझान कम हो सकता है। शारीरिक और मानसिक थकान हो सकती है। राजनीति से जुड़े लोगों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक — आज कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता के बावजूद आप काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आप परिजनों के साथ घूमने जा सकते हैं। परिवार में शांति का वातावरण रहेगा। बच्चों के करियर की चिंता हो सकती है। विद्वान लोगों की संगति आपके लिए लाभकारी होगी।

धनु — आज नया व्यवसाय शुरू करने के लिए दिन बेहद शुभ है। इसका सीधा लाभ आपको कार्यक्षेत्र में भी प्राप्त होगा। आपका मन आध्यात्मिक कार्यों में लगेगा। आपकी छवि लोगों के बीच एक उदार और परोपकारी व्यक्ति के रूप में स्थापित होगी।

मकर — आज आत्मविश्वास में कमी महसूस होगी। बिना मांगे किसी को सलाह देने के कारण अपमान हो सकता है। लापरवाही के कारण आपके काम की गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। प्रेम विवाह को लेकर परिवार में चर्चा कर सकते हैं।

कुंभ — आज आपकी कोई बात निकटस्थ लोगों को व्यथित कर सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको नई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। अपने स्वास्थ्य का ध्यान अवश्य रखें। प्रेमी जन के साथ संवादहीनता के कारण बात बिगड़ सकती है।

मीन — आज पैतृक व्यवसाय में आय बढ़ेगी। पति-पत्नी एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करेंगे। आपके सभी काम समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-समृद्धि बढ़ेगी। जीवनसाथी को कुछ उपहार दे सकते हैं।

सुडोकू-18

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8	2		9	4	1		
		3		8				5
		9	6		7			
3				6		7		9
	1						4	
8		6		5				2
			3		8	5		
5				2		4		
		7	9	1		8	6	

सुडोकू - 17 का हल

4	6	8	1	3	9	5	7	2
7	3	5	8	2	4	9	1	6
1	9	2	5	6	7	4	3	8
2	4	6	3	5	8	7	9	1
5	1	9	7	4	6	8	2	3
8	7	3	9	1	2	6	5	4
3	5	4	6	9	1	2	8	7
9	2	7	4	8	3	1	6	5
6	8	1	2	7	5	3	4	9

भले ही ऑस्ट्रेलिया टी-20 या वनडे चैंपियन न हो, लेकिन वह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। फरवरी में जब हम भारत की मेजबानी करेंगे तो मैं और मेरी टीम सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी।

एशले गार्डनर
ऑलराउंडर, ऑस्ट्रेलिया

स्टेडियम

कानपुर नगर, बुधवार, 31 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

खालिदा जिया के निधन के बाद बीपीएल के मैच स्थगित

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने देश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के निधन के बाद मंगलवार को होने वाले बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के दो मैच स्थगित कर दिए हैं। दोनों मैच अब बुधवार को खेले जाएंगे। बीपीएल के मैच स्थगित करने का फैसला सिलहट अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में सिलहट टाइटन्स और चटगांव रॉयल्स के बीच दिन के पहले मैच के टॉस से दो घंटे पहले लिया गया। बीसीबी ने एक्स पर कहा कि बीपीएल 2026 बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री के लिए राष्ट्रीय शोक की अवधि के दौरान सम्मान में एकजुट है। 30 दिसंबर 2025 को होने वाले मैच 31 दिसंबर 2025 को खेले जाएंगे।

पूरा वेतन न मिलने पर प्रो लीग का बहिष्कार करेंगे पाक खिलाड़ी

लाहौर। पाकिस्तान की हॉकी टीम के कुछ सीनियर खिलाड़ियों ने पूरा वेतन नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए फरवरी में होने वाले पुरुष एफआईएच प्रो लीग के दूसरे चरण का बहिष्कार करने की चेतावनी दी है। इन खिलाड़ियों ने आरोप लगाया कि उन्हें इस महीने की शुरुआत में खेले मैचों के लिए पूरा दैनिक भत्ता नहीं दिया गया है। राष्ट्रीय पुरुष टीम के दो सदस्यों ने पुष्टि की कि पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) को स्पष्ट संदेश भेज दिया गया था कि यदि वित्तीय मुद्दों का समाधान नहीं किया गया तो कई खिलाड़ी एफआईएच प्रो लीग के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

पीसीबी ने मुख्य कोच महमूद से नाता तोड़ा

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने राष्ट्रीय टेस्ट टीम के मुख्य कोच अजहर महमूद से उनके अनुबंध की समाप्ति से तीन महीने पहले ही अलग होने का फैसला किया है। पूर्व टेस्ट ऑलराउंडर अजहर का अनुबंध मार्च 2026 तक था, लेकिन उन्हें समय से पहले हटा दिया गया है। पाकिस्तान अगला टेस्ट मैच मार्च 2026 में खेलेगा। बोर्ड के सूत्र ने बताया कि अजहर का अनुबंध मार्च में समाप्त हो रहा है और पाकिस्तान की टीम का टेस्ट दौरा मार्च 2026 से शुरू होगा, इसलिए बोर्ड नए मुख्य कोच के लिए अपनी रणनीति अभी से तैयार करना चाहता है। अजहर का बोर्ड के साथ दो साल का अनुबंध था। उन्हें पिछले साल टेस्ट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था।

ब्रैडमैन की बैगी ग्रीन कैप होगी नीलाम

सिडनी। महान बल्लेबाज सर डोनाल्ड ब्रैडमैन ने भारत के 1947-48 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान जो बैगी ग्रीन कैप पहनी थी उसकी अगले महीने नीलामी होगी। ब्रैडमैन ने भारतीय ऑलराउंडर श्रीरंगा वासुदेव सोहोनी को कैप उपहार में दी थी। वह स्वतंत्र भारत का पहला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट दौरा था। ब्रैडमैन के युग की बची हुई अधिकांश बैगी ग्रीन कैप विभिन्न संग्रहालयों या निजी संग्रहों में रखी गई है लेकिन इस कैप को कभी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित नहीं किया गया या बिक्री के लिए नहीं रखा गया। ऑस्ट्रेलियन एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के अनुसार यह कैप 75 वर्षों से अधिक समय से एक ही परिवार के पास है। लॉयड्स ऑक्शंस के ली हेम्स ने कहा कि यह क्रिकेट इतिहास की वास्तविक वस्तु है जिसे सर डोनाल्ड ब्रैडमैन ने उपहार में दिया था।

भारतीय महिलाओं ने किया क्लीन स्वीप

शृंखला के पांचवें और अंतिम टी-20 मैच में भी श्रीलंका 15 रनों से परास्त

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

कप्तान हरमनप्रीत कौर के जुझारू अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने पांचवें और अंतिम महिला टी-20 मैच में मंगलवार को श्रीलंका को 15 रन से हराकर पांच मैच की शृंखला में 5-0 से क्लीन स्वीप किया। भारत ने किसी द्विपक्षीय शृंखला में स्वदेश में पहली और तीसरी बार 5-0 से किसी टीम का सूपड़ा साफ किया है। श्रीलंका को पहली बार इस अंतर से हार मिली है।

भारत के 176 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की हसिनी परेरा (65 रन, 42 गेंद, 8 चौके, 1 छक्का) और इमेशा दुलानी (50 रन, 39 गेंद, 8 चौके) के अर्धशतक और दोनों के बीच दूसरे विकेट की 79 रन की साझेदारी के बावजूद 7 विकेट पर 160 रन ही बना सकी। भारत की तरफ से दीप्ति शर्मा, अरुंधति रेड्डी, स्नेह राणा, वैष्णवी शर्मा, श्री चरणी और अमनजोत कौर ने एक-एक विकेट लिए। हरमनप्रीत ने 43 गेंद में 9 चौकों और 1 छक्के से 68 रन की पारी खेलने के अलावा अमनजोत (21) के साथ छठे विकेट के लिए 61 रन जोड़कर भारत को 7 विकेट पर 175 रन के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। अरुंधति ने अंत में 11 गेंद में 4 चौकों और 1 छक्के से नाबाद 27 रन बनाए। श्रीलंका की कविशा दिलहारी, कप्तान चामरी अटापट्टू और रश्मिका सेवांडी ने दो-दो विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे श्रीलंका ने दूसरे ओवर में ही कप्तान चामरी (02) का विकेट गंवा दिया, जिन्होंने अरुंधति की गेंद पर दीप्ति शर्मा को कैच थमाया। हसिनी और इमेशा ने पावर प्ले में टीम का स्कोर 1 विकेट पर 48 रनों तक पहुंचाया। इमेशा ने दीप्ति पर लगातार दो चौकों के अलावा अरुंधति और स्नेह की गेंद को भी बाउंड्री भेजा। इमेशा और हसिनी ने पावर प्ले के बाद स्ट्राइक रोटेट करने को तरजीह दी। दोनों ने खराब गेंदों को सबक सिखाने में भी कोताही नहीं बरती। इमेशा ने वैष्णवी पर लगातार दो चौकों और फिर 1 रन के साथ 38 गेंद में अपना पहला टी-20 अर्धशतक पूरा किया।

हरमनप्रीत ने इसके बाद गेंद अमनजोत को थमाई जिन्होंने पहली ही गेंद पर इमेशा को शेफाली के हाथों कैच कराके भारत को सफलता दिलाई। श्रीलंका के रनों का शतक 14वें ओवर में पूरा हुआ, लेकिन इसी ओवर में दीप्ति ने निलाक्षिका सिल्वा को पगबाधा किया। वैष्णवी ने अगले ओवर में कविशा दिलहारी को बोल्ड करके श्रीलंका को चौथा झटका दिया। श्रीलंका को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 64 रन की दरकार थी। हसिनी ने अमनजोत की गेंद पर एक रन के साथ अपने 89वें मैच में पहला अर्धशतक पूरा किया। हसिनी ने श्री चरणी की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का मारा, लेकिन अगली गेंद पर बोल्ड हो गईं। श्रीलंका ने विकेटकीपर बल्लेबाज कौशिनी नुथ्यानग्ना और हर्षिता समरविक्रम के विकेट लगातार गेंद पर गंवाए। टीम को अंतिम दो ओवर में 34 रन की जरूरत थी जो उसके लिए पहाड़ जैसा लक्ष्य साबित हुआ। इससे पहले चामरी ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया, जिसके बाद भारत ने फॉर्म में चल रही शेफाली वर्मा का विकेट दूसरे ओवर में गंवा दिया, जिनका लॉन्ग ऑन पर इमेशा ने कैच लपका। पदार्पण कर रही सलामी बल्लेबाज जी कमालिनी और हरलीन देओल ने माल्की मदारा और निमाशा मीपागे पर चौके जड़े। कविशा ने कमालिनी को पगबाधा करके भारत को दूसरा झटका दिया। भारत ने पावर प्ले में दो विकेट पर 40 रन बनाए। रश्मिका ने हरलीन को बोल्ड किया।

हरमनप्रीत ने इनोका रणवीरा पर तीन चौकों के साथ आठवें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया, लेकिन ऋचा घोष चामरी की गेंद पर विकेटकीपर कौशिनी नुथ्यानग्ना को कैच दे बैठीं। चामरी ने दीप्ति शर्मा को निमाशा के हाथों कैच कराकर भारत को पांचवां झटका दिया। हरमनप्रीत ने चामरी के ओवर में अर्धशतक पूरा किया और टीम का स्कोर 100 रन पार पहुंचाया। हरमनप्रीत ने इनोका की गेंदों पर भी छक्का और चौका मारा। अमनजोत ने रश्मिका पर छक्का मारा लेकिन अगली गेंद पर कविशा को कैच दे बैठीं। कविशा ने अगले ओवर में हरमनप्रीत को बोल्ड करके भारत को बड़ा झटका दिया। अरुंधति ने अंतिम ओवर में मदारा की लगातार गेंदों पर तीन चौके और एक छक्के के साथ टीम का स्कोर 170 रन के पार पहुंचाया।

मैच के दौरान साथी खिलाड़ियों के साथ भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर।

भारत

175/7 (20 ओवर)

शेफाली का दुलानी बो निमाशा	05
जी कमालिनी पगबाधा को कविशा	12
हरलीन देओल बो रश्मिका	13
हरमनप्रीत कौर बो दिलहारी	68
ऋचा घोष का कौशिनी बो चामरी	05
दीप्ति शर्मा का निमाशा बो चामरी	07
अमनजोत का दिलहारी बो रश्मिका	21
अरुंधति रेड्डी नाबाद	27
स्नेह राणा नाबाद	08

गेंदबाजी: मदारा 4-0-37-0, निमाशा 3-0-25-1, कविशा 2-0-11-2, इनोका 4-0-39-0, रश्मिका 4-0-42-2, चामरी 3-0-21-2

श्रीलंका

160/7 (20 ओवर)

हसिनी परेरा बो चरणी	65
अटापट्टू का दीप्ति बो अरुंधति	02
इमेशा का शेफाली बो अमनजोत	50
निलाक्षिका पगबाधा बो दीप्ति	03
कविशा दिलहारी बो वैष्णवी	05
समरविक्रम का हरलीन बो स्नेह	08
कौशिनी नुथ्यानग्ना रन आउट	01
रश्मिका सेवांडी नाबाद	14
माल्की मदारा नाबाद	05

गेंदबाजी: दीप्ति 4-0-28-1, अरुंधति 2-0-16-1, स्नेह 4-0-31-1, वैष्णवी 4-0-33-1, चरणी 4-0-31-1, अमनजोत 2-0-17-1

आईसीसी महिला टी-20 रैंकिंग

शेफाली-रेणुका ऊपर दीप्ति नंबर 1 पर कायम

दुबई, एजेंसी

भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा आईसीसी महिला टी-20 खिलाड़ियों की रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। 21 वर्ष की शेफाली ने श्रीलंका के खिलाफ टी-20 शृंखला के दूसरे मैच में 34 गेंद में नाबाद 69, तीसरे मैच में 42 गेंद में 79 और चौथे में 46 गेंद में 79 रन बनाए।

चौथे टी-20 में 80 रन बनाने वाली उपकप्तान स्मृति मंधाना तीसरे स्थान पर है जबकि जेमिमा रौड्रिग्स एक पायदान खिसककर 10वें स्थान पर हैं। अनुभवी हरफनमौला दीप्ति शर्मा गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर हैं जबकि रेणुका सिंह ठाकुर शीर्ष दस में पहुंची हैं। तीसरे मैच में चार विकेट लेने वाली रेणुका आठ पायदान चढ़कर संयुक्त छठे स्थान पर हैं। भारत की बाएं हाथ की स्पिनर श्रीचरणी 17 पायदान चढकर 52वें और वैष्णवी शर्मा 390 पायदान चढ़कर 124वें स्थान पर है। श्रीलंका के लिए खब्बू सलामी बल्लेबाज हसिनी परेरा 114 पायदान चढ़कर 71वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

क्रिकेट में आपको ज़ीरो से शुरू करना होता है : स्मृति मंधाना

त्रिवेंद्रम। भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि क्रिकेट में हर पारी शुरू से शुरू होती है और पिछला प्रदर्शन भविष्य में सफलता की गारंटी नहीं देता, उन्होंने सभी फ़ॉर्मेट में संतुलित सोच की जरूरत पर जोर दिया। बीसीसीआई के शेयर किए वीडियो में मंधाना ने कहा कि क्रिकेट में आपको जीरो से शुरू करना होता है। स्कोरबोर्ड हमेशा जीरो पर होता है। यह कभी नहीं होता जो आपने पिछले मैच या पिछली सीरीज में किया हो। अलग-अलग फ़ॉर्मेट में उम्मीदें अलग होती हैं, टी-20 में वनडे और टेस्ट की तुलना में अलग मानसिक नजरिए की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि टी20 थोड़ा इस तरह का है जहां आप आउट होने के बाद खुद पर बहुत ज्यादा सख़्त नहीं हो सकते क्योंकि आप ऐसी रफ़्तार से खेल रहे होते हैं जहां कुछ दिन ऐसे होते हैं जब यह कामयाब होगा और कुछ दिन ऐसे होते हैं जब यह नहीं होगा। मैं वनडे क्रिकेट और टेस्ट क्रिकेट को लेकर खुद पर बहुत सख़्त हूं, क्योंकि आपके पास बहुत समय होता है। अगर आप वहां आउट होते हैं, तो यह मेरे लिए पाप जैसा लगता है। जहां कुछ खास दिनों में काबिलियत से मैच जिताए जा सकते हैं, वहीं खिलाड़ियों को बिना सोचे नाकामियों को स्वीकार करना चाहिए।

विश्व ब्लिट्ज शतरंज : अर्जुन से हार के बाद कार्लसन ने आपा खोया

दोहा, एजेंसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने मजबूत एंडगेम और त्वरित गणना के कौशल का नमूना पेश करते हुए विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराकर विश्व ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप के पहले दिन संयुक्त बढ़त ली। एरिगैसी ने अन्य शीर्ष ग्रैंडमास्टर नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को भी मात देकर तीन अन्य गेम ड्रॉ किए। एरिगैसी ने पहले दिन 10 अंक हासिल किए और मैक्सिम वाचियर लाग्रेव और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

एरिगैसी ने कार्लसन को नौवें दौर में तनावपूर्ण एंडगेम में हराया। एरिगैसी के पास नौ सेकंड जबकि कार्लसन के पास तीन सेकंड थे। नॉर्वे का खिलाड़ी जैसे ही रानी को चलने वाला था, मोहरा उनके हाथ से फिसलकर मेज से बाहर जा गिरा। संयोग से तब अलेक्जेंडर ग्रिशुक वहां से गुजर रहे थे। उन्होंने रास्ते से हटने की कोशिश की। जब तक कार्लसन ने अपनी रानी उठाई और उसे बोर्ड पर रखा, तब तक उनका समय समाप्त हो चुका था। विश्व ब्लिट्ज 2024 के सह-चैंपियन कार्लसन और इयान नेपोम्नियाची के संभावित 13 में से नौ अंक हैं। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए मंगलवार को छह और राउंड खेले जाएंगे, जिसके बाद फाइनल होगा।

कार्लसन ने गुस्से में मेज पर मारा मुक्का

कार्लसन अपना गुस्सा नहीं छिपा सके और उन्होंने मेज पर मुक्का मारकर उसे बुरी तरह हिला दिया। कार्लसन ने इसी साल नॉर्वे शतरंज प्रतियोगिता में डी गुकेश से हारने के बाद मेज पर इसी तरह हाथ पटका था। शीर्ष पर काबिज खिलाड़ियों से ठीक पीछे छह खिलाड़ी हैं जिनके समान 9 .5 अंक हैं।

महिला वर्ग में हंपी नहीं दोहरा सकीं प्रदर्शन

महिला वर्ग में दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन कोनेरू हंपी रविवार को रैपिड वर्ग में कांस्य पदक जीतने के दौरान दिखाए प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकीं और 10 राउंड के बाद संयुक्त रूप से 61वें स्थान पर खिसक गईं। उनका दिन पांच अंकों के साथ समाप्त हुआ, जहां उनके साथ चीन की ग्रैंडमास्टर टैन झोंगयी भी हैं। महिला विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख छह अंकों के साथ संयुक्त रूप से 30वें स्थान पर हैं जबकि ग्रैंडमास्टर डी हरिका और आर वैशाली के समान 5 .5 अंक हैं। महिला वर्ग में पांच और राउंड होंगे, जिनमें से शीर्ष चार खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचेंगे और उसके बाद फाइनल होगा।

2025

खेलों में नारी शक्ति ने दिखाया जलवा

भारतीय खेल प्रतिस्पर्धाएं

डोपिंग और प्रशासनिक समस्याएं बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी

चाहे वह क्रिकेट के मैदान की गहमागहमी हो या मुक्केबाजी का क्रूर रिंग या फिर शतरंज के बोर्ड पर दिमागी खेल हो या निशानेबाजी और तीरंदाजी में सटीक लक्ष्य लगाना, 2025 में महिला खिलाड़ियों ने हर खेल में अपनी खास छाप छोड़ी।

शतरंज में 19 वर्षीय खिलाड़ी दिव्या देशमुख भारत की पहली महिला विश्व कप विजेता बनीं। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली क्रिकेट टीम ने मुश्किल दौर से उबरकर महिला वनडे विश्व कप जीतकर इतिहास रचा। निशानेबाजी में 19 वर्षीय सुरुचि सिंह ने 10 मीटर एयर पिस्टल में तीन व्यक्तिगत पदकों सहित चार विश्व कप स्वर्ण पदक जीतकर उस स्पर्धा में अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराई, जिसमें अब तक दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर का दबदबा रहा था। तीरंदाजी में 18 वर्षीय शीतल देवी न केवल बिना हाथ वाली पहली पैरा विश्व चैंपियन बनीं, बल्कि उन्होंने सक्षम शरीर वाले खिलाड़ियों की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए राष्ट्रीय टीम में भी जगह बनाई।

भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम भी श्रीलंका से विश्व चैंपियन बनकर लौटी। दीपिका टीसी के नेतृत्व में इन महिलाओं ने तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद सफलता हासिल की। मुक्केबाजी में पुरुष खिलाड़ियों को साल भर संघर्ष करना पड़ा लेकिन महिला खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। जैस्मीन लैंबोरिया और मीनाक्षी हुडा ने विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतकर मनोबल बढ़ाया। फुटबॉल के मैदान पर जहां पुरुष टीम झटके झेलती रही, वहीं महिला टीम ने अगले साल के एएफसी एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करके आशा की किरण जगाई।

मीराबाई चानू ने दी चुनौतियों को मात

भारोत्तोलन में मीराबाई चानू की श्रेष्ठता को इस साल भी कोई चुनौती नहीं दे सका। तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली मणिपुर की यह खिलाड़ी भले ही अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाई लेकिन इसके बावजूद वह इस खेल में भारत की अग्रणी खिलाड़ी बनी हुई हैं। पीठ की लगातार समस्या से जूझने के बावजूद मीराबाई ने राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक के साथ-साथ विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक भी जीता। उनका पसंदीदा 49 किलोग्राम वर्ग अब ओलंपिक सूची का हिस्सा नहीं है। ऐसे में यह देखना बाकी है कि वह 2028 में लॉस एंजिल्स खेलों के लिए किस तरह से तैयारी करती हैं।

अंतिम पंघाल ने भी दिखाया दम

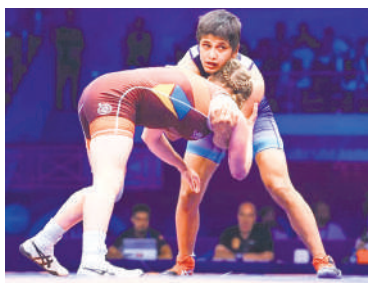

कुश्ती में महिला पहलवान अंतिम पंघाल ने यह सुनिश्चित किया कि ओलंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सेहरावत का निराशाजनक प्रदर्शन ही इस वर्ष चर्चा का एकमात्र विषय न हो। अंतिम ने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता जो इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इस साल कुश्ती डोपिंग विवादों और कुछ पहलवानों के अधिक वजन वर्ग के कारण प्रतियोगिताओं से बाहर होने के लिए अधिक चर्चा में रही थी।

पुरुष क्रिकेट और हॉकी टीम में मची रही गहमागहमी

भारतीय महिला टीम ने जहां वनडे विश्व कप जीता वहीं पुरुष टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप अपने नाम किया। भारतीय पुरुष टीम हालांकि टेस्ट क्रिकेट में जूझती नजर आई। ऐसा ही कुछ भाला फेंक के धुरंधर नीरज चोपड़ा के साथ भी देखने को मिला। उन्होंने लंबे इंतजार के बाद दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर के जादुई आंकड़े को पार किया, लेकिन विश्व चैंपियनशिप में वह अप्रत्याशित रूप से आठवें स्थान पर रहे। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट में परेशानी की शुरुआत इस साल दो दिग्गज खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के साथ हुई। भले ही देश को शुभमन गिल के रूप में एक नया कप्तान मिल गया हो, फिर भी ये दोनों खिलाड़ी प्रशंसकों के लिए सबसे बड़े आकर्षण बने रहे। ऐसा तब हो रहा है जबकि रोहित और कोहली दोनों अब केवल वनडे प्रारूप में खेलते हैं। आलोचनाओं से घिरे मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने इन दोनों खिलाड़ियों के 2027 विश्व कप में खेलने की संभावनाओं पर सीधे जवाब देने से परहेज किया। पुरुष हॉकी टीम के लिए भी यह साल काफी अच्छा रहा। सीनियर टीम ने एशिया कप जीतकर 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया और जूनियर टीम ने घरेलू धरती पर खेले गए विश्व कप में कांस्य पदक जीता। भारत ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराई लेकिन इस साल भी खेल प्रशासन प्रमुख चिंता का विषय बना रहा, जैसा कि एआईएफएफ के वाणिज्यिक साझेदार खोजने के संघर्ष से स्पष्ट होता है।

सलाह

अभिनव बिंद्रा की अध्यक्षता वाले कार्यबल ने 170 पन्नों की रिपोर्ट खेल मंत्री को सौंपी

कार्यबल ने बताईं कमियां, मांडविया बोले- करेंगे सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी

अभिनव बिंद्रा की अध्यक्षता में खेल मंत्रालय द्वारा गठित कार्यबल ने भारत में खेल प्रशासन की कमियों को रेखांकित करते हुए प्रशासनिक अधिकारियों समेत खेलों के विशेष पेशेवर कैडर को ट्रेनिंग देने के लिए एक स्वायत्त वैधानिक ईकाई के गठन की सिफारिश की है। कार्यबल ने 170 पन्नों की रिपोर्ट खेलमंत्री मनसुख मांडविया को सौंप दी है जिन्होंने मंगलवार को कहा कि भारत के खेल इकोसिस्टम को पेशेवर बनाने के प्रयास के तहत कार्यबल की सभी सिफारिशों को लागू किया जाएगा।

ओलंपिक 2036 तक भारत को शीर्ष दस खेल देशों में शामिल करने के लक्ष्य के तहत खेल मंत्रालय ने भारतीय खेल प्राधिकरण, राष्ट्रीय खेल महासंघों और प्रदेश संघों के मौजूदा प्रशासनिक ढांचे की समीक्षा करने,

कमियों को तलाशने और सुधार के उपायों के लिए कार्यबल का गठन किया था। कार्यबल ने खेल शिक्षा और सामर्थ्य निर्माण राष्ट्रीय परिषद (एनसीएसईसीबी) के गठन की अनुशंसा की है जो खेल मंत्रालय के अंतर्गत स्वायत्त ईकाई के रूप में काम करेगी और इसके जिम्मे खेल प्रशासन ट्रेनिंग को विनियमित करने, मान्यता देने और प्रमाणित करने की जिम्मेदारी होगी। नौ सदस्यीय कार्यबल इस साल अगस्त में बनाया गया था, जिसमे ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज बिंद्रा के अलावा आदिले सुमरिवाला और टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना के पूर्व सीईओ कमांडर राजेश राजगोपालन भी थे।

कार्यबल ने रिपोर्ट में कहा है कि खेल प्रशासकों में पेशेवर कैडर का अभाव है और संस्थागत निरंतरता भी कमजोर है। ट्रेनिंग के मौके व्यवस्थित और आधुनिक नहीं है, जिसमे निरंतर पेशेवर विकास पर फोकस सीमित है। इसमें कहा गया कि खिलाड़ियों के रिटायर होने के बाद खेल प्रशासन में आने के रास्ते सीमित हैं चूंकि अधिकांश खिलाड़ियों में इसके लिए जरूरी कौशल का अभाव है।

एनआईएस पटियाला को अकादमी बनाने का सुझाव खारिज

नई दिल्ली। पटियाला स्थित राष्ट्रीय खेल संस्थान को खेल प्रशासकों की ट्रेनिंग के लिए अकादमी बनाने के प्रस्ताव को कार्यबल ने खारिज कर दिया है और इसे प्रतिबंधात्मक और अस्थिर बताया। कार्यबल से समीक्षा के लिए कहा गया था कि पटियाला स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस खेल संस्थान को क्या खेल प्रशासकों के सामर्थ्य निर्माण के लिए अकादमी बनाया जा सकता है। एनआईएस पटियाला में मुक्केबाजी, भारोत्तोलन और एथलेटिक्स में ट्रेनिंग दी जाती है। इसके अलावा देश में कोचिंग डिप्लोमा देने वाला भी यह प्रमुख संस्थान है। कार्यबल ने कहा कि एक राष्ट्रीय अकादमी का सुझाव अच्छा है।